रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन की नई अहमियत 4

तापसी पन्नू कैसे बनीं फिल्म 'गांधारी' का हिस्सा 7

ट्रैवल मार्ट के जरिए विदेशी धरती पर दिखेगी पर्यटन की खास झलक 8

तिथि-बैशाख, कृष्ण, दशमी

सोना - 1,01,275

शेयर मार्केट- 79,595

चांदी- 1,01,00

निफ्टी- 24,167

अधिकतम -39 ºc
न्यूनतम -23 ºc

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

ww.charchitrajnit.com | वर्ष - 21 अंक-149 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 | लखनऊ, बुधवार 23 अप्रैल, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य : दो रुपये

सऊदी अरब का दौरा बीच में ही छोड़कर भारत लौटे मोदी

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब का दौरा बीच में ही छोड़कर देश लौट रहे हैं। पीएम मोदी दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को ही सऊदी अरब पहुंचे थे। पीएम मोदी अब जेद्दा से लौट रहे हैं और बुधवार सुबह तक भारत पहुंच जाएंगे। आतंकी हमले के मद्देनजर पीएम मोदी सऊदी अरब द्वारा आयोजित आधिकारिक डिनर में भी शामिल नहीं हुए। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा कि इस जघन्य कृत्य में शामिल लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा।

पीएम मोदी अपनी दो दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को ही सऊदी अरब के जेद्दा पहुंचे थे, यह प्रधानमंत्री की सऊदी अरब की तीसरी तथा ऐतिहासिक तटीय शहर जेद्दा की पहली यात्रा थी, उनके सऊदी अरब पहुंचने के बाद जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले की खबर आई। सऊदी अरब से लौटने के तुरंत बाद पीएम मोदी सुरक्षा हालात की समीक्षा के लिए बैठक करेंगे। कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति की बैठक भी हो सकती है। उधर, गृह मंत्री अमित शाह के बुधवार शाम तक श्रीनगर से दिल्ली वापस आने की संभावना है। पीएम मोदी हमले के बाद गृह मंत्री अमित शाह से भी बात की थी और उन्हें स्थिति से निपटने के लिए सभी उपयुक्त कदम उठाने के लिए कहा था। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उन्हें (आतंकवादियों को) बख्शा नहीं जाएगा, उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है तथा यह और भी मजबूत होगा। मोदी ने हमले में अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है।

सऊदी में गूंजा 'ऐ वतन, ऐ वतन' गीत : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर 22-23 अप्रैल को सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा पर जेद्दा पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सऊदी अरब के जेद्दाह में उतरा हूं। इस यात्रा से भारत और सऊदी अरब के बीच मित्रता मजबूत होगी। आज और कल विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं। जेद्दा पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते हुए प्रवासी भारतीयों ने 'मोदी, मोदी' के नारे लगाए। मोदी के जेद्दा पहुंचने पर एक स्थानीय शख्स ने उनके स्वागत में भारतीय गीत 'ऐ वतन, ऐ वतन...' गाया। मोदी का स्वागत 21 तोपों की सलामी के साथ किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री एचआरएच प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ देश की अपनी यात्रा के दौरान भारत (शेष पृष्ठ 7 पर)

आतंकी हमले में 28 पर्यटकों की मौत

श्रीनगर पहुंचे गृहमन्त्री अमित शाह ने की हाई लेवल बैठक

चर्चित राजनीति। एजेंसी

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के प्रमुख पर्यटक स्थल पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने कायराना हरकत की है। आतंकियों ने अंधाधुंध गोली बारी की और 26 लोगों की जान ले ली। पीएम मोदी ने हमले की निंदा करते हुए दुख जताया है। पहलगाम हमले में नौसेना के भी एक अधिकारी की मौत हुई है। इस बात की पुष्टि एक अधिकारी ने की। उन्होंने बताया कि इस हमले कोच्चि में तैनात लेफ्टिनेंट विनय नरवाल (26 वर्ष) की मौत हो गई है। 16 अप्रैल को उनकी शादी हुई थी, वो छुट्टी पर थे। हमले में मारे गए 26 लोगों में से 16 के नाम सामने आ चुके हैं। इसमें एक नेपाल और एक साऊदी अरब का भी नागरिक है। इसके अलावा 10 घायल की सूची भी प्रशासन की ओर से जारी कर दी गई है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दिल्ली में अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली पुलिस को पर्यटन स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर भी कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ट्वीट करते हुए लिखा कि उषा और मैं भारत के पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। पिछले कुछ दिनों में, हम इस देश और इसके लोगों की खूबसूरती से अभिभूत हैं। इस भयावह हमले पर शोक जताते हुए हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। कश्मीर के पहलगाम में हिंदुओं की हुई लक्षित हत्या के विरोध में मंगलवार शाम को हिंदू संगठनों ने रोष रैली निकाली। कल बुधवार 23 अप्रैल को रियासी पूरी तरह से बंद रखने और चक्का जाम करने की घोषणा हुई है।

● **प्रधानमन्त्री मोदी ने हमले की निंदा करते हुए दुख जताया**

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम आतंकी हमले के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जानकारी दी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और अन्य उच्चस्तरीय अधिकारी भी मौजूद रहे। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के खिलाफ श्रीनगर में स्थानीय लोगों ने मोमबत्ती जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। मक्का मार्केट के महासचिव फैयाज अहमद भट्ट ने कहा कि हम मानवता के खिलाफ इस हमले की निंदा करते हैं। गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर पहुंचे और सीधे राजभवन पहुंचे। वहां वह आईबी चीफ और उपराज्यपाल के साथ हाईलेवल मीटिंग की। इसके बाद वह घायलों (शेष पृष्ठ 7 पर)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की हमले की निंदा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि कश्मीर से बहुत ही परेशान करने वाली खबर आ रही है। आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ मजबूती से खड़ा है। हम उन लोगों की आत्माओं के लिए प्रार्थना करते हैं जिनकी जान चली गई, और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी, और भारत के अविश्वसनीय लोगों, को हमारा पूरा समर्थन और गहरी संवेदनाएं हैं। हमारा दिल आप सभी के साथ है! यह खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत को पूरा समर्थन देता है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जताई संवेदना

मास्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने कहा कि माननीय राष्ट्रपति महोदया, माननीय प्रधानमंत्री जी, कृपया पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के दुखद परिणामों पर हमारी हार्दिक संवेदना स्वीकार करें, जिसके शिकार नागरिक थे-विभिन्न देशों के नागरिक। इस क्रूर अपराध का कोई औचित्य नहीं है। हमें उम्मीद है कि इसके आयोजकों और अपराधियों को उचित सजा मिलेगी। मैं आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने में भारतीय भागीदारों के साथ सहयोग को और बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराना चाहता हूं। कृपया मृतकों के प्रियजनों को (शेष पृष्ठ 7 पर)

तुम्हें नहीं मारूंगा, मोदी को ये बता देना, पहलगाम में पति को मारने के बाद उसकी पत्नी से बोला आतंकी

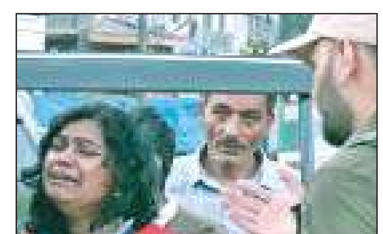

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 30 लोगों के मारे जाने की आशंका है। कई अन्य घायल हुए भी हुए हैं, इसी हमले में कर्नाटक के शिवमोगा जिले के मंजूनाथ ने भी जान गंवाई है, वो परिवार के साथ पहलगाम छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचे थे, उनके साथ पत्नी पल्लवी और बेटा था। पल्लवी ने इस हमले के बारे में जो कुछ बताया है, वो दिल दहला देने वाला है। पल्लवी ने बताया कि आतंकी हिंदुओं को गोली मार रहे थे। आतंकी हमले में जान गंवाने वाले मंजूनाथ की पत्नी पल्लवी ने आगे बताया, जब उन्होंने मेरे पति को मार दिया तो मैंने और बेटे ने आतंकियों से कहा कि तुमने मेरे पति को मार दिया है। अब मुझे भी मार दो, इस पर एक आतंकी ने कहा कि तुम्हें (शेष पृष्ठ 7 पर)

आतंकी हमला कायरतापूर्ण : योगी

लखनऊ, चर्चित ब्यूरो। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने जम्मू व कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले को कायरतापूर्ण और घोर निंदनीय बताया। सीएम योगी ने कहा कि जिन लोगों ने इस दुःखद घटना में अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी शोक संवेदनाएं। उन्होंने अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्ति की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट सुरम्य पर्यटन स्थल पर आतंकवादियों की गई गोलीबारी में 28 पर्यटकों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, हमला जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन में मंगलवार दोपहर करीब 2 बजकर 30 मिनट पर हुआ। आतंकियों ने घुड़सवारी कर रहे पर्यटकों के ग्रुप को निशाना बनाया। आतंकियों को पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' देश के लिए फायदेमंद साबित होगा : अनुराग ठाकुर

चर्चित राजनीति। एजेंसी

● **भाजपा सांसद ने श्रीनगर में संवाददाताओं से की बात**

नयी दिल्ली। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव फॉर्मूला लागू करना देश के लिए फायदेमंद साबित होगा क्योंकि यह न केवल विभिन्न चुनावों पर होने वाले खर्चों में कटौती करेगा, बल्कि इससे काफी समय भी बचेगा। ठाकुर ने कहा, हरियाणा और जम्मू कश्मीर में (विधानसभा) चुनाव पिछले साल लोकसभा चुनाव के कुछ महीनों के भीतर हुए थे।

इसके बाद महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में (विधानसभा) चुनाव हुए। इस प्रकार, साल भर में कम से कम पांच विधानसभाओं के चुनाव हुए। अनुराग ठाकुर ने श्रीनगर में एक राष्ट्र, एक चुनाव पर पार्टी के एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, यदि सभी चुनाव एक साथ कराए जाते हैं तो इससे खर्च में कमी आएगी, समय की बचत होगी और मतदान प्रतिशत भी बढ़ेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों का खर्च कम होगा और देश को धन की बचत करने में मदद मिलेगी। ठाकुर ने कहा, राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों, अन्य संस्थानों और केंद्र द्वारा (2024) लोकसभा चुनावों में लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये खर्च किये गए थे, जिसे बचाया जा सकता है। यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 1.5 प्रतिशत जोड़ सकता है। इस तरह, यह भारत के लिए लाभकारी स्थिति होगी, जिसमें लोगों को पांच साल के लिए एक अच्छी सरकार मिलेगी। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से पांच बार के सांसद ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव के लागू होने से, जो अधिकारी आमतौर पर चुनाव कराने में व्यस्त रहते हैं वे अपने प्राथमिक कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। ठाकुर ने कहा कि जब आदर्श आचार संहिता लागू होती है, तो इससे विकास कार्य धीमा हो जाता है तथा चुनाव कराने से पहले और बाद में बहुत समय बर्बाद होता है, जिसमें आमतौर पर 45 से 90 दिन लगते हैं। उन्होंने कहा, ''सरकार गठन में भी समय लगता है, इस तरह बहुत समय बर्बाद होता है। इसलिए हमारा कहना है कि श्एक राष्ट्र, एक चुनाव लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर 2029 में यह फॉर्मूला लागू किया जाता है, तो सभी चुनाव एक साथ होंगे। ठाकुर ने कहा, अगर यह (एक राष्ट्र,एक चुनाव) 2029 तक लागू हो जाता है, तो हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात और पंजाब में 2027 में होने वाले चुनाव केवल दो साल के लिए वैध होंगे और 2029 में सभी चुनाव एक साथ होंगे।उन्होंने कहा कि अगर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराये जाते हैं, तो देश को फायदा होगा। जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के बारे में पूछे जाने पर ठाकुर ने कहा कि भाजपा ने इसका वादा किया है और ''जम्मू कश्मीर को यह मिलेगा जम्मू क्षेत्र में स्थिति के बारे में पूछे जाने पर, जहां हाल (शेष पृष्ठ 7 पर)

राहुल के बयान पर चुनाव आयोग ने दिया जवाब

नयी दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका दौरे पर 20 अप्रैल को राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव पर सवाल उठाए थे। इस पर चुनाव आयोग ने मंगलवार को बयान जारी किया। आयोग ने कहा भारत में जिस पैमाने और सटीकता से चुनाव होते हैं, उसकी दुनिया भर में तारीफहोती है। पूरा देश जानता है कि वोटर लिस्ट तैयार करने, वोटिंग और काउंटिंग समेत हर चुनाव प्रक्रिया में सरकारी कर्मचारी शामिल होते हैं। आयोग को बदनाम करने की कोशिश करना पूरी तरह से बेतुकी है।चुनाव आयोग ने कहा किसी के द्वारा फैलाई जा रही कोई भी गलत सूचना न केवल कानून का अपमान है, बल्कि खुद अपनी पार्टी के हजारों नियुक्त प्रतिनिधियों को भी बदनाम करता है। यह लाखों चुनाव कर्मचारियों के मेहनत को कम करता है, जो चुनाव में अथक और पारदर्शी तरीके से काम करते हैं। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका दौरे पर कहा था कि यह पूरी तरह साफहै कि भारत का चुनाव आयोग समझौता कर चुका है। सिस्टम में गड़बड़ी है।राहुल गांधी ने अमेरिका के बॉस्टन में कहा था कि महाराष्ट्र में 5.30 से शाम 7.30 के बीच 65 लाख वोटिंग हुई। एक वोट डालने में करीब 3 मिनट लगते हैं। 2 घंटे में 65 लाख वोटिंग नामुमकिन है। अगर आप गणित लगाएंगे तो पता (शेष पृष्ठ 7 पर)

संसद ही सुप्रीम, उससे ऊपर कुछ नहीं : धनखड़

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र को लेकर चल रही बहस के बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि संसद ही सबसे ऊपर है। धनखड़ दिल्ली यूनिवर्सिटी में संविधान पर आयोजित प्रोग्राम में स्पीच दे रहे थे। धनखड़ ने कहा, संसद सर्वोच्च है और उसके ऊपर कोई नहीं हो सकता। सांसद ही असली मालिक हैं, वही तय करते हैं कि संविधान कैसा होगा। उनके ऊपर कोई और सत्ता नहीं हो सकती। इससे पहले 17 अप्रैल को धनखड़ ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट का काम ऐसा है, जैसे वो सुप्रीम संसद हो।

धनखड़ का यह बयान तब आया है, जब सुप्रीम कोर्ट में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान का मामला पहुंचा है। दुबे ने कहा था कि मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं। ऐसे में सीजेआई किसी राष्ट्रपति को निर्देश कैसे दे सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट और संसद के कार्यक्षेत्र को लेकर बहस तमिलनाडु सरकार और वहां के राज्यपाल के बीच विवाद से शुरू हुई थी। राज्य सरकार के बिल रोके जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्यपाल को समय सीमा के भीतर एक्शन लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के बिलों को लेकर राष्ट्रपति के लिए भी एक महीने की टाइम लाइन तय कर दी थी। इस फैसले के बाद निशिकांत दुबे और जगदीप धनखड़ ने बयान दिए। धनखड़ ने कहा एक प्रधानमंत्री ने आपातकाल लगाया था, उन्हें 1977 में जवाबदेह ठहराया गया था। इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि संविधान जनता के लिए है और यह उन्हें सुरक्षित रखता है। संविधान में कहीं नहीं कहा गया है कि संसद से ऊपर कोई और संस्था है।

जगदीप धनखड़ ने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा कहे गए शब्द, देश के सर्वोच्च हित को ध्यान में रखकर ही बोले जाते हैं। इससे पहले 17 अप्रैल को जगदीप धनखड़ ने कहा था कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं।

संक्षिप्त समाचार

अमरेली के रिहायशी इलाके में गिरा प्राइवेट कम्पनी का प्लेन पायलट की मौत

अमरेली, एजेंसी। गुजरात में अमरेली के गिरिया रोड स्थित रिहायशी इलाके में एक पायलट ट्रेनिंग सेंटर का प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट की मौत हो गई है। विमान के गिरने के बाद जोरदार धमाका हुआ, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। अमरेली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, हादसे का शिकार हुआ यह प्लेन एक निजी कंपनी द्वारा संचालित था। हादसे का शिकार हुए प्लेन में एक ही पायलट सवार था, जिसकी मौत हो गई। पायलट का नाम अनिकेत महाजन है। डीवाईएसपी चिराग देसाई ने बताया कि अमरेली स्थित ट्रेनिंग सेंटर अपने एकल इंजन वाले विमानों के जरिए ट्रेनिंग देता है। आज इस प्लेन को अनिकेत महाजन उड़ा रहे थे। अनिकेत ने आज ट्रेनिंग के दौरान इससे पहले चार बार उड़ान भरी और लैंड हुए थे। पांचवी बार उन्होंने दोबारा उड़ान भरी तो किसी कारणवश उनका प्लेन अमरेली तालुका पुलिस स्टेशन क्षेत्र में शास्त्री नगर के पास क्रैश हो गया।

बोलेरो पलटी, 5 बहनों समेत 8 की मौत

दमोह, एजेंसी। मध्य प्रदेश के दमोह के बनवार चौकी क्षेत्र में महादेव घाट के पास बोलेरो अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हुए हादसे में एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत हो गई। इनमें 5 बहनें शामिल हैं। 8 और 10 साल के दो बच्चों की भी जान गई है। पुलिस ने बताया कि जबलपुर जिले का परिवार बांदकपुर से जागेश्वर धाम के दर्शन करने के बाद लौट रहा था। बोलेरो में 15 लोग सवार थे। इनमें से 6 की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो बच्चों ने दमोह जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 5 अन्य घायलों को दमोह जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उन्हें ग्रीन कॉरिडोर बनाकर दमोह से जबलपुर पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री (शेष पृष्ठ 7 पर)

छात्र जीवन से ही बच्चों में जागृत हो प्रकृति के प्रति समझ, संवेदना और संरक्षण की भावना : डॉ. राजेश्वर सिंह

माध्यमिक शिक्षा पाठ्यक्रम में अनिवार्य हो पर्यावरण शिक्षा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने एक बार फिर पर्यावरणीय मुद्दों पर गंभीर चिंतन, आंकड़ों पर आधारित चेतावनी और आशा की दिशा में ठोस प्रयासों का त्रिवेणी संगम प्रस्तुत किया है।

डॉ. सिंह ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट के माध्यम से न केवल वैश्विक जलवायु संकट के प्रति चिंता व्यक्त की, बल्कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र भेजकर पर्यावरण शिक्षा को उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा स्तर पर अनिवार्य विषय बनाने का आग्रह भी किया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में पाँच प्रमुख पर्यावरणीय चुनौतियों का उल्लेख करते हुए माध्यमिक शिक्षा स्तर पर पाठ्यक्रम में पर्यावरणीय शिक्षा को अनिवार्य बनाने का आग्रह करते हुए लिखा कि ÷यदि बच्चों में प्रारंभ से ही प्रकृति के प्रति संवेदना और समझ विकसित की जाए, तो वे एक समृद्ध और सतत भारत के सशक्त रचयिता बनेंगे। अपने पत्र में विधायक ने विशेष रूप से इन पाँच चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित किया।

जलवायु परिवर्तन : तापमान वृद्धि और आपदाओं में बढ़ोतरी।

जैव विविधता की हानि : 22 प्रतिशत प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार पर।

प्लास्टिक प्रदूषण : समुद्री जीवन और मानव स्वास्थ्य को संकट।

जल संकट : 4 फीसदी जल संसाधनों में 18 प्रतिशत आबादी की निर्भरता।

वनों की कटाई : पारिस्थितिक असंतुलन और आपदा जोखिम में वृद्धि।

सरोजनी नगर विधायक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने सन्देश का आरंभ अथर्ववेद के मंत्र से करते हुए लिखा, 'माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः' यह मंत्र उनकी सोच का केंद्र बिंदु है, जहाँ पर्यावरण कोई नीति नहीं, एक संस्कार है। डॉ. सिंह ने आंकड़ों के माध्यम से चेताया कि वर्ष 2024 अब तक का सबसे गर्म वर्ष घोषित किया गया है। औसत वैश्विक तापमान :15.1°C, जो पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.6°C अधिक है। भारत में 2019 में 23 लाख समयपूर्व मौतों का कारण केवल वायु और जल प्रदूषण रहा। भारत की 100 फीसदी आबादी PM 2.5 प्रदूषण स्तर से अधिक क्षेत्रों में रह रही है। उनके द्वारा प्रस्तुत ये आंकड़े ध्यान खीचते हैं,

● **डॉ. राजेश्वर सिंह ने सीएम योगी को लिखा पत्र**

'अब संकट की ओर नहीं बढ़ रहे, हम संकट में जी रहे हैं।' सिर्फ जागरूकता नहीं, सरोजनीनगर में धरातलीय क्रियान्वयन भी उतना ही प्रेरणादायक है-28,000 ईको-फ्रेंडली बैग्स तारा शक्ति केंद्रों की महिलाओं ने बनाए और बच्चों में वितरित कर प्लास्टिक मुक्त भारत के संकल्प को मूर्त रूप दिया। पिछले वर्ष 200 रुद्राक्ष के पौधों का धार्मिक, औषधीय एवं वैज्ञानिक महत्व के साथ रोपण हुआ। इस वर्ष 1 अगस्त से 2,000 फलदार वृक्षों (आम, जामुन, महुआ, इमली, कटहल) का रोपण प्रस्तावित। हर पौधे की सिंचाई, देखभाल और सुरक्षा को 'वृक्ष रक्षा यज्ञ' के रूप में लिया गया है। विधायक ने अपने सन्देश में लिखा 1 अगस्त से प्रारंभ हो रहे वृक्षारोपण अभियान में सभी RWA's, स्कूल, ग्राम प्रधान और सामाजिक संगठनों से भागीदारी का विनम्र अनुरोध है। आइए, हम सब मिलकर हरियाली का यह संकल्प साझा करें। पर्यावरण संरक्षण की भावना को राज्यव्यापी आंदोलन में बदलते हुए विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के प्रयासों से 'एनवायरमेंट वारियर्स अभियान शुरू किया गया। इस अभियान के 3 चरणों में अब तक तराई के प्रमुख वनक्षेत्रों पलिया कलां (खीरी), कतर्नियाघाट (बहराइच), और मुस्तफाबाद (पीलीभीत) में अब तक 90 वन रक्षकों को साइकिल, 15 वनकर्मियों को सम्मान, 35 स्कूलों के 500 से अधिक छात्रों को क्विज़ और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के माध्यम से पर्यावरण योद्धा बनने को प्रेरित किया गया। डॉ. सिंह का यह आग्रह केवल एक विधायक का निवेदन नहीं, बल्कि एक विजनरी नागरिक का सतत (शेष पृष्ठ 7 पर)

उपभोक्ताओं पर 1.24 प्रतिशत ईंधन अधिभार शुल्क असवैधानिक

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● उपभोक्ता परिषद पहुंचा विद्युत नियामक आयोग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन द्वारा असंवैधानिक तरीके से अप्रैल महीने में प्रदेश के सभी 3 करोड़ 45 लाख विद्युत उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में 1.24 प्रतिशत ईंधन अधिवर शुल्क लगाया गया है।

इस मामले में उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने आज विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्यसंजय कुमार सिंह से मुलाकात कर एक लोक महत्व जनहित प्रस्ताव सौंपते हुए यह मुद्दा उठाया की पावर कारपोरेशन का गुपचुप तरीके से जारी किया गया आदेश पूरी तरह गलत है। देश में कोई भी ऐसा कानून नहीं है जहां पर किसी भी बिजली कंपनी में उपभोक्ताओं का सर प्लस निकल रहा हो तो उसकी बिजली दरों में अथवा किसी भी रूप में ईंधन सरचार्ज में कोई बढ़ोतरी हो सकती है। उत्तर प्रदेश में विद्युत उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर लगभग 33122 करोड़ सर प्लस निकल रहा है। ऐसे में पावर कारपोरेशन का बढ़ोतरी का आदेश गैर कानूनी है। उपभोक्ता परिषद में आयोग के सामने यह भी मुद्दा उठाया कि उसके पास गोपनीय सूचना आई है कि उपभोक्ताओं का सर प्लस होते हुए भी पावर कॉरपोरेशन वार्षिक राजस्व औसत्ता में संशोधन करते हुए मिट्टी रेगुलेशन के तहत औसत 10 प्रतिशत बिजली दरों में बढ़ोतरी की साजिश कर रहा है। जिसका प्रस्ताव जल्द आयोग में आसंवैधानिक तरीके से दाखिल कर सकता है। वह भी केवल इसलिए क्योंकि निजीकरण की प्रक्रिया में जो उद्योगपति पावर सेक्टर में इंटरेस्टेड है उन्हें लॉलीपॉप पकड़ा जा रहा है की उत्तर प्रदेश में डरिए मत बिजली दरों में बढ़ोतरी शुरु हो गई है।

अवधेश कुमार वर्मा ने कहा विद्युत नियामक आयोग जब मल्टी ईयर टैरिफ संशोधन कानून बना रहा था उस वक्त भी उपभोक्ता परिषद ने इस मुद्दे को आयोग की सुनवाई में उठाया था कि सर प्लस के मामले में बढ़ोतरी पर रोक लगनी चाहिए। केवल उपभोक्ताओं की बिजली दरों में अथवा फ्यूल सरचार्ज में जब घटोत्री हो इसकी इजाजत देना चाहिए। ऐसे में पावर कॉरपोरेशन निकट भविष्य में कोई भी अन्य आसंवैधानिक आदेश न करें और वसूली न कर पाए उसके लिए विद्युत नियामक आयोग पावर कारपोरेशन को यह निर्देश जारी करें कि जब तक सर प्लस बराबर ना हो जाए तब तक बढ़ोतरी के मामले में रोक रहेगी। केवल उसे दशा में फ्यूल सरचार्ज को आगे बढ़ाया जा सकता है। जहां पर उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में घटोतरी हो रही है। उपभोक्ता परिषद ने जो आंकड़े निकाले हैं उसके आधार पर फरवरी के महीने में उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर फ्यूल सरचार्ज के मद में लगभग 150 से 170 करोड़ के बीच में निकलेगा। जिसके आधार पर 2 प्रतिशत बिजली दरों में फ्यूल सरचार्ज के रूप में मई महीने में कमी किया जाना चाहिए तो यह कमी तो लागू कराई जाए। लेकिन दरों में बढ़ोतरी पर पूर्णतया सर प्लस बराबर होने तक रोग लगाई जाए।

निजी घरानों की मदद के लिए बढ़ाया टैरिफ : विजयवाड़ा में आज हुई ग्रुप आफ मिनिस्टर्स की मीटिंग के दौरान उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री के सामने विजयवाड़ा के बिजली इंजीनियरों ने उत्तर प्रदेश में चल रहे बिजली के निजीकरण के विरोध में सवाल उठाया। आज प्रदेश में कैबिनेट मंत्री, सांसद, राज्य मंत्री और कई विधायकों को निजीकरण के विरोध में ज्ञापन दिए गए। उत्तर प्रदेश में 5 साल बाद बिजली का टैरिफबढ़ाने पर संघर्ष समिति ने कहा है कि यह सब निजी घरानों की मदद के लिए किया जा रहा है। संघर्ष समिति ने आम उपभोक्ताओं को सचेत किया है कि यदि निजीकरण वापस न हुआ तो आम उपभोक्ता बिजली के टैरिफमें भारी वृद्धि के लिए तैयार रहें। संघर्ष समिति के आह्वान पर आज पूरे प्रदेश में समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर विरोध सभाओं का क्रम जारी रहा। संघर्ष समिति ने बड़े पैमाने पर संविदा कर्मियों की छँटनी का आदेश वापस लेने की मांग की है।

निजीकरण की दृष्टि से बनाए गए छह प्रांतों के ग्रुप आफमिनिस्टर्स की आज विजयवाड़ा में मीटिंग संपन्न हुई। मीटिंग की अध्यक्षता केंद्रीय विद्युत राज्य मंत्री श्रीपद यशो नायक ने की। मीटिंग में आंध्र प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और उप्र के ऊर्जा मंत्री सम्मिलित थे। मीटिंग के दौरान आंध्र प्रदेश के बिजली इंजीनियरों ने उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा से उत्तर प्रदेश में चल रहे बिजली के निजीकरण के विरोध में चर्चा की और निजीकरण का निर्णय निरस्त करने की मांग की। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने इसका कोई उत्तर नहीं दिया। आंध्र प्रदेश के बिजली इंजीनियरों ने जानकारी दी है कि विजयवाड़ा में ग्रुप आफमिनिस्टर्स की मीटिंग के दौरान जहां अन्य प्रदेशों के ऊर्जा मंत्रियों ने विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण का विरोध किया वही उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने यह कहा कि निजीकरण ही सुधार का एकमात्र रास्ता है।संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने आज लखनऊ में कहा कि उत्तर प्रदेश में 5 वर्ष के बाद बिजली का टैरिफ बढ़ाया जाना महज संयोग नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सब निजी घरानों की मदद के लिए किया जा रहा है। संघर्ष समिति ने आम उपभोक्ताओं को सचेत किया है कि यदि बिजली का निजीकरण न रोका गया तो आने वाले समय में उत्तर प्रदेश में आम उपभोक्ताओं के लिए बिजली के टैरिफमें कई गुणा वृद्धि होगी। निजीकरण के बाद मुंबई, कोलकाता की तरह उत्तर प्रदेश के घरेलू उपभोक्ताओं को भी 17 से 18 रुपए प्रति यूनिट बिजली की दरें देने के लिए तैयार रहना होगा।निजीकरण के विरोध में आज संघर्ष समिति की ओर से मुजफ्फरनगर में कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार एवं राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल को ज्ञापन दिया गया।

लालगंज में सांसद दरोगा प्रसाद सरोज को ज्ञापन दिया गया। फर्रुखाबाद में विधायक सुशील कुमार शाक्य, खलीलाबाद में विधायक अंकुर राज तिवारी और गणेश चौहान को ज्ञापन दिए। इसके अतिरिक्त कई विधायकों, ग्राम पंचायतों के अध्यक्ष और ग्राम प्रधानों को भी ज्ञापन दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

कोऑपरेटिव बैंक वर्कर्स यूनियन का प्रथम 'कर्मचारी सवांद' लखनऊ में

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश की विभिन्न जिला सहकारी बैंकों में कार्यरत हजारों बैंक कर्मियों की समस्याओं का निस्तारण विगत कई वर्षों से न होने व इस क्षेत्र में स्थापित पूर्व कर्मचारी संगठनों द्वारा कर्मचारी हितों में उदासीनता बरतने से हताश कर्मचारियों ने मजबूत विकल्प के रुप में प्रदेश स्तर पर टेऊड यूनियन अधिनियम 1926 के अन्तर्गत एक नये संगठन ''कोऑपरेटिव बैंक वर्कर्स यूनियन, उत्तर प्रदेश'' का गठन किया है। जिसकी विभिन्न जिला सहकारी बैंकों में इकाईयाँ गठित हो चुकी हैं। इस यूनियन की पहली कर्मचारी संवाद बैठक 26 अप्रैल को लखनऊ में आयोजित की जा रही है। बैठक में सहकारी बैंकों के कार्मिकों की दशा और दिशा पर संवाद के साथ अगले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। यह जानकारी देते हुये कोऑपरेटिव बैंक वर्कर्स यूनियन, उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री शिशिर शर्मा ने बताया कि पिछले कई वर्षों से प्रदेश की 50 जिला सहकारी बैंकों का एकीकरण करके प्रदेश स्तर पर एक बैंक बनाने की मांग कर्मचारी वर्ग कर रहा है। जिससे बैंकें सुदृढ़ होकर बेहतर ग्राहक सेवायें प्रदान कर सकेंगी, लेकिन सरकार और शासन का इस ओर ध्यान नहीं है। वर्ष 2012 से 2017 के मध्य नियुक्त कर्मचारियों को कई जिला सहकारी बैंकों में पूर्ण सेवाशर्तों का लाभ प्रदान नहीं हो पा रहा है। जिससे इस वर्ग में घोर निराशा है। पूर्वांचल में कार्यरत दुर्बल 16 जिला सहकारी बैंकों में कर्मचारियों को 1996 के पश्चात से पूर्णरूपेण समान वेतन पुनरीक्षण का लाभ नहीं मिलने सहित प्रदेश में कार्यरत जिला सहकारी बैकों में एकसमान वेतन न होने के कारण वेतन विसंगतियाँ व्यास हैं जिस कारण कर्मचारियों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। बैंकों में नई भर्ती न होने से कर्मचारी वर्ग पर अतिरिक्त कार्यभार व अवकाश आदि न मिल पाने के कारण कर्मचारियों में मानसिक अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। साथ ही जिला स्तर पर भी कई कर्मचारी समस्यायें लम्बित हैं। जिनका निदान नहीं हो पा रहा है। इन सभी समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुये संगठन ने 96, महात्मा गांधी मार्ग, राजभवन गेट नंम्बर 1 के सामने, डिप्लोमा इंजीनियर्स 'संघ भवन', लखनऊ में 26 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से प्रदेश में कार्यरत सहकारी बैंक कर्मियों की 'संवाद बैठक' का आयोजन किया है। जहाँ भारी संख्या में मौजूद कर्मचारी वर्ग आपसी एकजुटता से प्रस्ताव पारित कर समस्या निस्तारण व अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए कार्ययोजना तैयार करेगा।

रामाशीष राय आज जायेंगे सोनभद्र

लखनऊ, चसं। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयन्त चौधरी के निर्देशानुसार पार्टी का सदस्यता अभियान अम्बेडकर जयन्ती 14 अप्रैल से आरम्भ हुआ था। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय सदस्यता अभियान में तेजी लाने के उद्देश्य से 23 एवं 24 अप्रैल को सोनभद्र का दौरा करेंगे। 24 अप्रैल को वाराणसी में भी पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सदस्यता अभियान कार्यक्रम चलायेंगे। प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि 14 अप्रैल से 18 अक्टूबर तक सदस्यता अभियान चलाया जायेगा।

जद यू की प्रदेश कार्यकारिणी का गठन

लखनऊ, चसं। जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल ने आज नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया। नई प्रदेश कार्यकारिणी की स्वीकृति राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद संजय झा एवं बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री उत्तर प्रदेश प्रभारी श्रवण कुमार प्रदान की है।प्रदेश प्रभारी श्रवण कुमार ने आशा व्यक्त की है कि नयी कार्यकारिणी का हर सदस्य विकास पुरुष मुख्यमंत्री बिहार नीतीश कुमार के नीतियों का प्रचार प्रसार प्रदेश के कोने कोने मे करते हुए हुए संगठन को नई ऊचाईयां देंगे। प्रदेश इकाई की बैठकों में निर्णय लिया गया है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल के नेतृत्व में प्रदेश में होने वाले सारे चुनाव मजबूती से लड़ेगी।

पेंट फैक्ट्री में कंप्रेशर फटने से लगी आग, दमकल कर्मियों ने पाया काबू, लाखों का नुकसान

लखनऊ, चसं। लखनऊ-सीतापुर रोड पर स्थित सरफेस पेंट फैक्ट्री में मंगलवार को कंप्रेशर फटने से आग लग गई। फैक्ट्री फौजी ढाबा के पास स्थित है। दोपहर 4.45 बजे बीकेटी फायर कंट्रोल रूम को आग की सूचना मिली। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी प्रशांत कुमार के नेतृत्व में दमकल वाहन यूपी 41 जी3705 तुरंत मौके पर पहुंचा। इटौंजा थाने से भी दमकल वाहन यूपी 32ईजी3034 को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर तत्काल अग्निशमन कार्य शुरू किया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग को पूरी तरह बुझाने के बाद आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इटौंजा से आ रही दूसरी दमकल को रास्ते से ही वापस भेज दिया गया। आग से लाखों रुपए का नुकसान हुआ।

महिला ने लाइसेंसी पिस्टल से मारी गोली, पति के घर पहुंचने पर हो गया विवाद

लखनऊ, चसं। बीकेटी इलाके में मंगलवार दोपहर प्रापर्टी डीलर अतुल सिंह की पत्नी गुंजन सिंह ने अपने सीने में गोली मार ली। उन्हें सेवा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में आया है कि खुद को गोली मारने से पहले गुंजन ने पति को मैसेज करके खाने पर बुलाया था। उसके बाद पति से कुछ विवाद हुआ और उसने यह कदम उठा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। पता चला कि गुंजन ने दोपहर 1.15 बजे पति अतुल सिंह को मैसेज किया था। उसमें लिखा था। आओ भूख नहीं लगी है।श् उसके बाद वह घर पहुंचे। इस दौरान दोनों में कुछ कहासुनी हुई। दोपहर करीब 1.30 बजे गुंजन कमरे में गई। वहां पति के लाइसेंसी पिस्टल से खुद के सीने में गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। आनन-फानन उपचार के लिए सेवा अस्पताल फिर ट्रॉमा सेंटर ले गए। अतुल सिंह मवई के रहने वाले हैं। करीब चार माह पहले बीकेटी के नंदना नयी बस्ती में नया मकान बनाया था। गृह प्रवेश के बाद परिवार सहित उसमें रहते हैं। गुंजन 29 साल की थीं।

व्यापार मंडल व स्थानीय नागरिकों के कड़े विरोध के बाद उदयगंज में खुली अंग्रेजी शराब की दुकान बंद

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● व्यापारियों ने उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में किया जबरदस्त विरोध प्रदर्शन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों, डायमंड टॉवर अपार्टमेंट के निवासीगणों एवं स्थानीय व्यापारियों के कड़े एवं जबर्दस्त विरोध प्रदर्शन के चलते जिला प्रशासन ने गलत स्थान डायमंड टॉवर, उदयगंज पर खुल रही अंग्रेजी शराब की दुकान को बंद कराया।

डायमंड टॉवर, उदयगंज में खुल रही अंग्रेजी शराब की दुकान के विरोध में दूसरे दिन भी उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, डायमंड टॉवर के निवासियों एवं स्थानीय व्यापारियों ने उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में किया जबरदस्त विरोध प्रदर्शन। जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम सदर एवं डी. ओ आबकारी मौके पर पहुँचे, तथा व्यापारियों एवं निवासियों के कड़े तेवर देखकर खुल गयी अंग्रेज़ी शराब की दुकान को तुरंत बंद करने के निर्देश दिए। दुकान बंद हो जाने की खुशी में महिलाओं, बुजुर्गों, व्यापारियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा, एवं सांसद लखनऊ मा. राजनाथ सिंह जी के प्रतिनिधि राघवेन्द्र शुक्ल , जिलाधिकारी लखनऊ एवं एसडीएम सदर का धन्यवाद ज्ञापित किया। 22अप्रैल, मंगलवार ,डायमंड टॉवर उदय गंज चौराहे पर गलत तरीके से खुल रही अंग्रेजी शराब की दुकान के विरोध में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों ,डायमंड टॉवर के निवासियों एवं स्थानीय व्यापारियों ने दूसरे दिन भी जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। व्यापारियों के जबरदस्त विरोध प्रदर्शन पर जिलाधिकारी लखनऊ के निर्देश पर एसडीएम सदर एवं डी. ओ आबकारी तथा इंस्पेक्टर आबकारी की टीम मौके पर पहुँची तथा स्थल की जांच की अधिकारियों की टीम ने पाया कि इस दुकान का आवंटन सदर रेलवे क्रॉसिंग के पास है। ठेकेदार द्वारा दुकान गलत तरीके से गलत जगह पर खोली जा रही है। व्यापारियों ,स्थानीय नागरिकों की मांग और विरोध के चलते एसडीएम सदर ने दुकान को तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश दिए। एस डी एम सदर के निर्देश के तुरंत बाद ठेकेदार द्वारा अंग्रेज़ी शराब की दुकान बंद कर दी गई तथा दुकान का माल खाली करके ले जाया गया। व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा, एवं सांसद लखनऊ मा. राजनाथ सिंह जी के प्रतिनिधि राघवेन्द्र शुक्ल , जिलाधिकारी लखनऊ एवं एसडीएम सदर सौरभ जी सहयोग के प्रति अभाव जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। विरोध प्रदर्शन में आशीष गुप्ता गुप्ता, मोहम्मद अफ़ज़ल ,अविनाश त्रिपाठी,अशोक शाह, संजय कुमार, सचिन केसरवानी श्रीमती सुमित्रा कैसरवानी, श्रीमती मनोरमा मिश्रा ,श्रीमती सुनीता चंद्रा ,श्रीमती नीलम साहू, श्रीमती मोहिनी सक्सेना, श्रीमती रश्मि जैस्वाल, श्रीमती सिंधुश्रीवास्तव, अभिलाषा समेत कई लोग मौजूद रहे।

विकसित भारत के लिए शिक्षा, नवाचार और महिला सशक्तिकरण आवश्यक : रजनी

लखनऊ, चसं। एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कॉलेज में विकसित भारत /2047 रू विविध आयाम विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने किया। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने कहा,भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र के लिए शिक्षा, नवाचार, महिला सशक्तिकरण और आर्थिक विकास जैसे आयामों को समेकित रूप से आगे बढ़ाना होगा। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है, जो योगी सरकार की दूरदर्शी नीतियों, योजनाओं का प्रतिफल है। प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्य वक्ता प्रो. वीना राय प्राचार्या अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज ने भारत की विकास यात्रा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर विचार साझा किए। राज्य सूचना आयुक्त दिलीप अग्निहोत्री ने नारी सशक्तिकरण को विकसित भारत की आधारशिला बताते हुए कहा कि यह लक्ष्य 2047 से पहले भी प्राप्त किया जा सकता है।

कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव ने संगोष्ठी के उद्देश्य और विषयवस्तु की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए बताया कि संगोष्ठी विकसित भारत के बहुआयामी स्वरूप को समझने और उस दिशा में शैक्षणिक पहलुओं की भूमिका तय करने हेतु आयोजित हुई है।तकनीकी सत्रों में विद्वानों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों ने राजनीति, साहित्य, विज्ञान, कला और अर्थव्यवस्था जैसे विविध विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए।ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों सत्रों का संचालन क्रमशः डॉ मोनिका अवस्थी और प्रो. श्वेता तिवारी ने किया। सत्र की अध्यक्षता प्रो मनोज पाण्डेय, प्रो मंजुला यादव और डॉ ऋतु तिवारी ने की।समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. अनिल त्रिगुणायत ने युवाओं को सरकारी नौकरियों की सीमाओं से परे जाकर नवाचार एवं कौशल विकास के लिए प्रेरित किया।

सिपाही भर्ती अभ्यर्थियों का हल्लाबोल प्रदर्शन स्कोर कार्ड जारी न करने पर अभ्यर्थी नाराज

लखनऊ, चसं। लखनऊ के इको गार्डन में 2023 सिपाही भर्ती के अभ्यार्थियों ने विरोध प्रदर्शन किया। नाराज अभ्यर्थियों ने भर्ती बोर्ड के खिलाफ नारेबाजी किया। इस दौरान अभ्यर्थियों ने कहा कि पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के द्वारा योगी सरकार में बनी पुलिस सिपाही नियमावली 2017 का उल्लंघन किया जा रहा है। प्रदर्शन में शामिल हुए अविनाश राव ने बताया कि वह मेरठ से आए हैं। 2023 पुलिस भर्ती में 2015 की नियमावली को फॉलो किया जा रहा है, जबकि 2017 में योगी सरकार के द्वारा नई नियमावली लाई गई थी । भर्ती बोर्ड के द्वारा नई नियमावली को दरकिनार करके भर्ती की जा रही जो कि नियमों के विरुद्ध है। नई नियमावली में मेडिकल के लिए सीटों से अधिक अभ्यर्थी बुलाए जाते हैं अगर कोई अभ्यर्थी मेडिकल में फेल होता है तो अन्य अभ्यर्थी को अवसर मिलेगा। मगर बोर्ड के द्वारा पुरानी नियमावली को फॉलो किया जा रहा है, जिसमें सीटों के सापेक्ष अभ्यर्थी होते हैं यह नियम के खिलाफहै।

अभ्यर्थियों ने कहा कि हमारी प्रमुख रूप से दो मांग है एक यह की भर्ती बोर्ड के द्वारा सभी लोगों का स्कोर कार्ड जारी किया जाए। स्कोर जानना हम अभ्यर्थियों का संवैधानिक अधिकार है। इस मांग को लेकर हम लोग कई बार भर्ती बोर्ड के चक्कर लगा चुके हैं, मगर सुनवाई नहीं हो रही है। दूसरी मांग यह है कि मेडिकल और भर्ती प्रक्रिया के अंतिम चरण में 2017 की नियमावली का पालन किया जाए ताकि विफल अभ्यर्थियों की जगह दूसरे अभ्यर्थियों को अवसर मिल सके। स्कोरकार्ड जारी न करने पर भर्ती की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। परीक्षा देने वाला हर छात्र यह जानना चाहता है कि उसे कितने मार्क्स मिले। भर्ती बोर्ड के द्वारा यह कहा गया था कि जैसे ही भर्ती प्रक्रिया पूरी होगी स्कोर कार्ड दे दिया जाएगा। विगत मार्च के महीने में भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष के द्वारा सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी गई की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। फिर हमने स्कोर कार्ड की डिमांड किया तो अध्यक्ष टाला मटोली करते हुए नजर आए। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड से नाराज अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठाए। अभ्यर्थियों ने स्पष्ट कहा कि बोर्ड के अध्यक्ष की ओर से हमारे किसी भी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। जब तक हमारी सुनवाई नहीं होती है उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए अभ्यर्थी इको गार्डन में अनिश्चितकालीन धरना देंगे।

बस्ती के इण्डो-इजराइल सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स में मैनेजमेंट ऑफ इरिगेशन एंड फर्टीगेशन विषयक चार दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

चर्चित राजनीति। संवाददाता

बस्ती/लखनऊ। औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बस्ती के अन्तर्गत इण्डो-इजराइल सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स फॉर फ्रूट्स, बंजरिया, बस्ती में मैनेजमेंट ऑफ इरिगेशन एंड फर्टीगेशन विषयक चार दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय बागवानी विकास मिशन, भारत सरकार, मशाव (इजराइली दूतावास, नई दिल्ली) एवं उत्तर प्रदेश उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 22 से 25 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री सार्थक अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी, बस्ती द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि ड्रिप सिंचाई तकनीक के माध्यम से किसान कम पानी में अधिक सिंचाई कर सकते हैं और दोगुना उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का उपयोग कर अधिकारीगण अपने राज्यों में किसानों को इस तकनीक के प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूरी रूविन्सटीन, एग्रीकल्चर अटैची, मशाव, इजराइली दूतावास, नई दिल्ली ने की। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश बी.एल. मीणा ने प्रतिभागी अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि ड्रिप सिंचाई को खेतों में व्यवहारिक रूप से लागू करना आवश्यक है, जिससे किसानों को अधिक लाभ मिल सके।

प्रशिक्षण में नेटाफिम इरिगेशन के विशेषज्ञ प्रशान्त पंचोली एवं श्री संदीप जावलेकर ने कंसेप्ट ऑफ ड्रिप इरिगेशन, सॉयल एंड प्लांट रिलेशनशिप, सेलेक्शन ऑफ ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम, टाइप्स ऑफ माइक्रो इरिगेशन तथा वी.आई.एस. स्टैंडर्ड्स विषयों पर गहन जानकारी प्रदान की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सहित मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल, हरियाणा, राजस्थान, तमिलनाडु, पंजाब, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना राज्यों से इण्डो-इजराइल सेन्टर्स ऑफ एक्सीलेन्स के अधिकारी व उद्यान विभाग के जनपदीय अधिकारी प्रतिभाग कर रहे हैं। संयुक्त निदेशक भानु प्रकाश राम, प्रभारी अधिकारी अनीश कुमार श्रीवास्तव एवं प्रोजेक्ट ऑफिसर ब्रह्मदेव ने प्रतिभागियों को बागवानी व सब्जी उत्पादन में ड्रिप इरिगेशन की उपयोगिता और इसके दीर्घकालिक लाभों पर प्रकाश डाला।

तथ्यों के आधार पर निर्वाचन आयोग द्वारा बिंदुवार खंडन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● महाराष्ट्र की मतदाता सूची के विरूद्ध लगाए गए निराधार आरोप विधि के शासन का अपमान

लखनऊ। महाराष्ट्र विधानसभा निर्वाचन के दौरान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान केंद्र पर पहुंचे 6,40,87,588 मतदाताओं ने मतदान किया। औसतन प्रति घंटे करीब 58 लाख वोट डाले गए।

इन औसत रुझानों के अनुसार, मतदान के अन्तिम दो घंटों में लगभग 116 लाख मतदाताओं ने मतदान किया। इसलिए, दो घंटों में मतदाताओं द्वारा 65 लाख वोट डालना औसत प्रति घंटे मतदान रुझानों से काफी कम है। अग्रेतर, हर मतदेय स्थल पर, मतदान उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों द्वारा औपचारिक रूप से नियुक्त किए गए मतदान एजेंटों के सामने हुआ। कांग्रेस के नामित उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों ने अगले दिन रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) और निर्वाचन प्रेक्षकों के समक्ष जाँच के समय किसी भी तरह के असामान्य मतदान के संबंध में कोई सिद्ध आरोप नहीं लगाया है। महाराष्ट्र सहित भारत में मतदाता सूचियाँ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के अनुसार तैयार की जाती हैं। विधि के अनुसार, या तो चुनावों से ठीक पहले और / या प्रत्येक वर्ष एक बार, मतदाता सूचियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण आयोजित किया जाता है और मतदाता सूचियों की अंतिम प्रति भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) सहित सभी राष्ट्रीय / राज्यीय राजनीतिक दलों को उपलब्ध करायी जाती है। महाराष्ट्र निर्वाचन के दौरान इन मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद, 9,77,90,752 मतदाताओं के सापेक्ष, प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (डीएम) के समक्ष केवल 89 अपीलें दायर की गई और द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी (सीईओ) के समक्ष केवल 1 अपील दायर की गई। इस प्रकार यह पर्याप्त रूप से स्पष्ट है कि 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा निर्वाचन के पहले कांग्रेस या किसी अन्य राजनीतिक दल को कोई शिकायत नहीं थी। मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के दौरान, 1,00,427 मतदेय स्थलों के लिए EROS द्वारा नियुक्त 97,325 बूथ लेवल अधिकारियों के साथ-साथ कांग्रेस के 27,099 एजेंटों सहित सभी राजनीतिक दलों द्वारा 1,03,727 बूथ लेवल एजेंट भी नियुक्त किए गए। अतः महाराष्ट्र की मतदाता सूची के विरूद्ध लगाए गए ये निराधार आरोप विधि के शासन का अपमान है।

निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस को दिनाँक 24 दिसंबर 2024 को ही भेजे अपने उत्तर में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो कि निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसे प्रकरण बार-बार उठाते समय इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है।

सभी भारतीय चुनाव विधि के अनुसार आयोजिततथ्यों के आधार पर निर्वाचन आयोग द्वारा बिंदुवार खंडन : महाराष्ट्र विधानसभा निर्वाचन के दौरान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान केंद्र पर पहुंचे 6,40,87,588 मतदाताओं ने मतदान किया। औसतन प्रति घंटे करीब 58 लाख वोट डाले गए। इन औसत रुझानों के अनुसार, मतदान के अन्तिम दो घंटों में लगभग 116 लाख मतदाताओं ने मतदान किया। इसलिए, दो घंटों में मतदाताओं द्वारा 65 लाख वोट डालना औसत प्रति घंटे मतदान रुझानों से काफी कम है। अग्रेतर, हर मतदेय स्थल पर, मतदान उम्मीदवारों /राजनीतिक दलों द्वारा औपचारिक रूप से नियुक्त किए गए मतदान एजेंटों के सामने हुआ। कांग्रेस के नामित उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों ने अगले दिन रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) और निर्वाचन प्रेक्षकों के समक्ष जाँच के समय किसी भी तरह के असामान्य मतदान के संबंध में कोई सिद्ध आरोप नहीं लगाया है। महाराष्ट्र सहित भारत में मतदाता सूचियाँ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के अनुसार तैयार की जाती हैं। विधि के अनुसार, या तो चुनावों से ठीक पहले और / या प्रत्येक वर्ष एक बार, मतदाता सूचियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण आयोजित किया जाता है और मतदाता सूचियों की अंतिम प्रति भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) सहित सभी राष्ट्रीय / राज्यीय राजनीतिक दलों को उपलब्ध करायी जाती है। महाराष्ट्र निर्वाचन के दौरान इन मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद, 9,77,90,752 मतदाताओं के सापेक्ष, प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (डीएम) के समक्ष केवल 89 अपीलें दायर की गई और द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी (सीईओ) के समक्ष केवल 01 अपील दायर की गई। इस प्रकार यह पर्याप्त रूप से स्पष्ट है कि 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा निर्वाचन के पहले कांग्रेस या किसी अन्य राजनीतिक दल को कोई शिकायत नहीं थी। मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के दौरान, 1,00,427 मतदेय स्थलों के लिए श्त्रव्ै द्वारा नियुक्त 97,325 बूथ लेवल अधिकारियों के साथ-साथ कांग्रेस के 27,099 एजेंटों सहित सभी राजनीतिक दलों द्वारा 1,03,727 बूथ लेवल एजेंट भी नियुक्त किए गए। अतः महाराष्ट्र की मतदाता सूची के विरूद्ध लगाए गए ये निराधार आरोप विधि के शासन का अपमान है। निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस को दिनाँक 24 दिसंबर 2024 को ही भेजे अपने उत्तर में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो कि निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसे प्रकरण बार-बार उठाते समय इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है। सभी भारतीय चुनाव विधि के अनुसार आयोजित किए जाते हैं। भारत में जिस पैमाने और सटीकता के साथ चुनाव आयोजित किए जाते हैं, उसकी दुनिया भर में व्यापक प्रशंसा की जाती है।

पूरे देश को ज्ञात है कि मतदाता सूची तैयार करने, मतदान और मतगणना आदि सहित प्रत्येक चुनाव प्रक्रिया सरकारी कर्मचारियों द्वारा और वह भी मतदेय स्थल से लेकर निर्वाचन क्षेत्र स्तर तक राजनीतिक दलों / अभ्यर्थियों द्वारा औपचारिक रूप से नियुक्त अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संचालित की जाती है। किसी भी व्यक्ति द्वारा फैलाई गई कोई भी गलत सूचना न केवल कानून के प्रति अनादर का संकेत है, बल्कि उनके स्वयं के राजनीतिक दल द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों के लिए भी अपयश लाती है तथा लाखों निर्वाचन कर्मचारियों का मनोबल गिराती है, जो चुनावों के दौरान अथक और पारदर्शी तरीके से काम करते हैं। मतदाताओं द्वारा किसी भी प्रतिकूल निर्णय के बाद, इसे समझौतापूर्ण कहकर निर्वाचन आयोग को बदनाम करने की कोशिश करना पूरी तरह से असंगत है। किए जाते हैं। भारत में जिस पैमाने और सटीकता के साथ चुनाव आयोजित किए जाते हैं, उसकी दुनिया भर में व्यापक प्रशंसा की जाती है। पूरे देश को ज्ञात है कि मतदाता सूची तैयार करने, मतदान और मतगणना आदि सहित प्रत्येक चुनाव प्रक्रिया सरकारी कर्मचारियों द्वारा और वह भी मतदेय स्थल से लेकर निर्वाचन क्षेत्र स्तर तक राजनीतिक दलों / अभ्यर्थियों द्वारा औपचारिक रूप से नियुक्त अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संचालित की जाती है। किसी भी व्यक्ति द्वारा फैलाई गई कोई भी गलत सूचना न केवल कानून के प्रति अनादर का संकेत है, बल्कि उनके स्वयं के राजनीतिक दल द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों के लिए भी अपयश लाती है तथा लाखों निर्वाचन कर्मचारियों का मनोबल गिराती है, जो चुनावों के दौरान अथक और पारदर्शी तरीके से काम करते हैं। मतदाताओं द्वारा किसी भी प्रतिकूल निर्णय के बाद, इसे समझौतापूर्ण कहकर निर्वाचन आयोग को बदनाम करने की कोशिश करना पूरी तरह से असंगत है।

बीए की छात्रा ने फांसी लगा दी जान

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में बीए की छात्रा का शव सोमवार रात फांसी के फंदे पर लटका मिला। वह इंदिरानगर मुंशी पुलिया के पास किराए के मकान में रह कर बीए की पढ़ाई कर रही थी। मकान मालिक ने दरवाजा न खुलने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घटना की परिजनों को सूचना दी। पुलिस का कहना है कि मौके पर सुसाइड नोट परिजनों से माफी मांगी है। सुसाइड को लेकर उसने खुद को जिम्मेदार बताया है। सुसाइड नोट में कुछ लोगों का जिक्र है। परिजनों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है। बलिया के रसड़ा निवासी सिक्योरिटी गार्ड मुन्ना सिंह की बेटी अमृत सिंह (21) मुंशी पुलिया के पास किराए के मकान में रहती थी। पिता मुन्ना सिंह के मुताबिक उनकी बेटी अमृत बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। सोमवार को फोन न उठने पर मकान मालिक और रूम मेट को पता करने को कहा।

रूम मेट ने दरवाजा न खुलने पर मकान मालिक और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा तो बेटी का शव दुपट्टे से बने फंदे के सहारे रोशनदान से लटका था।

संक्षिप्त समाचार

बिजली दर में वृद्धि के लिए बढ़ रहा भ्रष्टाचार जिम्मेदार : वंशराज दुबे

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश में हाल ही में बिजली दरों में की गई भारी बढ़ोतरी से आम जनता पर बड़ा आर्थिक बोझ डाला गया है। पांच वर्षों बाद बिजली की दरों में की गई इस बढ़ोतरी की वसूली सीधे अप्रैल महीने के बिल से की जाएगी, जो आम उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा असर डालेगा। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे ने बिजली दर में की गई बढ़ोतरी के लिए प्रदेश में बढ़ रहे भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराया। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, योगी सरकार ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि उसकी प्राथमिकता आम जनता की भलाई नहीं, बल्कि पूंजीपतियों का हित साधना है। महंगाई पहले ही चरम पर है, और अब बिजली दरों में बढ़ोतरी ने आम आदमी की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। आप प्रवक्ता ने आगे कहा कि योगी सरकार की गलत नीतियों और भ्रष्टाचार के कारण बिजली कंपनियां घाटे में हैं, इसकी भरपाई के लिए हर साल आम लोगों व किसानों की बिजली दरों में वृद्धि की जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जबतक आम आदमी पार्टी की सरकार थी बिजली दरों में एक रुपया भी नहीं बढ़ाया गया। जैसे ही भाजपा सरकार बनी वहा भी लम्बे लम्बे पॉवर कट और बिजली के बिलों में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज हो रही है। वंशराज दुबे ने अपने बयान में आगे कहा कि एक तरफ प्रदेश के ऊर्जा मंत्री यह घोषणा कर रहें है कि यदि किसी के यहां बिजली नहीं है तो कनेक्शन उसके दरवाजे पर आयेगा और दूसरी ओर उसी मंत्री का बिजली विभाग नागरिकों की जेब पर डाका डालने का काम करने जा रहा है। आम आदमी पार्टी इस जनविरोधी निर्णय के खिलाफ है योगी सरकार से मांग है कि बिजली दरों में की गई बढ़ोतरी को तुरंत वापस लिया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आप सरकार दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी आम जनता को मुफ्त और सस्ती बिजली दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। आम आदमी पार्टी जनता से अपील करती है कि वे इस अन्यायपूर्ण निर्णय के खिलाफ एकजुट होकर आवाज़ उठाएं और भ्रष्ट व जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष करें।

आरएसएस पूरी तरह से बीएचयू पर हावी, लेकिन नहीं होने देंगे छात्र हितों की अनदेखी : अजय राय

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री श्री अजय राय जी ने आज काशी हिंदू विश्वविद्यालय पहुंचकर पी.एच.डी. में एडमिशन को लेकर धरने पर बैठी छात्रा अर्चिता सिंह से मिलकर उनकी समस्या को सुना। जिस दौरान पता चला कि एक तरफ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में पीएचडी के लिए मेरिट मे आने के बावजूद भी दालिखे से रोककर मेरिट की हत्या की जा रही है वहीं दूसरी तरफ आरएसएस के छात्र संगठन एबीवीपी इकाई के मंत्री की रैंक कम होने के वावजूद भी जबरदस्ती दाखिला देने का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर उपस्थित छात्रों के समक्ष अपनी बात रखते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि मालवीय जी ने भिक्षा मांगकर काफी तपस्या से इस विश्वविद्यालय का निर्माण किया था। जिसे आज सत्ता मे बैठे भाजपा के लोग बर्बाद कर रहे हैं। श्री राय ने भाजपा के ''बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ'' जैसे नारों पर सवाल उठाते हुए कहा की सत्ता मे बैठे लोग एक तरफ नारा देते हैं वहीं दूसरी तरफ उन्हीं के लोगों के इशारों पर बेटियों (छात्राओं) के साथ अन्याय किया जा रहा है। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर बैठे छात्रों को संविधान की प्रस्तावना भी यह कहते हुए भेट किया कि जबतक यह संविधान हैं, आपके हकों पर कोई हमला नहीं कर सकता।

ऐशबाग की नजूल भूमि पर बनेंगे पीएम आवास

लखनऊ, चसं। लखनऊ के ऐशबाग की वाटर वर्क्स रोड पर स्थित नजूल भूमि पर अब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास बनेंगे। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने मंगलवार को स्थल का निरीक्षण किया। योजना को आगे बढ़ाने के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया। कमेटी एक सप्ताह में रिपोर्ट सौंपेगी। निरीक्षण में सामने आया कि जमीन पर कुछ लोगों ने झोपड़ी और टीनशेड डालकर अवैध रूप से कब्जा किया है। व्यवसायिक गतिविधियां की जा रही हैं। उपाध्यक्ष ने नजूल अधिकारी व अधिशासी अभियंता को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष चारबाग रेलवे स्टेशन के पास बने फुटओवर ब्रिज पर भी पहुंचे। उन्होंने यात्रियों की सुविधा के लिए ब्रिज पर एक्सीलरेटर सीढ़ियों के निर्माण के निर्देश दिए। स्ट्रक्चर डिजाइन और लोड टेस्टिंग कार्य जल्द पूरा करने को कहा गया है। ऐशबाग में भूखंड संख्या 68१ पर बन रहे कम्युनिटी सेंटर की धीमी प्रगति को लेकर उपाध्यक्ष ने कार्यदायी संस्था मैसर्स सिंह ट्रेडर्स पर 2.5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। 3 महीने में कार्य पूरा करने का अल्टीमेटम दे दिया। तुलसी कॉम्पलेक्स में मूल आवंटियों को पीएम आवास में शिफ्ट किया जाएगा उपाध्यक्ष ने नंदाखेड़ा स्थित तुलसी कॉम्पलेक्स का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि लगभग 25 साल पुरानी इस योजना का अब री-डेवलपमेंट होगा। अवैध कब्जेदारों को हटाकर मूल आवंटियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शिफ्ट किया जाएगा। अटल पार्क में सुरक्षा की कमी को देखते हुए उपाध्यक्ष ने कहा कि अब यहां टिकटिंग व्यवस्था लागू की जाएगी और सेना से रिटायर्ड सुरक्षा कर्मी तैनात होंगे। पार्क का रखरखाव उद्यान अनुभाग को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।निरीक्षण के दौरान प्रभारी मुख्य अभियंता नवनीत शर्मा, नजूल अधिकारी प्रभाकर सिंह, जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह, अधिशासी अभियंता संजीव कुमार गुप्ता और मनोज सागर समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

2027 में 300 पार करेगी बीजेपी : केशव प्रसाद मौर्य

वक्फ संशोधन अधिनियम 90 फीसदी मुसलमानों का खुशहाल बनायेगा जीवन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। बीजेपी की वक्फ सुधार जन-जागरण अभियान के तहत अवध क्षेत्र की कार्यशाला में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा ने प्रशिक्षण दिया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वक्फसंशोधन अधिनियम 2025 के संसद में पास होने के बाद देश में बिल के समर्थन व विरोध में बहस चल रही है।

कांग्रेस, सपा सहित तमाम दल जो तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति करते हैं वह वक्फसुधार के विरोध में देश में भ्रम फैलाने का काम कर रहे है। कांग्रेस, सपा, टीएमसी, आरजेडी सहित विपक्षी दल वक्फ संशोधन अधिनियम को देश में मुस्लिम विरोधी बिल के रूप में प्रचारित कर रहे है। श्री मौर्य ने कहा कि वक्फसंशोधन अधिनियम देश के 90 फीसदी मुसलमानों के जीवन को खुशहाली से भर देने वाला साबित होगा। मुसलमान बेरोजगारी के संकट से बाहर निकलेगें। मुसलमानों के शैक्षिक स्तर में सुधार होगा। वक्फ सुधार से गरीबों का हक सिर्फ गरीबों को मिलेगा, यह सत्य लेकर हमें मुसलमानों के बीच पहुंचना है। भाजपा मुसलमानों के बीच में जाने की योजना बना रही हैं। यह सुनकर ही विपक्ष में खलबली मची हुई है। भाजपा विरोधी दल देश में दीवार खड़ी करना चाहते हैं, जिसमें हिन्दु और मुसलमानों को विभाजित करना चाहते हैं। विपक्षी दल पहले हिन्दु और मुसलमान को आपस में बांटते हैं, फिर हिन्दुओं को जातियों में बांटने का काम करते है। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस व सपा न तो मुसलमान के हितैषी है, न अगडों, न पिछड़ों और न ही दलितों की हितैषी है। यह सिर्फ अपने और अपने परिवार की उन्नति के लिए राजनीति करने वाले दल है। उत्तर प्रदेश में 2027 में 300 के पार, भाजपा की तीसरी बार सरकार बनने वाली है। 2027 में समाजवादी पार्टी को समाप्तवादी पार्टी बनाने का अवसर है। देश का वातावरण खराब करके कांग्रेस राजनैतिक लाभ पाना चाहती है लेकिन अब यह संभव नहीं है। सपा के गुब्बारे की हवा निकल चुकी है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यशाला में प्रशिक्षण लेकर हम सभी को जनसंवाद के लिए निकलना है। मुसलमानों के बीच विपक्षी दलों द्वारा फैलाए गए भ्रम को दूर करना है और वक्फ सुधार से मुसलमानों के आर्थिक, शैक्षिक व सामाजिक सुधार के रोड मैप को उनके सामने रखना है। हम पूरी तैयारी के साथ जाएंगे और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से संपर्क व संवाद करते हुए सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास का मंत्र लेकर पहुंचेगे।

केन्द्र सरकार की प्रत्येक योजना में यही मंत्र समाहित है। जिसमें प्रत्येक गरीब को बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति विश्वास के साथ पूरा देश खड़ा है।प्रदेश महामंत्री संजय राय, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, प्रदेश मंत्री शिव भूषण सिंह, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कुंवर वासित अली तथा अल्पसंख्यक मोर्चे क्षेत्रीय अध्यक्ष नईम खान ने कार्यशाला को सम्बोधित किया। कार्यशाला में अवध क्षेत्र के जिलाध्यक्ष, विधायक, अभियान के जिला संयोजक व सहसंयोजक सम्मिलित रहे।

अम्बेडकर का पूरा जीवन ही एक सन्देश : उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आज ताराजी रिजार्ट देवकाली अयोध्या में आयोजित भारत रत्न डा.भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह में शामिल हुये। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये डा. भीमराव अम्बेडकर के जीवन और कार्यो को याद किया और उनके योगदान को सराहा। उन्होंने लोगों को डा. अम्बेडकर के आदर्शो को अपनाने का आह्वान किया और समाज में समानता और न्याय को बढ़ावा दिये जाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब कि पूरा जीवन ही एक सन्देश है। उन्होंने सरकार द्वारा चलायी जा रही लाभार्थीपरक व जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक किया। उन्होंने हनुमानगढ़ी व प्रभु श्रीरामलला का दर्शन पूजन किया। इसके बाद सर्किट हाउस पहुंचे, जहां जनप्रतिनिधियों मुलाकात की। अधिकारियों के साथ मनरेगा, एनआरएलएम, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की समीक्षा करते हुये अब तक हो चुके भुगतान तथा लम्बित भुगतानों की जानकारी ली तथा लम्बित भुगतानों के लिए आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। इस दौरान विधायक रुदौली रामचंद्र यादव, महापौर अयोध्या महंत गिरीशपति त्रिपाठी, संजीव सिंह, कमलेश श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक सहित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सपा सरकार में पैसे लेकर और जाति देखकर होती थी पुलिस भर्ती : पुलिस भर्ती पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के सवाल पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव 2027 का सत्ताधीश बनने का सपना देख रहे हैं। उनका सपना चकनाचूर हो गया है। वे बौखला गए हैं। उल्टे सीधे बयान दे रहे हैं। समाजवादी पार्टी की सरकार के समय पैसे लेकर और जाति देखकर पुलिस समेत सभी सरकारी भर्तियां की जाती थीं। हमारी सरकार पारदर्शी भर्ती कर रही है। हर वर्ग का युवा संतुष्ट है।

असंतुष्ट अगर कोई है तो वे सिर्फ सपाई हैं। डिप्टी सीएम मंगलवार को भाजपा की ओर से आयोजित डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती समारोह में शामिल होने के लिए यहां पहुंचे थे। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आने वाले चुनाव में न तो टीएमसी को बहुमत मिलेगा और न ममता बनर्जी को। तुष्टिकरण की राजनीति की सारी हदें पश्चिम बंगाल की सरकार पार कर चुकी है। दंगाइयों को सत्ता का संरक्षण है। हिंदुओं की हत्याएं की गई हैं। उनको पलायन करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। महिलाओं के साथ अमानवीय अत्याचार हुए हैं, जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है। वक्फ संशोधन कानून पर केशव मौर्य ने कहा कि यह देश के 90 फीसदी मुस्लिमों की भलाई के लिए है। जबसे भाजपा ने इस कानून को लेकर जन जागरण अभियान चलाया है, कांग्रेस और सपा सहित विपक्ष में खलबली मची हुई है। जन जागरण हमारा कामयाब रहा तो 2027 में उनको बूथों पर मुस्लिम वोट भी नहीं मिलेगा। मुस्लिम बहुल इलाकों में भी सपा, कांग्रेस व टीएमसी की जगह कमल का फूल ही खिलेगा।

राहुल गांधी के लिए विदेशी अपने हैं और अपने देश के लोग बेगाने : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी के लिए विदेशी अपने हैं और अपने देश के लोग बेगाने। मौर्य ने अपने ÷एक्स÷ खाते पर एक पोस्ट में कहा राहुल गांधी के लिए विदेशी अपने हैं और अपने देश के लोग बेगाने। उन्होंने इसी पोस्ट में कहा, कड़वी सच्चाई यह है कि संविधान की किताब की आड़ लेकर वह लगातार अपने नेतृत्व की कमी को छिपाने का नाहक प्रयास कर रहे हैं। केशव मौर्य ने कहा कि इस किताब को लेकर दर-दर भटकने के बावजूद उनको कोई फायदा नहीं मिलने वाला। अब देश-विदेश में उनको कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी की छवि एक मसखरा नेता की बन चुकी है और कांग्रेस के कई नेता भी यह सच महसूस करते हैं। उन्होंने कहा ''लेकिन 50 से ज्यादा चुनाव पार्टी को हराने के बाद भी कांग्रेस के इस शाही परिवार के गांधी पर कोई उंगली नहीं उठा सकता।

मनरेगा श्रमिकों के खातों में शीघ्र भेजी जाएगी धनराशि : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मनरेगा श्रमिकों की बकाया धनराशि उनके खातों में तत्काल भेजने की कार्यवाही की जाय। उत्तर प्रदेश के मनरेगा मजदूरों के लिए केंद्र सरकार द्वारा 2300 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि प्रदान की गई है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम मनरेगा भारत की सबसे महत्वपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजनाओं में से एक है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को रोजगार की गारंटी प्रदान करती है। केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के मनरेगा मजदूरों के लिए 2300 करोड़ रुपये से ज्यादा की धनराशि अवमुक्त की है। यह धनराशि बकाया भुगतानों को पूरा करने और समय पर मजदूरी में मदद करेगी। केंद्र सरकार से मनरेगा श्रमिकों के भुगतान हेतु करीब 2343.80 करोड़ की राशि जारी की जा चुकी है। इससे बकायेदारी भी दूर होगी। केंद्र सरकार से यूपी मनरेगा के लिये श्रमांश मद हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली किस्त के रूप में 2343.80 करोड़ रुपए केंद्र से जारी किये गये हैं।आयुक्त ग्राम्य विकास जीएस प्रियदर्शी ने बताया कि मनरेगा योजना के लिए मांग के क्रम में केंद्र सरकार द्वारा श्रमांश मद हेतु 2343.80 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई है। इस धनराशि से मनरेगा श्रमिकों के बकाये का भी भुगतान किया जाएगा।

मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने समीक्षा बैठक में दिये जरूरी निर्देश

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पारदर्शी, समयबद्ध एवं प्रभावी तरीके से पहुँचाया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं में आधुनिक तकनीकी एवं सामाजिक परिवर्तनों के अनुरूप नवाचार जोड़े जाएं, जिससे वंचित वर्ग, विशेषकर दिव्यांगजन एवं सामाजिक रूप से पिछड़े नागरिक, आत्मनिर्भर बन सकें और समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। मंत्री कश्यप ने यह निर्देश मंगलवार को सचिवालय स्थित कक्ष संख्या-80 में आयोजित दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभागों की विस्तृत समीक्षा बैठक के दौरान दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी ताकि राज्य सरकार द्वारा आवंटित बजट का समुचित और शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

मंत्री ने कहा कि योजनाओं की व्यापकता बढ़ाने हेतु बजट की मांग पात्र लाभार्थियों की संख्या के आधार पर की जाए। दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभागों में रिक्त पदों की पूर्ति के लिए भेजे गए अधियाचन पत्रों का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए ताकि समय से भर्तियां पूरी हों। उन्होंने विभागीय संवाद, नवाचारों को साझा करने एवं क्रियान्वयन की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु कर्मचारियों की कार्यशालाएं आयोजित करने के निर्देश दिए। छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा के दौरान मंत्री कश्यप ने कहा कि कोई भी पात्र छात्र इस योजना से वंचित न रहे, इसके लिए विभाग व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार अभियान चलाए। उन्होंने छात्रवृत्ति वितरण प्रक्रिया को पूर्णतया समयबद्ध एवं पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के संबंध में उन्होंने कहा कि युवाओं को पारंपरिक कंप्यूटर प्रशिक्षण के साथ-साथ एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), ड्रोन तकनीक, साइबर सुरक्षा जैसे आधुनिक, रोजगारोन्मुख कोर्सों में भी प्रशिक्षित किया जाए। इस हेतु विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर बजट अनुमोदन की प्रक्रिया प्रारम्भ की जाए।

- पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने, आधुनिक तकनीक का समावेश करने और रिक्त पदों की शीघ्र पूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर

मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने योजनाओं के लाभार्थियों के भौतिक सत्यापन को अनिवार्य बताते हुए कहा कि इससे योजनाओं में पारदर्शिता बनी रहेगी और वास्तविक पात्र व्यक्ति ही लाभान्वित होंगे। निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि जो कार्य पूर्ण होकर हैंडओवर की स्थिति में हैं, उनकी त्वरित अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए संचालन प्रारंभ कराया जाए। दिव्यांग पेंशन योजना को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रदेश के सभी पात्र दिव्यांगजनों को 100 प्रतिशत पेंशन का लाभ दिलाया जाए। सहायक उपकरण, मोटरराईज्ड साइकिल जैसी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक दिव्यांगजनों तक पहुंचे, इस दिशा में सक्रिय प्रयास किए जाएं। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। दिव्यांगजनों के लिए संचालित विद्यालयों में आउटसोर्सिंग के माध्यम से रिक्त पदों की समयबद्ध पूर्ति के निर्देश देते हुए मंत्री कश्यप ने कहा कि इससे शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों की समस्याओं के निस्तारण हेतु चलित न्यायालय (मोबाइल कोर्ट) की व्यवस्था को प्रत्येक माह कम से कम 5 बार अनिवार्य रूप से आयोजित किया जाए, ताकि उन्हें त्वरित न्याय एवं सहायता मिल सके। जगतगुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट की समीक्षा करते हुए मंत्री ने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय में छात्रों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो। इस पर अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष 2100 सीटों की बढ़ोत्तरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग विद्यार्थियों के अध्ययन एवं आवास की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और शैक्षणिक कैलेण्डर तैयार कर उसी अनुरूप पाठ्यक्रम, परीक्षाएं एवं गतिविधियां संचालित की जाएं। विश्वविद्यालय में भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ की समीक्षा करते हुए मंत्री ने परीक्षाओं के समयबद्ध आयोजन और परिणामों की त्वरित घोषणा पर विशेष बल दिया। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि विश्वविद्यालय में 27 अप्रैल से 17 मई तक परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी तथा 30 मई तक परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। वर्तमान में विश्वविद्यालय में कुल 1623 दिव्यांग छात्र अध्ययनरत हैं।

मंत्री ने कहा कि अधिक से अधिक दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें विश्वविद्यालय में प्रवेश दिलाने हेतु विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय परिसर की भूमि पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न होने पाए, इसके लिए सतर्कता बरती जाए। छात्रावासों के प्रबंधन और खानपान की गुणवत्ता बनाए रखने हेतु नियमित निगरानी की व्यवस्था हो। मंत्री कश्यप ने अंत में कहा कि विभागीय योजनाएं तभी सफल मानी जाएंगी जब उनका लाभ समय पर, पात्र व्यक्ति को और पारदर्शी तरीके से मिले। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि विभागीय कार्यों को जनसेवा का माध्यम मानकर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु संवेदनशीलता, नवाचार और समर्पण के साथ कार्य करें।

दलितों पर अत्याचार को गंभीरता से लेकर केंद्र व राज्य सरकार सख्त कार्रवाई करें : मायावती

लखनऊ, चसं। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि केंद्र व सभी राज्य सरकारें दलितों पर हो रहे अन्याय-अत्याचार और इनके महान संतों, गुरुओं तथा महापुरुषों के अनादर-अपमान की घटनाओं को गंभीरता से लेकर सख्त कार्रवाई कर इन्हें रोकें, वरना इन वर्गों के लोग उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। बसपा प्रमुख ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर कहा संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर इस बार देश के कई राज्यों में उनकी प्रतिमा का अनादर किया गया। इस मौके पर हुए कार्यक्रम या निकाले गए जुलूस पर सामंती तत्वों के हमलों में अनेक लोगों के हताहत होने की घटनाएं अति-शर्मनाक हैं। यह घटनाएं सरकारों के दोहरे चरित्र का प्रमाण हैं। अपने सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुरैना में आंबेडकर जयंती पर जुलूस के दौरान दलित की हत्या और कई लोगों के घायल होने की घटना अति-निन्दनीय है। उन्होंने कहा ''दोषियों के विरुद्ध अभी भी सख्त कार्रवाई नहीं किये जाने से राज्य सरकार संदेह के घेरे में है। उन्होंने कहा कि केंद्र व सभी राज्य सरकारें दलितों पर ऐसे हो रहे अन्याय-अत्याचार, इनके महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों के अनादर-अपमान की घटनाओं को सख्त कार्रवाई कर रोकें, वरना इन वर्गों के लोग उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे।

विद्यालय परिसर हरे भरे पेड़, चहकते पंछी और पृथ्वी दिवस

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। आज पृथ्वी दिवस है इस पृथ्वी में रहने वाले प्रत्येक जीव के लिए एक खास दिन। निश्चित रूप से पूरे वर्ष में हम एक विशेष दिन इसलिए मनाते हैं ताकि कुछ गंभीरताओं के प्रति ध्यान आकर्षित किया जा सके।

प्रत्येक शिक्षक का यह कर्तव्य है कि पृथ्वी से जुड़े खतरों के प्रति बच्चों को जागरूक किया जाए। वह पृथ्वी जो हमें जल, वायु, भोजन जैसी मूलभूत जरूरत को शुद्धता के साथ प्रदान करती है जिनके उपभोग के कारण हम जीवित रह सकते हैं।पूरे यूनिवर्स में एकमात्र ग्रह के रूप में जहां जीवन की प्रगति विज्ञान के चरम के रूप में हम देखते हैंवह हमारी प्यारी पृथ्वी है। इसी पृथ्वी में रहकर मनुष्य ने न केवल पृथ्वी के विभिन्न तत्वों को समझा , अपने मस्तिष्क और विश्लेषण क्षमता के आधार पर अंतरिक्ष के विभिन्न ग्रहों उपग्रह पर भी अपना परचम लहराया है। आज हमारी पृथ्वी इसमें निवास करने वाले सबसे बुद्धिमान प्राणी मनुष्य के विज्ञान की प्रगति के नकारात्मक पहलुओं के तहत, वायुमंडलीय प्रदूषण के कारण हम ग्रीन हाउस गैस के इफेक्ट, ओजोन परत डिप्लीशन, ग्लोबल वार्मिंग के तहत समुद्र के जल स्तर का लगातार बढ़ाना को देख रहे हैं।प्रगति के नाम पर लगातार पेड़ों की कटौती और नए पेड़ों का परिपक्व ना होना जहां वायु प्रदूषण ,जल और मृदा प्रदूषण को बढ़ावा दे रहे हैं वही विज्ञान की प्रगति ने रॉकेट और मोटर गाड़ियां तो दे दी पर उसी के साथ सांस लेने की हवा में भी प्रदूषण फैला दिया। विभिन्न माध्यमों से फैलाए गए गंदे धुएं और जहरीली गैसें ने वायु प्रदूषण के रूप में हरी भरी पृथ्वी को मटमैला किया है। आज स्थिति गंभीरता की तरफ जा रही है ना तो शुद्ध पीने का पानी उपलब्ध है और ना ही पेड़ों में उगने वाले फलङ्क फूल और सब्जी ही विभिन्न प्रकार के प्रदूषण से बच पा रही हैं ,खेतों में उगाया जाने वाला अनाज पेस्टिसाइड से प्रदूषित हो चुका है तो वहीं विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों से होते हुए हवा भी जहरीली हो चुकी है। जिस पृथ्वी ने हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य करने के लिए बुद्धि की एकाग्रता और तीक्ष्णता प्रदान की आज हम मनुष्य अपनी प्रगति के माध्यम से ,स्वार्थ के माध्यम से और ज्यादा से ज्यादा वस्तुओं के दोहन की इच्छा से पृथ्वी द्वारा प्रदत्त संसाधनों का

दोहन, शोषण , दुरुपयोग कर रहा हैं जिससे यह संभावना बनी है कि आने वाली पीढियां के लिए पांच तत्वों की शुद्धता से उपलब्धता दुर्लभ हो जाएगी। पृथ्वी के गर्भ में पाए जाने वाले खनिज लवण और बेस कीमती तत्वों को हम खुद केलिए निकाल रहे हैं तो वहीं पेट्रोल डीजल और कोयले के रूप में लगातार खनन के माध्यम से दोहन का व्यापार जोरों से कर रहे हैं। आने वाली पीढियां के लिए इस बेस कीमती संपदा से कुछ बचेगा इसकी किसी को चिंता नहीं है।सस्टेनेबल डेवलपमेंट (पृथ्वी द्वारा प्रधानता तत्वों का ऐसा प्रयोग जिससे आने वाली पीढ़ियां के लिए भी स्वच्छ उपलब्ध हो सके)की अवधारणा किताबों में तो है पर दोहन की सीमितता के स्तर पर लागू नहीं है। इन सब से भी ज्यादा खतरनाक मनुष्य ,वैज्ञानिक युग में खतरनाक इन्वेंशन लाया ÷प्लास्टिक÷ के रूप में,जो आज हर प्रकार के तत्व में मिलकर प्रदूषण फैल रही है। आज महती आवश्यकता है कि हम आने वाली पीढियां को पृथ्वी दिवस के अवसर पर जागरूक करें ।पॉलिथीन के निर्माण और उसके इस्तेमाल पर रोक लगे तथा ज्यादा से ज्यादा कपड़े के थैलों का इस्तेमाल किया जाए । पॉलिथीन की उपयोगिता खत्म हो जाए और हम वापस नॉन डिग्रेडेबल प्लास्टिक को छोड़कर कपड़े के थैलों की तरफ लौट आए ।यदि कागज और बेकार की वस्तुओं का उपयोग करना सीख जाए तो वह दिन दूर नहीं जब हम प्रदूषण को काफी कम कर सकेंगे। यह काम भारत की भावी पीढ़ी ही कर सकती है अतः हमें विभिन्न माध्यमों से बच्चों को जागरूक करना होगा। एक शुभ पल के तहत अन्य जनप्रतिनिधियों को भी सरोजनी नगर के विधायक डॉ राजेश्वर सिंह जी से सीख लेते हुए ज्यादा से ज्यादा कपड़े के थैलो को गांव, समाज, विद्यालय विभिन्न सोसाइटियों और बच्चों तक वितरित करना होगा। सरोजिनी नगर विधानसभा के सौ से ऊपर स्कूलों में हजारों झूले वितरित किए गए और बच्चों को पॉलिथीन से दूर रहने की शिक्षा दी गई। बच्चे यदि ठान लें कि प्रदूषण को रोकना है ,जल को अनायास बर्बाद होने से रोकता है, ज्यादा से ज्यादा पेड़ों को लगाना है, फलदार पेड़ों के रोपण और उनकी रक्षा करनी है जब तक उनमें फल न लग जाए तो वह दिन दूर नहीं जब हमारी पृथ्वी हरी भरी और चारों तरफ प्राकृतिक दृश्य से खिलखिलाती हुई नजर आएगी। पृथ्वी दिवस के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय अलीनगर खुर्द के कक्षा तीन, चार, पांच के बच्चों ने खेल, नाटक और कविताओं के माध्यम से इस दिवस को मनाया और प्रासंगिकता को समझा।

बच्चों ने विद्यालय के परिसर को प्रत्येक शनिवार एक छोटे पौधे के रोपण के साथ सजाने कासंकल्प लिया। शिक्षिका रीना त्रिपाठी ने बताया कि परिसर में एक समय में एक भी पेड़ नहीं हुआ करता था जो था उसे ग्राम प्रधान ने कटवा लिया था फिर बच्चों ने और विद्यालय के स्टाफ ने मिलकर विद्यालय परिसर हरा भरा करने का संकल्प लिया और अभियान के तहत आम ,जामुन अमरूद, पकरी, शीशम, अर्जुन, आंवले ,नीम के पौधे लगाए जो आज बड़े पेड़ बन गए है। फूलों की क्यारियां बनाने में बच्चों ने भी सहयोग किया बच्चों को पेड़ों के पीछे छुप कर अमरूद के पेड़ों और जामुन के पेड़ों के फलों को खाकर बहुत आनंद आता है और वह सब इस प्राकृतिक वातावरण में अपने बचपन के खुशनुमा पल बिताते हैं। पृथ्वी दिवस के इस आयोजन के अवसर पर विद्यालय स्टाफ रीना त्रिपाठी ,नसीम सेहर ,सतीश कुमार उपस्थित रहे।

केवल बातों से इतिहास में कोई वास्तविक परिवर्तन कभी हासिल नहीं हुआ है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी आजादी के लिए खून बहायें। आजादी जिसे हम अपने बलिदान और परिश्रम के माध्यम से पाएंगे, हम अपनी ताकत से देश की रक्षा करने में सक्षम होंगे : सुभाष चन्द्र बोस

संपादकीय

अनुचित और अमर्यादित

कुछ समय पहले तक उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट को लेकर की गई टिप्पणियों की चर्चा होती रही है। कहा गया कि इससे न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच टकराव सार्वजनिक हुआ है। चर्चा रही कि इससे जनमानस में अविश्वास व भ्रम की स्थिति बनती है। अब इस टिप्पणी से उत्साहित होकर भाजपा के दो सांसदों ने लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण स्तंभ पर अमर्यादित ढंग से निशाना साधा है। उस महत्वपूर्ण स्तंभ पर जिसका कार्य संविधान की गरिमा बनाना और न्याय सुनिश्चित करना है। दरअसल, विधानसभाओं में विधेयकों को मंजूरी देने के लिये समय सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि 'कोई भी राष्ट्रपति को चुनौती नहीं दे सकता, क्योंकि राष्ट्रपति सर्वोच्च हैं।' वहीं दूसरी ओर लोकसभा में झारखंड के गोड्डा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद निशिकांत दुबे ने भी चिंताजनक ढंग से तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट कानून बनाने का काम अपने हाथ में ले ले तो संसद और राज्य विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। यहां तक कि उन्होंने देश के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को भी नहीं बख्शा और उन्हें देश को गृह युद्ध की ओर धकेलने वाला बताया। इतना ही नहीं, कुछ समय उपरांत उन्होंने अपने बयान को और हल्का करते हुए कहा कि एक पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त 'मुस्लिम आयुक्त' की भूमिका में रहे हैं। बहुत संभव है कि दोनों भाजपा नेताओं ने पार्टी में अपना कद बढ़ाने के मकसद से ऐसे बयान दिए होंगे। यह भी कि उन्होंने पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा को बड़ा करके दिखाने का ही प्रयास किया। उन्हें लगता है कि शायद पार्टी उन्हें उनकी वफादारी के लिये पुरस्कृत करेगी। लेकिन भगवा पार्टी ने उन्हें सिर्फफटकार ही लगाई है। वहीं दूसरी ओर पार्टी ने खुद को उनकी व्यक्तिगत टिप्पणियों से अलग रखने की बात कही है। निस्संदेह भाजपा को लोकतंत्र के अभिन्न अंग के रूप में न्यायपालिका के प्रति अपने सम्मान की भी पुष्टि करनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर विपक्ष का कहना है कि जब तक दोनों भाजपा नेताओं के खिलाफसख्त कार्रवाई नहीं की जाती है, तब तक भाजपा का यह दावा अविश्वसनीय ही बना रहेगा। पहले भी भाजपा के शीर्ष नेताओं ने तब भी उस बयानबाजी को प्रश्रय नहीं दिया, जब आक्रामक बयानबाजी करने वाली सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने अनर्गल बयानबाजी की थी। उल्लेखनीय है कि प्रज्ञा ने महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को देशभक्त कहकर हंगामा कर दिया था। तब भी पार्टी ने बस इतना किया था कि उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था और संसदीय पैनल से हटा दिया था। तब उन्होंने दो बार लोकसभा में माफी भी मांगी थी। कालांतर समय के साथ मामला शांत हो गया था। जैसा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को उम्मीद भी थी। लेकिन इस बार भी यदि ऐसा ही नतीजा सामने आता है तो यह उचित नहीं कहा जा सकता। यह देखते हुए कि दुबे और शर्मा ने मर्यादा की एक सीमा रेखा को पार किया है ,यह स्पष्ट रूप से न्यायालय और संविधान की अवमानना के दायरे में है। जिसके लिये उन्हें क्षमा नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, ऐसे अप्रिय विवादों से जनता में न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच टकराव का नकारात्मक संदेश जाता है। जिससे अनावश्यक संवैधानिक संकट की स्थिति भी बन सकती है। जनता में लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभों को लेकर अविश्वास का भाव पैदा नहीं होना देना चाहिए।

रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन की नई अहमियत

चूंकि भारत में अभी भी अनाज, दाल व तिलहन के उत्पादन का स्तर तो मौसम पर निर्भर ही होता है और कभी जरूरत से कम तो कभी जरूरत से ज्यादा बारिश इनके उत्पादन के सारे गणित को गड़बड़ कर देती है, ऐसे में क्षेत्रवार और फसलवार आधार का व्यापक अध्ययन करते हुए सिंचाई की व्यवस्था की नई नीति तैयार करना लाभप्रद होगा। इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि इस समय देश का अनुमानित खाद्यान्न उत्पादन 33 करोड़ टन से अधिक है, जबकि भंडारण क्षमता कुल उत्पादन का आधे से भी कम है, ऐसे में अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना के तेजी से कारगर क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।

इस समय भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित नए द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) के तहत भारत के द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले कृषि उत्पादों के निर्यात के मद्देनजर टैरिफ कटौती के लिए सहमति के संकेत उभरकर दिखाई दे रहे हैं। भारत ने अमेरिका को बादाम, अखरोट, क्रैनबेरी, पिस्ता और दाल जैसे कृषि उत्पादों पर शुल्क में कटौती पर सहमति के संकेत दिए हैं। ऐसे में भारत के खाद्यान्न और खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्यात के मौके अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न देशों में बढ़ते हुए दिखाई दे सकेंगे और भारत इससे लाभान्वित होगा।

गौरतलब है कि जिस तरह पांच साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के हथियार बन गए थे, उसी प्रकार इस समय अमेरिका के टैरिफ की मार के साथ-साथ शुल्क व गैर शुल्क बाधाओं को कम करने से होने वाली किसी भी प्रकार की हानि को कम करने के मद्देनजर देश में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और रिकॉर्ड खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद एक मजबूत हथियार दिखाई दे रहे हैं। चूंकि इस वर्ष 2025 में वैश्विक स्तर पर खाद्यान्न उत्पादन में कमी के आकलन प्रस्तुत हुए हैं, ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में होने वाली 3 से 3.5 फीसदी हानि की बहुत कुछ भरपाई खाद्यान्न और कृषि प्रसंस्करण के निर्यात से भी की जा सकेगी। निश्चित रूप से देश में बढ़ता खाद्यान्न उत्पादन और मजबूत होती ग्रामीण आर्थिकी देश की आर्थिक शक्ति बन गई है। प्रधानमंत्री मोदी के मुताबिक इस समय भारत दुनिया की नई खाद्य टोकरी और वैश्विक खाद्य सुरक्षा के प्रतिबद्ध देश के रूप में रेखांकित हो रहा है। हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में कहा कि इस समय देश में खाद्यान्न के भंडार भरे हुए हैं और खाद्यान्न उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। यदि हम वर्ष 2024-25 के लिए जारी मुख्य कृषि फसलों (खरीफ एवं रबी) के उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान की ओर देखें तो पाते हैं कि चावल, गेहूं, मक्का, मूंगफली एवं सोयाबीन के साथ-साथ तुअर और चना के भी रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीद जताई गई है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि देश में कुल रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन 33 करोड़ टन से भी अधिक होने का अनुमान है। इसी तरह फल और सब्जी उत्पादन में भी तेज वृद्धि होगी। इतना ही नहीं वर्ष 2024-25 की सकल घरेलू उत्पाद में (जीडीपी) में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के योगदान में 4.6 फीसदी वृद्धि हो सकती है। पिछले वर्ष यह वृद्धि दर 2.7 फीसदी थी। इस तरह जहां देश में खाद्यान्न की कमी से खाद्यान्न अधिशेष की ऊंचाइयां देश के लिए लाभप्रद बन गई हैं, वहीं भारत का खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) सेक्टर भी ट्रंप के टैरिफ से जंग में भारत की आर्थिक ताकत दिखाई दे रहा है। यह एक ऐसा उभरता उद्योग है जिसमें पिछले 10 वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हुआ है। देश के कुल कृषि निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 13.7 से बढ?र करीब 24 प्रतिशत हो गई है। इस परिप्रेक्ष्य में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) की खाद्य प्रसंस्करण पर प्रकाशित शोध अध्ययन रिपोर्ट उल्लेखनीय है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत के खाद्य प्रसंस्करण का क्षेत्र वर्ष 2023 में 307 अरब डॉलर का था, यह तेजी से बढ?र वित्त वर्ष 2030 तक 700 अरब डॉलर, वर्ष 2035 तक 1100 अरब डॉलर, वर्ष 2040 तक 1500 अरब डॉलर और वर्ष 2047 तक 2150 अरब डॉलर तक की ऊंचाई पर पहुंचने की उम्मीद है। पीएचडीसीसीआई ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि भारत से कृषि और खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर से निर्यात में तेज वृद्धि हो रही है। वर्ष 2013-14 में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों का जो निर्यात 39 अरब डॉलर था, वह बढ़कर वर्ष 2022-23 में 52 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से निर्यात लगातार बढ़ते हुए वर्ष 2030 तक 125 अरब डॉलर, वर्ष 2035 तक 250 अरब डॉलर, वर्ष 2040 तक 450 अरब डॉलर और वर्ष 2047 तक 700 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच जाएगा। निःसंदेह ट्रंप की टैरिफ चुनौती का मुकाबला करने की डगर पर भारत के लिए कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन महत्वपूर्ण बन गया है। कृषि के बुनियादी ढांचे और निवेश पर पिछले एक दशक में रणनीतिपूर्वक ध्यान दिए जाने के अच्छे परिणाम मिले हैं। सूचना प्रौद्योगिक तक पहुंच में वृद्धि ने ग्रामीण-शहरी दूरियों में कमी ला दी है। भारतीय किसान तेजी से डिजिटल पेमेंट, फसल बीमा और बैंकों से औपचारिक ऋण की सुविधाओं की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। ग्रामीण लोगों की क्रयशक्ति बढने, डिजिटल उपयोग में वृद्धि, ग्रामीण भारत के विकास के लिए शुरू योजनाओं से ग्रामीणों की बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच, गांवों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार, ग्रामीण भारत के लोगों की पूरक आय में वृद्धि आदि ऐसे कारण हैं, जिन्होंने भारत की ग्रामीण आर्थिकी को मजबूत बनाया है। खास बात यह भी है कि 24 फरवरी 2025 तक पीएम किसान सम्मान निधि के जरिए देश के कोई 9.8 करोड़ से अधिक किसानों को 19 किस्तों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 3.68 लाख करोड़ रुपए की आर्थिक मदद दी जा चुकी है जिससे उन्हें खेती-किसानी से जुड़े खर्चों में राहत मिल रही है। इतना ही नहीं, 24 अप्रैल 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में संपत्ति मालिकों को 'अधिकारों का रिकॉर्ड' प्रदान करके ग्रामीण भारत के आर्थिक परिवर्तन को गति देने के उद्देश्य से शुरू की गई पीएम स्वामित्व योजना की अहमियत दिखाई देना शुरू हो गई है। फरवरी 2025 तक देश के छह लाख गांवों में से आधे से अधिक गांवों का सर्वे पूरा हो चुका है, और सवा दो करोड़ ग्रामीणों को प्रॉपर्टी कार्ड मिल चुके हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और 100 लाख करोड़ रुपए से अधिक की आर्थिक गतिविधियों का मार्ग भी खुल गया है। निश्चित रूप से ट्रंप के टैरिफ से इस समय देश की आर्थिकी को होने वाले किसी भी नुकसान की भरपाई के साथ भविष्य में भी अन्य किसी भी वैश्विक आर्थिक चुनौती का मुकाबला करने के लिए सरकार के द्वारा कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संवारने की डगर पर लगातार तेजी से आगे बढ़ना होगा। सरकार के द्वारा कृषि विकास दर बढ़ाने, खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने, खाद्य उत्पादों की बर्बादी रोकने तथा किसानों के लिए पर्याप्त खाद्यान्न भंडारण की सुविधाओं पर ध्यान दिया जाना होगा। :: एजेंसी

विवाद के समय बीजेपी क्यों छोड़ देती है अपने नेताओं का साथ

भारतीय जनता पार्टी भारत की सबसे बड़ी और सबसे संगठित राजनीतिक पार्टियों में से एक है। अनुशासन, संगठनात्मक ढांचा और विचारधारा की स्पष्टता इसके प्रमुख स्तंभ माने जाते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में यह प्रवृत्ति देखी गई है कि जब पार्टी के किसी नेता पर विवाद खड़ा होता है, तो पार्टी उनसे सार्वजनिक रूप से दूरी बना लेती है या उन्हें पद से हटाने में देर नहीं करती। यह परिपाटी कई बार यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर विवाद के समय बीजेपी अपने ही नेताओं का साथ क्यों छोड़ देती है, बीजेपी आलाकमान का मुसीबत के समय अपने नेताओं का साथ छोड़ने का सिलसिला काफी पुरानी है।

साध्वी प्रज्ञा हो या विवादित बयान देने वाली नुपुर शर्मा और अब केन्द्रीय मंत्री निशिकांत दुबे,राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा या अन्य कोई बीजेपी किसी भी नेता से किनारा करने में देरी नहीं करती है, अन्य दलों का शीर्ष नेतृत्व मुसीबत के समय अपने नेता के साथ कंधे से कंधा मिलाये खड़ा रहता है। समाजवादी पार्टी के विवादित नेता और सांसद रामजी लाल सुमन इसकी ताजा मिसाल है। सुमन ने वीर पुरुष और महानायक राजा राणा सांगा को गद्दार कहा था। ऐसा क्यों होता है, इसकी तह में जाया जाये तो पता चलता है कि बीजेपी अपने ब्रांड को विकास और राष्ट्रवाद के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करती रही है। पार्टी नेतृत्व यह अच्छी तरह समझता है कि किसी भी नेता से जुड़ा विवाद संपूर्ण पार्टी की छवि पर असर डाल सकता है। ऐसे में वह डैमेज कंट्रोल की नीति अपनाती है। उदाहरण के तौर पर, जब बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगे, तो पार्टी ने सीधे तौर पर उनका समर्थन नहीं किया, भले ही वह एक लंबे समय से पार्टी के प्रभावशाली चेहरा रहे हों।

इसी तरह, जब पूर्व मंत्री एमजे अकबर पर मी टू अभियान के दौरान कई महिलाओं ने आरोप लगाए, तो पार्टी ने चुपचाप उन्हें पद से हटने दिया, बिना उनका खुला समर्थन किए। बीजेपी का संगठनात्मक ढांचा यह सुनिश्चित करता है कि व्यक्ति नहीं, संगठन सर्वोपरि रहे। इसलिए जब कोई नेता विवाद में आता है, तो पार्टी पहले यह देखती है कि उनका बचाव करने से संगठन को कितना नुकसान हो सकता है। अगर पार्टी नेतृत्व को लगता है कि उस नेता का समर्थन करना पार्टी की छवि पर बुरा असर डालेगा, तो वह उससे दूरी बना लेती है। यहाँ संघ परिवार की सोच भी प्रभावी होती है, जहाँ व्यक्तिवाद की बजाय सामूहिक निर्णय को प्राथमिकता दी जाती है। ऐसे में कोई भी नेता पार्टी से ऊपर नहीं हो सकता। दरअसल, बीजेपी चुनावी राजनीति में बेहद रणनीतिक है। अगर किसी नेता के विवाद से जनता में आक्रोश है या विपक्ष को मुद्दा मिल सकता है, तो पार्टी उस नेता को बलि का बकरा बनाकर अपनी राजनीतिक जमीन सुरक्षित करती है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर हों या उमा भारती, समय-समय पर जब उनके बयानों या कार्यों से पार्टी की रणनीति को चुनौती मिलती दिखी, तो पार्टी ने उन्हें दरकिनार कर दिया।

जब तक नेता उपयोगी होता है, उसे सिर पर बैठाया जाता है और जैसे ही वह पार्टी के लिए बोझ बनता है, उसे किनारे कर दिया जाता है। कुल मिलाकर बीजेपी का विवाद के समय नेताओं से दूरी बनाना एक सुविचारित रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद पार्टी की छवि और राजनीतिक पूंजी को सुरक्षित रखना है। हालांकि यह नीति दीर्घकालिक रूप से संगठनात्मक विश्वसनीयता और निष्ठा की भावना को चोट पहुँचा सकती है। यह चुनौती बीजेपी के लिए उतनी ही गंभीर है जितनी किसी विवाद में घिरे नेता के लिए। पार्टी को यह संतुलन साधना होगा कि संगठन की प्रतिष्ठा बचाते हुए, अपने कर्मठ नेताओं का आत्मसम्मान भी सुरक्षित रखा जाये।

इससे साफ है कि पार्टी का फोकस वोटर सेंटिमेंट और इलेक्शन मैनेजमेंट पर है, न कि व्यक्तिगत निष्ठा पर। ऐसा इस लिये भी होता है क्योंकि आज का दौर इंस्टैंट जजमेंट का है। जैसे ही किसी नेता पर आरोप लगते हैं, सोशल मीडिया पर ट्रेंड शुरू हो जाता है। बीजेपी यह समझती है कि अगर वह बचाव में उतरती है, तो यह आक्रोश और तेज हो सकता है। इसलिए वह साइलेंस मोड या डिस्टेंसिंग की रणनीति अपनाती है। यह नीति कभी-कभी नेताओं को अकेला महसूस करवा सकती है, लेकिन पार्टी को लगता है कि यह सार्वजनिक नाराजगी को ठंडा करने का सबसे तेज तरीका है। अभी बीजेपी नेताओं निशिकांत दुबे, डॉ. दिनेश शर्मा आदि कुछ नेताओं के न्यायपालिका पर दिये गये विवादित बयान के बाद बीजेपी ने इन नेताओं से जिस तरह दूरी बनाई वह बीजेपी के कुछ समर्थकों को खराब भी लग रहा है।

जबकि राजनीति के कुछ जानकारों का कहना है कि अक्सर खुद को संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करने वाली पार्टी के रूप में पेश करती है। ऐसे में अगर किसी नेता पर कानूनी आरोप लगते हैं, तो पार्टी यह संदेश देना चाहती है कि वह किसी को कानून से ऊपर नहीं मानती। भले ही अंदरूनी स्तर पर नेता का समर्थन किया जा रहा हो, सार्वजनिक मंच पर पार्टी न्यायिक प्रक्रिया के पक्ष में खड़ी दिखना चाहती है। लेकिन सवाल ये भी उठता है कि क्या ये नीति सही है? यह रणनीति अल्पकालिक लाभ तो देती है, लेकिन इससे पार्टी के अंदर यह भावना पनपती है कि पार्टी मुश्किल समय में अपने ही नेताओं का साथ नहीं देती। इससे पार्टी के अंदर विश्वास की कमी पैदा हो सकती है। कई पुराने नेताओं ने यह नाराजगी भी जताई है कि पार्टी यूज एंड थ्रो की नीति अपनाती है।

कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह नीति राजनीतिक शुचिता के नाम पर राजनीतिक अवसरवाद को बढ़ावा देती है। जब तक नेता उपयोगी होता है, उसे सिर पर बैठाया जाता है और जैसे ही वह पार्टी के लिए बोझ बनता है, उसे किनारे कर दिया जाता है। कुल मिलाकर बीजेपी का विवाद के समय नेताओं से दूरी बनाना एक सुविचारित रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद पार्टी की छवि और राजनीतिक पूंजी को सुरक्षित रखना है। हालांकि यह नीति दीर्घकालिक रूप से संगठनात्मक विश्वसनीयता और निष्ठा की भावना को चोट पहुँचा सकती है। यह चुनौती बीजेपी के लिए उतनी ही गंभीर है जितनी किसी विवाद में घिरे नेता के लिए। पार्टी को यह संतुलन साधना होगा कि संगठन की प्रतिष्ठा बचाते हुए, अपने कर्मठ नेताओं का आत्मसम्मान भी सुरक्षित रखा जाये। :: एजेंसी

थाने की छत पर पेड़

पुलिस थाने का पेड़ बिना बताए ढह गया। पुलिस ने यूं तो कई पेड़, कई भवन और लोग ढहते देखे, लेकिन यह मंजर भयानक था। आधा पेड़ थाने की छत पर और आधा बाहर सड़क से गुजर रही बस की छत पर था। कार्रवाई के लिए चश्मदीद गवाह ढूंढे गए। स्वयं थानेदार सतर्क थे, आखिर उनकी छत का मामला था। जनता पहली बार पुलिस को पेड़ से लड़ता देखकर खुश थी, लेकिन चश्मदीद गवाह बनने को तैयार नहीं थी। खैर थानेदार का अनुभव काम आया, लिहाजा उन्होंने थाने को गुलजार कर रहे सिपाहियों को तुरंत पेड़ गिरने का चश्मदीद गवाह बना दिया। बस और बस के ऊपर गिरे हुए पेड़ के एकमात्र गवाह यही कांस्टेबल थे। बस की छत पर चढ़ने को कहा तो आधे असमर्थ हो गए। अंततः घोषणा हुई, 'बढ़े हुए पेट वाले सुरक्षा कारणों से बस के ऊपर न चढ़ें। महिला कांस्टेबलों को भी रोका गया, लेकिन इस तमाशे में ट्रैफिक जाम हो गया।

यूं तो पुलिस अपनी यूनिफार्म में किसी को भी नीचे उतार सकती है, लेकिन यहां अपनी छत से पेड़ नीचे उतारने में महकमे की ट्रेनिंग विफल हो रही थी। एक बार तो थानेदार ने सोचा कि लॉकअप में रखे कुछ भरोसेमंद अभियुक्तों से ये काम ले लें। भरोसा इसलिए था क्योंकि कई चेहरे पुलिस की जान-पहचान के ही थे, बल्कि जरूरत पडने पर ये लोग इशारे पर कुछ भी कर सकते थे और करते रहे हैं। फिर ख्याल आया, बड़े साहब कहीं बुरा न मना लें। याद आया, 'आज तो साहब की कोठी पर ताजा सब्जी और खूब पके हुए फल भी रवाना नहीं हुए। सड़क को ट्रैफिक जाम ने रोक लिया तो कल्लू मियां को रेहड़ी भी कहां लगवाते। आधा काम तो कल्लू मियां भी कर देता है। वह रोजाना मुफ्त में सब्जी नहीं, कई बार रेहड़ी में थाने की हिस्सेदारी में आया माल भी छिपा लेता है, यहां तक कि वक्त आने पर चिट्टे की खेप को किलो से घटाकर मिलीग्राम बना देता है।' थानेदार साहब बाहर निकले और जनता से अमन और अपने बचाव की अपील की। आपदा में देश सेवा का अवसर पाते ही पुलिस अभियान में इलाके के कई माफिया सरगना तैयार हो गए। सबसे आगे अवैध खनन में माहिर आए और कहने लगे पूरे थाने को गिरा देते हैं, पेड़ स्वयं ही गिर जाएगा। नया थाना बना देंगे, बस इधर दो छोटी सी दुकानें हम अपने लिए निकाल लेंगे। तभी शराब माफिया नशे में पहुंच गया। 'सर! तमाशबीन जनता को पिलाकर पिछले चुनाव की तरह पूरे पेड़ को गिरा देंगे।' एक बार थानेदार को लगा कि यह आइडिया परखा हुआ है, लेकिन फिर लगा कि यहां ही सारी सप्लाई लगा दी, तो कल एमएलए साहिब की तयशुदा बोतलें कहां से आएंगी। तभी किसी ने कहा, सर वो सामने वन माफिया के एक्सपर्ट काटू जी आ गए हैं, अब तो काम हो जाएगा। पहली बार जंगल और थाने का मिलन हो रहा था। नीचे पुलिस महकमा ऊपर जंगल की अमानत। दो सरकारी अमानतों से जनता के अमन चैन का पसीना छूट रहा था। वन विभाग ने सिक्का उछाला, 'सर! यह पौधा अंग्रेजों के जमाने का है, लिहाजा इस बार हम थाने की तफतीश करेंगे कि इसकी जड़ें कैसे खोखली हो गई। यह वन संरक्षण अधिनियम का सरेआम उल्लंघन है।' थानेदार पहली बार आफत में आया। बात आगे बढ़कर कानून-व्यवस्था तक पहुंच गई तो एसपी साहब घर से सीधे और सादा कपड़ों में पहुंच गए। साहब को लगा कि पेड़ तो पुलिस के धक्के से नीचे गिर जाएगा। उन्होंने अपने अधीन रिजर्व पुलिस के जवान बुलाए और आदेश दिया कि इसे वीआईपी ड्यूटी मानकर पूरा जोर लगा दो। वाकई वीआईपी ड्यूटी में पुलिस बहुत ही ताकतवर होती है।

व्यवस्थाओं के दामन पर नशाखोरी के दाग

'उसी का शहर वही मुद्दई वही मुंसिफ हमें यकीं था हमारा कसूर निकलेगा। उस आस्तीन से अश्कों को पोंछने वाले उस आस्तीन से खंजर जरूर निकलेगा'। मारूफ शायर 'अमीर कजलबास' को शायद अंदाजा नहीं था कि उनकी नज्म के ये अल्फाज मुस्तकबिल में नशाखोरी की तिजारत में मुब्तिला सुरक्षा एजेंसियों तथा खियानत में डूबे मुल्क के निजाम की दास्तान को पूरी शिद्दत से बयान करेंगे।

नशाखोरी, रिश्वतखोरी व कई घोटालों के बदनुमां दाग हमारी व्यवस्थाओं के दामन पर लग चुके हैं। नशे की अवैध तिजारत से हालात इस कदर बद्दतर हो चुके हैं कि नशाखोरी के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाली सामाजिक संस्थाएं सुरक्षा एजेंसियों को ड्रग्स तस्करों की खबर देने में दुविधा में हैं। कहीं खुद की शिनाख्त उजागर न हो जाए, इसलिए सभ्य समाज के लोग नशे के खिलाफ जंग का हिस्सा बनने से डर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मुखबिर बनकर नशे की मुखबिरी में कहीं खुद शरीक-ए-जुर्म साबित न हो जाए, इसलिए नशे जैसी बुराई को मिटाने का हलफ उठा चुके इंकलाबी युवा खौफजदा हैं। यानी खुदगर्ज की बस्ती में एहसान गुनाह साबित हो सकता है। चूंकि सामाजिक सुरक्षा का दायित्व निभाने वाली निगाहबान निगाहें भी कातिल नशे की तलबगार बन चुकी हैं। उच्च पदों पर विराजमान कई सरकारी अधिकारी भी चिट्टे जैसे नशे के शौकीन हैं। देश के संवेदनशील इदारों की सुरक्षा की जिम्मेवारी निभाने वाले कर्मचारी 'हनी ट्रैप' जैसे फ्रॉड में पकड़े जा रहे हैं। ताजिरात-ए-हिंद के पैरोकार भ्रष्टाचार में अपनी भागीदारी दर्ज करवा चुके हैं। प्रश्न यह है कि जब अदालत में मुलजिम खुद मुंसिफ व खुद ही मुद्दई होगा तो उसके एब-ओ-हुनर की तफ्तीश कौन करेगा? सुरक्षा एजेंसियों में तैनात अहलकार जब खुद नशाखोरी की अवैध तिजारत में गिरफ्तार हो रहे हैं, ड्रग्स के अवैध कारोबार की रोकथाम करने वाली जांच एजेंसियों के मुलाजिम भी नशे के काले कारोबार में हाथ आजमा रहे हैं, तो उनके गिरेबान में हाथ कौन डालेगा? मगर हमारे जम्हूरी निजाम में धरातल पर ये सब कुछ हकीकत में हो रहा है।

अदालतों में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमों में इजाफा हो रहा है। कानूनी शिकंजे में फंस चुके नशे के तलबगार बने कई युवाओं को बचाने के लिए अभिभावकों ने अपनी जमीन जायदाद गिरवी रख दी है। धनवान बनने की हसरत में कई मुलाजिमों ने अपना जमीर गिरवी रख दिया है। नतीजतन अंतरराष्ट्रीय सरहदों से शुरू हुई नशा सप्लाई की चेन नहीं टूट रही।

धन कुबेर बनने की जहालत भरी ख्वाहिश ने तमाम व्यवस्थाओं को रुसवा कर दिया है। नशे का गोरखधंधा अवैध तरीके से अकूत धन कमाने का बड़ा कारोबार बन चुका है, नतीजतन अमीर बनने की हसरत में सरकारी मुलाजिम भी जानलेवा नशे के ताजिर बन रहे हैं। हिमाचल के हमसाया सूबे पंजाब को वहां की हुकूमत नशामुक्त बनाने में जुटी है। पंजाब में नशाखोरी के खिलाफ 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान में नशा तस्करों के खिलाफ बुल्डोजर एक्शन भी हो रहा है। लेकिन इसके बावजूद सूबे में नशे का जहरीला कारोबार शबाब पर है। 'उड़ता पंजाब' में वर्दी की आड़ में नशा तस्करी के कई सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं। हाल ही में महिला पुलिसकर्मी को ड्रग्स के साथ हिरासत में लिया गया है। नशा मजहब का हो, सियासी कद का हो, सरकारी पद का हो, मादक पदार्थों का हो या धन-दौलत का हो, कई रिश्तों को बेआबरू करने की कूवत रखने वाला नशा अपनी औकात जरूर दिखाता है। शायद इसीलिए कहा जाता है कि सदाकत, अखलाक, ईमानदारी व वफादारी बड़े महंगे शौक हैं। इन्हें हर कोई नहीं पाल सकता। उच्च अधिकारियों व सुरक्षाकर्मियों की नशा तस्करों से रफाकत पशेमानी का विषय है। नशाखोरी जैसी मशकूक गतिविधियों में सुरक्षा एजेंसियों के अहलकारों की संलिप्तता से नशे के खिलाफ चल रही मुहिम पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। नशाखोरी से लोगों की जिंदगी को जहन्नुम बनाकर नशे के सरगना करोड़ों रुपए की अवैध सल्तनत खड़ी कर चुके हैं। नशे की ओवरडोज से हो रही दर्दनाक मौतें तस्दीक करती हैं कि बेआब नशेड़ी नशे की हिरासत में ही मरहूम हो रहे हैं। कुछ पलों के लिए सुकून का एहसास कराने वाला नशा युवा वेग को जिंदगी भर के लिए मफलूज कर रहा है। जिन नामुराद लबों को हेरोइन व सिंथेटिक ड्रग्स की लज्जत लग जाए, उनका नशे के बिना रहना लगभग नामुमकिन है। नशे की इल्लत ने नशेड़ी वर्ग को जुर्म की चौखट पर पहुंचा कर गुनाहगार की कतार में खड़ा कर दिया है। नशे की तलब में कत्ल जैसी खौफनाक वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। नशे की फुरकत में भी संगीन जुर्म हो रहे हैं। ड्रग्स की अवैध तिजारत से नशे के सरगनाओं की धन-दौलत में बेहताशा इजाफा हो रहा है। मगर गुरबत व नादारी से जूझ रहे नशेड़ी वर्ग के परिवारों की आर्थिकी का तवाजुन बिगड़ चुका है। :: चर्चित डेस्क

आज का राशिफल

मेषः- समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वाणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृषभः- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुनः- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छवि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्कः- भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कार्यो में आलस्य का त्याग करें।

सिंहः- पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- परिवार की छोटी-छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

तुलाः- महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुिष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

वृश्चिकः- स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनुः- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकरः- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले-जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुम्भः- शासन-सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीनः- कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा।

राशि रत्न

सांसद जय प्रकाश की अध्यक्षता में हुआ एक राष्ट्र, एक चुनाव पर मंथन

मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अशोक बाजपेई हुए शामिल

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। रसखान प्रेक्षागृह में एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ अशोक बाजपेई एवं लोकसभा सांसद जय प्रकाश रावत की अध्यक्षता में प्रबुद्ध समागम कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पू. सांसद अशोक बाजपेई ने कहा कि देश में होने वाले सभी चुनाव एक साथ होने से भारत की आर्थिक स्थिरता और विकास में वृद्धि होगी, जिससे व्यवसाय प्रतिकूल नीतिगत परिवर्तनों के भय के बिना निर्णय लेने में सक्षम होंगे और सशक्त पभारत विकसित भारत बनाने के संकल्प को साकार कर सकेंगे। पूर्व राज्यसभा सांसद ने एक साथ चुनाव कराने के अनेक लाभकारी बिंदुओं पर बुद्धिजीवी वर्ग से चर्चा की, कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव से मतदाताओं के लिए सुविधा और आसानी सुनिश्चित होती है, मतदाता थकान से बचते हैं, तथा मतदान प्रतिशत में वृद्धि होती है। एक राष्ट्र एक चुनाव से नीतियों में अधिक निश्चितता आएगी।

बार-बार चुनाव होने से अनिश्चितता का माहौल बनता है और इससे नीतिगत निर्णय प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से सरकारी खजाने पर वित्तीय बोझ कम होगा, क्योंकि इससे बीच-बीच में होने वाले चुनावों पर होने वाले व्यय का दोहराव नहीं होगा। चुनाव के कार्यान्वयन से दुर्लभ संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग, पूंजी निवेश में वृद्धि और परिसंपत्ति सृजन होगा और इससे शासन के लिए अधिक समय की उपलब्धता सुनिश्चित होगी तथा नागरिकों को निर्बाध सार्वजनिक सेवा प्रदान की जा सकेगी। चुनाव से चुनाव संबंधी विवाद और अपराध कम होंगे, जिससे अदालतों पर बोझ कम होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान सरकारी तंत्र चुनाव ड्यूटी और संबंधित कार्यों के कारण अपने नियमित कर्तव्यों का पालन नहीं कर पाता है। जिसका नतीजा है कि विकास योजनाएं समय पर पूर्ण नहीं हो पाती और जनता योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाती है। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद जय प्रकाश ने एक राष्ट्र एक चुनाव पर देश भर में चल रहे मंथन पर कहा कि यह विषय कोई नया नहीं है। भारत में इससे पहले कांग्रेस शासनकाल में एक राष्ट्र एक चुनाव की परिपाटी चलती चली आ रही थी। पर कांग्रेस पार्टी की सत्ता की चाहत ने संविधान के ऐसे नियमों को टूक पर रख दिया जो उसकी सत्ता को चुनौती दे सके। भारत की भावी पीढ़ी के सुनहरे भविष्य के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने एक देश एक चुनाव पर विमर्श खड़ा किया। उनका मानना है कि समय के साथ सबको बदलना चाहिए। मौजूदा समय भारत की आर्थिक प्रगति की यात्रा का है। भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है, भारत को सशक्त बनाना है तो पहला एक राष्ट्र एक चुनाव इसका आधार है। कहा कि पीएम मोदी ने इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द के नेतृत्ववाली एक उच्च-स्तरीय समिति को बनाया। और इस विषय पर देश से लेकर समाज के हर वर्ग के विचारों को संकलित करना है। पूर्व राष्ट्रपति ने एक राष्ट्र, एक चुनाव पर अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी है, जिसमें लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का प्रस्ताव है. पिछले साल सितंबर में गठित पैनल ने अन्य देशों की चुनावी प्रक्रियाओं का अध्ययन किया है, साथ ही 39 राजनीतिक दलों, अर्थशास्त्रियों और भारत के चुनाव आयोग से परामर्श भी किया है। इस बाबत करीब 18,000 पन्नों की रिपोर्ट पेश की है। लोकसभा सांसद ने रिपोर्ट के प्रमुख बिंदुओं को साझा करते हुए कहा कि एक साथ चुनाव की प्रक्रिया का पहला लाभ ये होगा कि पूरे देश की एक मतदाता सूची बनेगी। जिससे फर्जी वोट डालने की व्यवस्था खत्म होगी। जिससे चुनाव आयोग व अन्य सरकारी कार्यों में सुगमता आएगी। कहा कि इस प्रस्ताव के कई फायदे हैं जो सरकार के राजकीय कोष में कमी लाएगी, शासन में स्थिरता, मतदाता भागीदारी में वृद्धि, संसाधनों का कुशल उपयोग, नीतियों में स्थिरता, राष्ट्रीय ध्यान केंद्रित करना, सार्वजनिक जीवन में कम व्यवधान, काले धन पर अंकुश, विकास चक्र में समानता, प्रशासनिक भार में कमी, आदर्श आचार संहिता में स्थिरता, दीर्घकालिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहन, चुनाव प्रबंधन में सरलता, मतदाता जागरूकता में वृद्धि, संघवाद को मजबूत करना, निवेशक विश्वास में वृद्धि, लोकतांत्रिक जवाबदेही को मजबूत करना, प्रशासनिक नौकरशाही का राजनीति से कम संबंध, जाति, समुदाय और धार्मिक ध्रुवीकरण में कमी, चुनावी तैयारी में सुधार, सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों में व्यवधान को कम करना, राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना, चुनाव अभियानों को सरल बनाना, कानून और व्यवस्था प्रबंधन में सुधार, ईवीएम और वीवीपीएटी का बेहतर उपयोग, केंद्र और राज्य नीतियों के बीच बेहतर समन्वय तथा न्यायिक निरीक्षण को सरल बनाना हैं। इस मौके पर सी एस एन के प्राचार्य कौशलेंद्र प्रताप सिंह,महर्षि विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य चक्रेश त्रिपाठी,डॉ सुरेश अग्निहोत्री,भजन लाल गुप्ता,सजीव अग्रवाल ने भी विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ भाजपा नेता एडवोकेट इन्द्रेश्वर नाथ गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिलाध्यक्ष राम बहादुर सिंह ने किया। मुख्य रूप में मौजूद रहे पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्र, श्रीकृष्ण शास्त्री, रामकिशोर गुप्ता गुड्डू, जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह, संजय सिंह, प्रीतेश दीक्षित, सिद्ध प्रताप मौर्या, जिला महामंत्री सत्येंद्र राजपूत ,जिला मंत्री अविनाश पांडे, जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक, सह मीडिया प्रभारी परेश गुप्ता, युवा मोर्चा अध्यक्ष आकाश सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष अलका गुप्ता, सोशल मीडिया प्रमुख प्रद्युम्न मिश्रा, किसान मोर्चा अध्यक्ष विश्वराज सिंह, डॉ सुरेश अग्निहोत्री, , प्रोफेसर बी डी शुक्ला, सुभाष पांडे, कार्यसमिति सदस्य पारुल दीक्षित, व्यापारी नेता विमलेश दीक्षित ,उद्योगपति सजीव अग्रवाल, बाल किशन जिंदल, भजन लाल गुप्ता, एमवीवी प्रधानाचार्य चक्रेश त्रिपाठी, सीएसएन प्रधानाचार्य कौशलेंद्र, अनिल सिंह राजपाल सिंह ,राजीव सिंह ,अपूर्व महेश्वरी,शैलेंद्र सिंह भवानी ,अनिल श्रीवास्तव ,पीतांबर चौरसिया, शशि भूषण शुक्ला शोले ,अवध बिहारी मिश्र, भारत पांडे ,ब्लॉक प्रमुख पिहानी कुशी बाजपेई, ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र, राकेश पाण्डेय, पूर्व ब्लॉक प्रमुख समीर सिंह, राजा बख्श सिंह, राजपाल सिंह, सभासद रंजीत सिंह,राजीव सिंह आदि उपस्थित रहे।

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्वतारोही अभिनीत ने युवाओं को प्रकृति संरक्षण के प्रति किया जागरूक

चर्चित राजनीति। संवाददाता

कछौना (हरदोई)। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जिले के विख्यात पर्वतारोही अभिनीत मौर्य पर्वतारोहण क्षेत्र के साथ - साथ प्रकृति संरक्षण के लिए भी काफी सक्रिय रहते हैं, चाहे वो चोटियों पर चढ़ाई करना हो या फिर अपनी कविताओं के माध्यम से लोगों को प्रकृति संरक्षण के लिए जागरूक करना उनकी प्राथमिकता है। आज पृथ्वी दिवस के अवसर पर उन्होंने लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि पृथ्वी पर संकट बढ़ते जा रहे हैं, जैसे वनों की कटाई, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता का क्षय होना गंभीर समस्या बन चुके हैं। अगर अभी से कम नहीं उठाएंगे तो आने वाली पीढिओं के लिए पृथ्वी को बचा पाना कठिन होगा ।

इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम है कि पृथ्वी के लिए एकजुट हो, इसके लिए हम सभी को एक साथ आकर प्रकृति का संरक्षण करना पड़ेगा, जिसके लिए अभी से कुछ कदम उठाने पड़ेंगे, जैसे अधिक से अधिक पेड़ लगाए, और वनों की रक्षा करें, प्लास्टिक का प्रयोग कम करें, जल प्रदूषण को कम करें, वन्य जीव और प्राकृतिक आवासों की रक्षा करें, साथ ही पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाना जरूरी है जैसे कि स्कूल, कॉलेज और सामाजिक कार्यों में, सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा सकता है। हमारी छोटी-छोटी आदतें बड़ा बदलाव ला सकती हैं। पृथ्वी दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं यह जीवन का संकल्प है *धरती हमारी माता है उसकी रक्षा करना हम सब का धर्म है हम सभी को मिलकर आज एक प्रण लेना चाहिए कि केवल अपने लिए ही एक पेड़ अवश्य लगाना और उसकी रक्षा करना, यह छोटा सा प्रयास एक दिन बहुत बड़ा बदलाव लाएगा। प्रकृति को बचाना है खुद को बचाना है आइए इस पृथ्वी दिवस पर हम सब मिलकर यह संकल्प ले कि धरती को हर हाल में सुरक्षित और सुंदर बनाएंगे और उसे अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उसे सजाएंगे।

पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में डाइट में आरोपित औषधि वन की उपयोगिता पर चर्चा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में डायट हरदोई जैव विविधता संरक्षण हेतु डायट प्राचार्य योगेन्द्र सिंह के निर्देशन में महत्वपूर्ण गतिविधि शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उल्लिखित ÷इको क्लब फॉर मिशन लाइफ÷ के अनुरूप कराई गयी।

डायट प्रागण में एवं डायट प्रागण में बनाये गए औषधीय उपवन में रोपित सभी महत्वपूर्ण औषधीय पौधों का संक्षिप्त विवरण सहित पट्टिका लगायी गयी एवं उस पट्टिका पर उस औषधीय पौधे का समस्त विवरण संजोये एक डायनामिक एवं वर्किंग क्यू आर कोड चिपकाया गया। इस क्यू आर कोड को कोई भी अपने स्मार्ट फ़ोन से स्कैन करके उस पौधे/पेंड से सम्बंधित समस्त जानकारी प्राप्त कर सकता है। संस्थान के महिला एवं पुरुष प्रशिक्षुओं ने उपवन में क्यारियां बनाई, पौधे रोप कर उनकी सिंचाई की। चूँकि जब जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होगी तो कोई भी अपनी आवश्यता के औषधीय पौधे को अपनाकर उसका संरक्षण और वृद्धिकरण कर सकेगा। इस अवसर पर श्री योगेन्द्र सिंह द्वारा सभी से प्रकृतिगामी जीवनशैली अपनाने की अपील की गयी। इको क्लब के नोडल प्रवक्ता आनंद द्विवेदी द्वारा बताया गया कि जनपद हरदोई परिवेश में लगभग 150 औषधीय महत्त्व के पौधे उपलब्ध हैं जिन्हें वृहद कार्यक्रम चलाकर संस्थान के उपवन में रोपित करने का प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर डायट प्रवक्ता श्री पीताम्बर चौरसिया, अनीता कुमारी एवं आशा यादव सहित समस्त प्रवक्ता मौजूद रहे।

माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः, पृथ्वी हमारी माता है, मैं पृथ्वी का पुत्र हूं

हरदोई, चसं। पृथ्वी दिवस एक वार्षिक आयोजन है जिसे बाइस अप्रैल को दुनिया के लगभग दो सौ देशों में पर्यावरण संरक्षण के लिए आयोजित किया जाता है। शहीद उद्यान स्थित कायाकल्पकेन्द्रम् में मंगलवार को विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सीनियर नेचरोपैथ डॉ. राजेश मिश्र ने कहा कि माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः। पृथ्वी हमारी माता है, मैं पृथ्वी का पुत्र हूं। वे कोरी भाषणबाजी में विश्वास नहीं रखते, पहले करते हैं, उसके बाद में बोलते हैं। आगे कहा कि उन्होंने प्रकृति और पर्यावरण के लिए अपना जीवन होम कर दिया। बताया उनके शरीर से जो गंदगी निकलती है, बस उतने ही प्रदूषण के जिम्मेदार हैं। उसके बदले में नित्य दोनों समय यज्ञ करके उसकी कई गुना भरपाई कर देते हैं। वाहन कोई खरीदा नहीं, क्षेत्र संन्यास में अधिक रहते हैं। आवश्यकताएं कम हैं, प्रकृति के निकट रहना पसन्द करते हैं। पैतृक बाग में पुराने वृक्षों का संरक्षण किया। पर्यावरण के लिए उपयोगी पीपल, बरगद आदि के पौधे जगह-जगह रोपित किए। डॉक्टर मिश्र ने कहा कि कृषक ही धरती माता के असली पुत्र है। वे मरुभूमि को हरा-भरा बना देते हैं। वे पौधरोपण करके उनकी सेवा करके उन्हें बड़ा करते हैं। यदि उनमें से कोई वृक्ष सूख जाए तो काट नहीं सकते। सम्बन्धित अधिकारी की जी-हजूरी करने के बाद ही उसे काट सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार कानून में संशोधन करे तो पर्यावरण के लिए उपयोगी वृक्ष बड़ी संख्या में लग जाएंगे। कहा वातानुकूलित कमरों में बैठकर पर्यावरण संरक्षण की बातें तो की जा सकती हैं लेकिन काम नहीं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि लचीला कानून बनाकर कृषकों को जी-हजूरी से छुटकारा दिलाएं तो बात बनेगी। कहा सुयोग्य पुत्र ही धरती माता की सेवा करके उसे स्वस्थ बनाएंगे। डॉ अभिषेक पाण्डेय, डॉ सरल कुमार, गोविन्द गुप्ता, शिवकुमार, मनोज मिश्र, दीपाली, अनामिका, रेखा उपस्थित रहे।

सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उप्र में पांच सूत्री मांग पत्र डीएम को सौंपा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। फाइनेंसियल बिल 2025 में पेंशनरी नियमों के बदलाव व अन्य तरीकों से देश के करोड़ों कर्मचारियो, शिक्षकों एवं पेंशनरों के हितों पर हो रहे कुठारा घात के निवारण के संबंध में पांच सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया।

ज्ञापन में फाइनेंसियल बिल 2025 के माध्यम से पेंशनरी नियमों में किए गए बदलाव को तत्काल निरस्त किए जाने ,केंद्रीय आठवें वेतन आयोग के गठन की कार्रवाई पूर्ण कर उसके नियम एवं शर्तों में पेंशन के पुनरीक्षण का विषय संदर्भित किया जाने, पेंशनरों की पेंशन राहत का शासनादेश कर्मचारियो ,शिक्षकों के महंगाई भत्ते के शासनादेश की तिथि को ही जारी किया जाए ,देश में एनपीएस और यूपीएस की व्यवस्था के स्थान पर कर्मचारी एवं शिक्षकों को परिभाषित लाभ योजना ओपीएस प्रदान किया जाए।

पेंशन के राशिकरण की हो रही कटौती 15 वर्षों से घटकर 10 वर्ष लाई जाए। उक्त ज्ञापन सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन और शिक्षक महासंघ उत्तर प्रदेश के संयुक्त बैठक में दिया गया। इसमें मुख्य रूप से एसपी सिंह अध्यक्ष, गजेंद्र पाल सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, एसके मिश्रा राही जिला मंत्री, राजीव मिश्रा अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षक संघ, किशन चौरसिया मंत्री, शिव शंकर पांडे प्रांतीय कोषाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ, अक्षत पांडे अध्यक्ष, मंत्री वीके सिंह, कामिनी श्रीवास्तव, गुड्डी देवी, अहमद अली सिद्दीकी, डॉक्टर एसके सिंह ,डॉक्टर सी के गुप्ता, ओमप्रकाश मिश्रा, राजेंद्र सिंह, रामलली मिश्रा, चंद्रहास द्विवेदी, चेतराम दोहरे आदि सदस्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। संचालन जिला मंत्री एसके मिश्रा राही द्वारा किया गया।

गर्भपात के बाद महिला की मौत, जबरन गर्भपात करने का आरोप

हरदोई, चसं। जिले के मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के सथरा गांव में एक महिला की गर्भपात के बाद मौत हो गई। मृतका रेखा देवी (32) पहले से तीन बेटियों की मां थी। मायके पक्ष का आरोप है कि चौथी बार भी बेटी होने के शक में ससुराल वालों ने जबरन गर्भपात कराया।

रेखा के पिता उमाशंकर ने बताया कि ससुराल वाले बेटियों को लेकर नाखुश थे। इस बार भी गर्भ में बेटी होने की आशंका जताकर गर्भपात के लिए दबाव बना रहे थे।

आरोप है कि परिवार वाले उसे एक प्राइवेट अस्पताल ले गए। वहां गर्भपात के दौरान उसकी हालत बिगड़ गई और इलाज के दौरान मौत हो गई।

मायके पक्ष का कहना है कि रेखा को समय पर उचित इलाज नहीं मिला। मौत की खबर मिलते ही मायके वालों ने सथरा पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। मल्लावां पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश है।

गांव में लोग बेटा-बेटी के भेदभाव पर नाराजगी जता रहे हैं। पुलिस ने कहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मेडिकल जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

श्री देव दरबार आश्रम इंटर कॉलेज रोड पर कराए गए नाले के निर्माण में अनियमितता का आरोप

हरदोई, चसं। सांडी नगर पालिका द्वारा श्री देव दरबार आश्रम इंटर कॉलेज रोड पर कराए गए नाले के निर्माण में बड़ी लापरवाही सामने आई है। नगर पालिका ने ठेकेदार से 500 मीटर लंबे नाले का निर्माण कराया था। यह नाला मानकों के विपरीत सड़क से डेढ़ फीट ऊंचा बनाया गया है। स्थानीय निवासियों ने इस निर्माण को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि बरसात के मौसम में यह नाला बड़ी समस्या बन सकता है। सड़क पर पानी भर जाने की आशंका है। पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष श्याम जी शर्मा ने इस मामले की शिकायत जिला अधिकारी हरदोई से की। शिकायत के बाद कराई गई जांच में निर्माण मानकों के विपरीत पाया गया। नगर पालिका के अधिशासी अभियंता संतोष कुमार ने बताया कि ठेकेदार का भुगतान रोक दिया गया है। साथ ही नाले को तोड़ने के निर्देश भी दे दिए गए हैं। इस निर्माण पर लाखों रुपये खर्च किए गए थे।

दो अज्ञात युवको पर टप्पेबाजी की रिपोर्ट

हरपालपुर /हरदोई, चसं। हरपालपुर-पलिया मार्ग पर रविवार को ई रिक्शा से जा रहे एक युवक की जेब से दो अज्ञात युवक 28 हजार रुपए उड़ाकर फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर दो अज्ञात युवको पर टप्पेबाजी की रिपोर्ट दर्ज करयी गयी है। कन्नौज जनपद के गुरसहायगंज निवासी रविंद्र कुमार पुत्र स्व बाबूराम दुबे की ओर से दर्ज करायी गयी रिपोर्ट में बताया कि वह सोमवार को ई-रिक्शा पर सवार होकर अरवल थाना क्षेत्र के चंद्रमपुर में अपनी बहन के घर जा रहा था तभी हरपालपुर-पलिया मार्ग पर एक बाइक पर सवार दो युवक पीछा कर रहे थे। एक युवक उतरकर ई-रिक्शा पर बैठ गया। उसने 28000 रुपए जेब काटकर निकाल कर फरार हो गया।पीड़ति युवक की तहरीर पर पुलिस ने दो अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।प्रभारी निरीक्षक बालकृष्ण मिश्र ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

गुमटी में लगी आग से हजारों का नुकसान

हरपालपुर/हरदोई, चसं। हरपालपुर कस्बा निवासी रामकिशोर की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के गेट पर चाय पकौड़ी की गुमटी रखे हुए था। सोमवार की रात अज्ञात कारणो से लगी आग से उसमें रखी नगदी समेत हजारों रुपए का सामान जलकर राख हो गया है। गुमटी में रख गैस सिलेंडर की वजह से किसी ने आग बुझाने का प्रयास नहीं किया। घटना की सूचना पुलिस एवं फायर ब्रिगेड को दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना की जानकारी राजस्व विभाग को दे दी गई है।

पति सहित तीन पर दहेज उत्पीड़न और मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद/हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिलहरी निवासी विवाहिता ने पति और जेठ के विरुद्ध दहेज की मांग को लेकर मारपीट कर घायल करने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है।पुलिस ने मामले को जांच शुरू की है।विवाहिता मंजू पत्नी अनूप के अनुसार उसका विवाह छह वर्ष पूर्व अनूप पुत्र हरिश्चंद्र के साथ हुआ था।विवाह के बाद से ही पति और उसके जेठ पंकज व अनुज आएदिन उसके साथ मारपीट करते हैं।13 अप्रैल को सुबह दस बजे अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर विपक्षियों ने उसे डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया।उसे सीएचसी शाहाबाद ले जाया गया।जहां डाक्टरों ने उसे इलाज के लिए एंबुलेंस से हरदोई जिला अस्पताल रेफर कर दिया।हरदोई में इलाज करवाने के बाद उसने आरोपियों के विरुद्ध लिखित तहरीर कोतवाली पुलिस को दी।प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश राय ने बताया विवाहिता की तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

हरदोई, चसं। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के मानपुर पेट्रोल पंप के निकट अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत के मामले में पुलिस मृतका के पति की लिखित तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।मृतका के पति सांडी थाना क्षेत्र के ग्राम बरौली निवासी बलवीर के अनुसार वह 17 अप्रैल की शाम को अपनी 44 वर्षीय पत्नी गुड्डू देवी व पुत्र पुष्पेंद्र के साथ बाइक द्वारा सांडी शाहाबाद मार्ग से शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बक्शीपुर जा रहा था। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के मानपुर पेट्रोल पंप के निकट किसी अज्ञात वाहन चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी।जिससे तीनों बाइक सवार घायल हो गए।राहगीरों ने तीनों को 108 एंबुलेंस से हरदोई जिला अस्पताल भिजवाया।जिला अस्पताल में डाक्टरों द्वारा उसकी पति गुड्डू देवी को।मृत घोषित कर दिया गया।उसका व उसके पुत्र का इलाज किया गया।सूचना पर कोतवाली शहर पुलिस ने उसकी पत्नी के शव का पोस्टमार्टम करवाया है।मृतका के पति की लिखित तहरीर के आधार पर बेहटा गोकुल पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जनपद न्यायाधीश ने किया संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण

हरदोई, चसं। जनपद न्यायाधीश सुशील शुक्ला ने राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने किशोरों के शयन कक्ष की व्यवस्थाओं को देखा और व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में उनसे संवाद किया। पुस्तकालय के निरीक्षण के दौरान उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुस्तकालय में रचनात्मक पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। भोजनालय के निरीक्षण में उन्होंने कहा कि किशोरों को रोस्टर के अनुसार पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाये। रसोई में साफ सफाई का पूरा ध्यान रखा जाये। उन्होंने बाउंड्री वाल के निर्माण कार्य को देखा तथा निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को निर्धारित सीमा में गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए पूर्ण किया जाये। इस आवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा, सीजेएम, नगर मजिस्ट्रेट, सीओ सिटी व प्रभारी अधीक्षक आदि उपस्थित रहे।

संचारी रोग नियंत्रण, दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित

हरदोई, चसं। साल के प्रथम विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा बैठक विवेकानंद सभागार कलेक्ट्रेट हरदोई में मुख्य चिकित्साधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई । कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के शत प्रतिशत बच्चों को शिक्षकों द्वारा मच्छरों रोग जनित बीमारियों से बचाव के बारे में जागरूक किया गया । राज्य स्तर से प्राप्त दस्तक एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान में जिले की रैंकिंग अधिकतर बिन्दुओं में राज्य औसत से अधिक रही है । आशाओं द्वारा घर-घर भ्रमण करते हुए स्टीकर चिपकाने में राज्य औसत से कुछ कम अंक प्राप्त हुए हैं । इस संबंध में बैठक में उपस्थित सभी अधीक्षक/ प्रभारी चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि आशाओं को कार्यक्रम हेतु उत्तरदायी बनाए अभियान मे कोई कोताही न बरतें। टीबी, कुष्ठरोग, बुखार के रोगियों को एएनएम आशा के माध्यम से ईकवच पोर्टल पर पंजीकृत कराते हुए आवश्यक सेवाएं उपलब्ध करायें। आयुष्मान एकाउंट नं(आभा आई डी) की जिले में की उपलब्धि कम है इसलिए संचारी रोग अभियान में एक अभियान चलाकर आभा आई डी बनाने का कार्य पूर्ण करें।

संक्षिप्त समाचार

सांसद खेल महाकुम्भ-2025 का समापन मुकेश शर्मा ने प्रतिभागियों को बांटे पुरस्कार

लखनऊ, चसं। रक्षा मंत्री एवं सांसद लखनऊ राजनाथ सिंह की प्रेरणा से लखनऊ में आयोजित भव्य सांसद खेल महाकुंभ 2025 के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा ने प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि वितरित की। इस अवसर पर विधायक अमरेश जी, सीडीओ अजय जैन, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश पांडे , क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अनिमेष सक्सेना, मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार कर रहा देश का कोयला क्षेत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, देश का कोयला क्षेत्र 'आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। 11 दौर में 125 कोयला खदानों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है। इससे लगभग 40,900 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है और 4 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। कोयला मंत्रालय ने घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाने और भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के अपने निरंतर प्रयासों में अब वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी की 12वीं किस्त शुरू कर दी है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि 12वीं किस्त के साथ, अतिरिक्त 28 कोयला और लिग्नाइट ब्लॉकों की नीलामी की जा रही है, जिससे आयातित कोयले पर भारत की निर्भरता कम होगी और विदेशी मुद्रा का संरक्षण होगा। मंत्री ने कहा, नीलामी की पारदर्शी प्रक्रिया ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों को प्राइवेट प्लेयर्स के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रेरित किया गया है, परिणामस्वरूप अधिक दक्षता, सुधार को बढ़ावा मिला है। यह बदलाव भारत के कोयला क्षेत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धी क्षमता को भी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

फलों के निर्यात में वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले पांच वर्षों में फलों के निर्यात में जबरदस्त वृद्धि देखने के बाद सरकार नए बाजारों की तलाश कर रही है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के अनुसार, यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से यूएई और ऑस्ट्रेलिया को फलों के निर्यात में क्रमशः 27 प्रतिशत और 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा को बताया, मुक्त व्यापार समझौते से भारत द्वारा यूएई को निर्यात बढ़ाने में मदद मिली है, जहां फलों के निर्यात में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और ऑस्ट्रेलिया को फलों के निर्यात में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले पांच वर्षों में भारत के फलों के निर्यात में 47.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मंत्री ने कहा कि सरकार इन निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए, कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करते हुए गुणवत्ता को लेकर आश्वासन और नए बाजारों की खोज पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा, देश से जाने वाला कोई भी उत्पाद ब्रांड इंडिया और भारत का नाम है, इसलिए, विदेशों में भेजे जाने वाले उत्पादों और फलों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है।

सेंसेक्स 1000 अंक से ज्यादा उछलकर 79,581 पर पहुंचा, निफ्टी भी 24,000 के पार

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजार में आज (21 अप्रैल) तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 1023 अंक से ज्यादा की तेजी के साथ 79,581 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 325 अंक की तेजी है, ये 24,177 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं बैंक निफ्टी नए रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है। बैंक निफ्टी ने पहली बार 55,000 को पार किया। बैंक निफ्टी में करीब 900 अंकों की तेजी है। आज आईटी और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा बढ़त है। वहीं एफएमसीजी और ऑटो शेयर्स दबाव में कारोबार कर रहे हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा घोषित 90 दिनों की अस्थायी टैरिफछूट से भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत को गति मिलने की संभावना है। अमेरिका ने यह टैरिफराहत केवल भारत को दी है, जबकि चीन को इससे बाहर रखा गया है। इससे अल्पकालिक रूप में भारतीय निर्यातकों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिल सकती है।

सोने की कीमतों में बड़ा उछाल, चांदी भी 95,600 के पार

मुंबई, एजेंसी। सोने-चांदी की लगातार बढ़ रही कीमतों में आज भी तेजी जारी है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार (21 अप्रैल) को एमसीएक्स पर सोने का भाव 96,423 रुपए के लेवल पर है जबकि चांदी की कीमत 95,625 रुपए के आसपास कारोबार कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोना 3,347 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 3,328.40 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 67.40 डॉलर की तेजी के साथ 3,395.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव आज 3,397.60 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। ब्वज्मह पर चांदी के वायदा भाव 32.44 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 32.47 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.19 डॉलर की तेजी के साथ 32.66 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। अमेरिका की टैरिफनीति के चलते वैश्विक व्यापार तनाव (ट्रेड वॉर) गहराने लगा है। इसका असर वैश्विक आर्थिक विकास पर पड़ सकता है। मंदी की आशंका के चलते निवेशक सुरक्षित विकल्प की ओर रुख कर रहे हैं।

एलएसजी दिल्ली से नहीं कर पाया हिसाब बराबर

चर्चित राजनीति। संवाददाता

> केएल राहुल अंत तक टिके रहे और कप्तान अक्षर पटेल के साथ नाबाद लौटे। राहुल ने 42 गेंदों पर 57 रन बनाए जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल रहे और नाबाद लौटे। इस दौरान उन्होंने अपने पांच हजार आईपीएल रन भी पूरे किए। वह आईपीएल में सबसे तेज पांच हजार रन पूरा करने वाले खिलाड़ी बने।

लखनऊ। गेंदबाजों की शानदार वापसी और फिर केएल राहुल- अभिषेक पोरेल के शानदार अर्धशतकों के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने मंगलवार को आईपीएल-2025 के मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स को आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ लखनऊ की दिल्ली से बदला लेने का सपना भी टूट गया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में छह विकेट खोकर 159 रन बनाए। दिल्ली ने ये टारगेट 17.5 ओवरों में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। लखनऊ के लिए एडेन मार्करम ने 33 गेंदों पर दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 52 रन बनाए। मिचेल मार्श ने 36 गेंदों पर 45 रन बनाए। जब तक ये दोनों क्रीज पर थे तब तक लखनऊ 200 के पार जाती दिख रही थी, लेकिन फिर दिल्ली के गेंदबाजों ने शानदार वापसी की और लखनऊ को कम स्कोर पर रोक दिया। दिल्ली को अच्छी शुरुआत नहीं मिली। चौथे ओवर की चौथी गेंद पर करुण नायर को एडेन मार्करम ने आउट कर दिया। उन्होंने नौ गेंदों पर 15 रन बनाए जिसमें दो चौके और एक छक्का मारा। इसके बाद अभिषेक पोरेल और केएल राहुल ने शानदार साझेदारी कर दिल्ली की जीत पक्की कर दी। दोनों ने टीम का स्कोर 105 तक पहुंचाया। यहीं मार्कमर ने अभिषेक को आउट कर दिया। वह 36 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाने में सफल रहे।

राहुल ने जिताया मैच : केएल राहुल अंत तक टिके रहे और कप्तान अक्षर पटेल के साथ नाबाद लौटे। राहुल ने 42 गेंदों पर 57 रन बनाए जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल रहे और नाबाद लौटे। इस दौरान उन्होंने अपने पांच हजार आईपीएल रन भी पूरे किए। वह आईपीएल में सबसे तेज पांच हजार रन पूरा

करने वाले खिलाड़ी बने। राहुल ने ये काम 130 पारियों में किया। डेविड वॉर्नर ने 135 पारियों में इतने रन बनाए थे। अब राहुल उनसे आगे निकल गए हैं। कप्तान पटेल ने 20 गेंदों पर एक चौके और चार छक्कों की मदद से नाबाद 34 रन बनाए। इसके पहले इकाना स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। एडेन मार्करम और मिचेल मार्श ने क्रीज पर पहुंचते ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी शुरू की। लखनऊ ने पावरप्ले में बिना कोई विकेट गंवाए 51 रन बनाए, जिसमें मार्करम का अहम योगदान रहा। इसी बीच, दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने 30 गेंदों पर दो चौके और तीन छक्कों की मदद से लगातार दूसरा अर्धशतक पूरा किया। दुश्मांता चमीरा की गेंद को मिडविकेट के ऊपर से छक्का मारने के प्रयास में मार्करम बाउंड्री लाइन पर स्टब्स के हाथों लपके गए। मिचेल मार्श अर्धशतक तो नहीं पूरा कर पाए, लेकिन उन्होंने 36 गेंदों पर तीन चौके व एक छक्के की मदद से उपयोगी पारी जरूर खेली। मार्श को मुकेश को बोल्ड किया। आईपीएल में अभी तक मिचेल स्टार्क और निकोलस पूरन के बीच सात बार भिड़ंत हो चुकी है, जिसमें स्टार्क ने पांचवीं बार कैरेबियाई बल्लेबाज को पवेलियन की राह दिखाई। शुरुआत के छह मैचों में चार अर्धशतक की मदद से शानदार प्रदर्शन करने वाले पूरन का बल्ला लगातार तीसरे मुकाबले में खामोश रहा। इकाना में चेन्नई के खिलाफ आठ, राजस्थान से मैच में 11 और अब दिल्ली से मुकाबले में सिर्फ नौ रन बना सके।

आखिरी दो गेंद खेलने आए पंत : लखनऊ सुपर जायंट्स ने 14 ओवर में चार विकेट पर 110 रन बनाए थे। मार्श के आउट होने के बाद ऋषभ पंत का क्रीज पर आना तय माना जा रहा था, लेकिन कोच और मेंटर ने खराब फॉर्म से जूझ रहे कप्तान पर आयुष बडोनी को तरजीह दी। पिछले मुकाबलों की तरह बडोनी ने इस मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने अपनी छोटी पारी में छह चौके जड़े। हालांकि, बीच के ओवरों में लखनऊ तेजी से रन बनाने में विफल रहा। एक समय ऐसा लग रहा था कि मेजबान आसानी से 175-180 रन का स्कोर बना लेंगे, लेकिन धीमी बल्लेबाजी के चलते ऐसा नहीं हो सका। बडोनी जब आउट हुए तो पंत को सिर्फ दो गेंद खेलने के लिए मिली, उस पर भी कप्तान कोई रन नहीं बना पाए और पुराना शॉट खेलकर आउट हो गए। लखनऊ के कप्तान अभी तक कुल नौ मैचों की आठ पारियों में सिर्फ 106 रन ही जोड़ पाए हैं।

बहाने नहीं बना सकते : लखनऊ सुपरजायंट्स को मंगलवार को अपने होमग्राउंड इकाना स्टेडियम पर दिल्ली कैपिटल्स के हाथों 13 गेंदें शेष रहते 8 विकेट की शिकस्त मिली। लखनऊ की मौजूदा सीजन में यह चौथी हार रही। मैच के बाद कप्तान ऋषभ पंत ने लखनऊ की हार का प्रमुख कारण बताया। ऋषभ पंत ने मैच के बाद प्रसारणकर्ता से बातचीत में कहा, हम 20 रन पीछे रह गए। टॉस ने बड़ी भूमिका अदा की। जो भी पहले गेंदबाजी कर रहा था, उसे पिच से काफी मदद मिली। हम बड़ी साझेदारी करने में नाकाम रहे। लखनऊ में हमेशा ऐसा ही होता है। दूसरी पारी में पिच बेहतर हो जाती है। बातों-बातों में पंत ने अपने बल्लेबाजों पर हार का ठीकरा फोड़ा। उन्होंने आगे कहा, इसी तरह पिच का रवैया रहा कि दूसरी पारी में बल्लेबाजों को मदद मिली। हम कोई बहाना नहीं बना सकते, लेकिन इससे सीख ले सकते हैं। लखनऊ ने आयुष बडोनी को इंपैक्ट खिलाड़ी के रूप में आजमाया और मैच के बाद पंत ने इसका कारण बताया।

केएल राहुल बने नम्बर वन : दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल-2025 में एक बार फिर लखनऊ सुपरजायंट्स को हरा दिया। दिल्ली की इस जीत में अहम किरदार निभाया केएल राहुल ने। राहुल ने शानदार अर्धशतक जमाया और अंत तक टिके रहते हुए टीम को जीत दिलाकर नाबाद लौटे। इस पारी के दौरान राहुल ने एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया और ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज को पीछे छोड़ते हुए नंबर-1 बन गए। राहुल ने 42 गेंदों पर तीन चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 57 रनों की पारी खेली। उनके अलावा अभिषेक पोरेल ने 36 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाए। राहुल ने पोरेल के साथ मिलकर 69 रनों की साझेदारी की। राहुल ने अर्धशतकीय पारी के दौरान आईपीएल में अपने पांच हजार रन पूरे किए। 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर एक रन लेकर राहुल ने अपने पांच हजार रन पूरे किए और इसी के साथ वह आईपीएल में सबसे तेज पांच हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ा। वॉर्नर ने 135 पारियों में इतने रन बनाए थे। राहुल ने यहां तक आने के लिए 130 पारियां ली। राहुल ने ये मुकाम लखनऊ के इकाना स्टेडियम में नाम किया। ये वही मैदान और वही टीम है जिसकी कप्तानी

■ दिल्ली ने लखनऊ को दी मात

बीते तीन साल तक राहुल के हाथों में थी और दो सीजन वह टीम को प्लेऑफ में भी ले गए थे। वह इस मैदान को अच्छे से जानते हैं और इसका उन्हें फायदा भी मिला। लखनऊ की टीम एक समय आसानी से 200 के आसपास का स्कोर बनाते हुए दिख रही थी। एडेन मार्करम और मिचेल मार्श ने लखनऊ को अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़े। जब तक ये दोनों थे लखनऊ की टीम मजबूत लग रही थी, लेकिन जैसे ही ये जोड़ी आउट हुई लखनऊ की टीम बिखर गई। मार्करम ने 33 गेंदों पर दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 52 रन बनाए। मार्श ने 36 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के की मदद से 45 रन बनाए।

राजस्थान रॉयल्स ने की मैच फिक्सिंग? फ्रेंचाइजी ने दी सफाई : आईपीएल-2025 में राजस्थान रॉयल्स एक बार फिर मैच फिक्सिंग की खबरों से घिर गई है। इस फ्रेंचाइजी पर मैच फिक्स करने के आरोप लग रहे हैं। लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ खेले गए मैच में कुछ ऐसा हुआ था कि जिसके बाद फ्रेंचाइजी सवालों के घेरे में आ गई। नौबत यहां तक आ गई कि अब फ्रेंचाइजी को सफाई पेश करनी पड़ी है। लखनऊ के खिलाफ मैच के बाद राजस्थान क्रिकेट संघ की एडहॉक कमेटी के कन्वेनर जयदीप भिहानी ने दो रनों से मिली हार पर सवाल खड़े किए थे। भिहानी न कहा था कि मैच का परिणाम सवाल खड़े करता है और उन्होंने इससे छेड़छाड़ की भी बात कही थी। इस मामले में अब फ्रेंचाइजी ने राज्य के मुख्यमंत्री, खेल मंत्री, खेल सचिव को शिकायत दर्ज कराई है और भिहानी के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है। टीम के सीनियर ऑफिशियल दीप रॉय ने भिहानी के आरोपों को गलत, आधारहीन और बिना किसी सबूत के आधार पर लगाए गए आरोप बताए हैं। भिहानी ने इस संबंध में एक पत्र लिखा था जिसमें उन्होंने न सिर्फ टीम के प्रदर्शन पर सवाल उठाए थे बल्कि राजस्थान रॉयल्स, राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल और बीसीसीआई पर आरसीए की एडहॉक कमेटी को साइडलाइन करने के आरोप लगाए थे। फ्रेंचाइजी ने इन आरोपों का मजबूती से खंडन किया है। फ्रेंचाइजी ने बयान में कहा, ÷एड हॉक कमेटी के कनवेनर ने जो आरोप लगाए हैं हम उन सभी को सिरे से खारिज करते हैं। इस तरह के सार्वजनिक बयान सिर्फ गुमराह करने वाले नहीं बल्कि राजस्थान रॉयल्स, रॉयल मल्टी स्पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल और बीसीसीआई की विश्वसनीयत और साख को नुकसान पहुंचाते हैं। रॉयल्स ने सफाई देते हुए कहा कि वह राज्य सरकार के मार्गदर्शन में काउंसिल और बीसीसीआई के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि टूर्नामेंट का सफल आयोजन किया जा सके। राजस्थान फ्रेंचाइजी पहले भी मैच फिक्सिंग के आरोपों में फंस चुकी है और दो साल का बैन झेल चुकी है। साल 2013 में राजस्थान के लिए खेलने वाले एस श्रीसंत, अजीत चंडीला और अंकित चव्हाण को स्पॉट फिक्सिंग का दोषी पाया गया था। इसी कारण टीम पर दो साल का बैन लगा था। साल 2016 और 2017 में टीम पर बैन लगा था। साल 2017 में टीम ने वापसी की थी।

अमित मिश्रा ने मीडिया को दी चेतावनी : आईपीएल के पूर्व खिलाड़ी अमित मिश्रा पर हाल ही में उनकी पत्नी गरिमा ने प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। इस मामले पर अब पहली बार पूर्व भारतीय क्रिकेटर अमित मिश्रा ने चुप्पी तोड़ी हैं। बता दें कि जिस अमित मिश्रा पर घरेलू हिंसा का मामला दर्ज हुआ हैं वह यूपी के लिए रणजी ट्रॉफी खेल चुके हैं, लेकिन हर कोई उन्हें कानपुर के अमित मिश्रा समझ रहा हैं। इस कंफ्यूज को भारत के अनुभवी अमित मिश्रा ने क्लियर किया। उन्होंने एक्स पर एक लंबा पोस्ट शेयर करते हुए इन खबरों को लेकर निराशा जाहिर की। अमित मिश्रा ने मीडिया को वॉर्निंग दी हैं कि वह उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल न करें, वरना उन्हें कानूनी कार्रवाई लेनी पड़ेगी। दरअसल, जिस अमित मिश्रा पर उनकी पत्नी ने घेरलू हिंसा का केस लगाया हैं, वह लेग स्पिन गेंदबाजी करते हैं और आईपीएल में वह राजस्थान रॉयल्स के लिए खेले हैं। मौजूदा समय में वह क्रिकेट मैचों से दूर हैं और कानपुर में ही भारतीय रिजर्व बैंक में कार्यरत हैं। अमित को हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा हैं। 26 अप्रैल 2021 में अमित ने गरिमा से शादी की थी। अब शादी के 4 साल बाद उनकी पत्नी ने उन पर घरेलू हिंसा के आरोप लगाए और कहा कि उन्होंने दहेज में होंडा सिटी कार और 10 लाख रुपये के लिए उन्हें तंज किया। इस पर वह पति के साथ किदवई नगर आरबीआई कॉलोनी आकर रहने लगीं। वहां भी ससुरालियों का हस्तक्षेप होता रहा। गरिमा ने ये आरोप लगाया कि अमित ने कई बार उन्हें मारा-पीटा भी और दिन भर कभी-कभी भूखा भी रखा। अमित मिश्रा की पत्नी ने ये भी आरोप लगाए कि वह दूसरी लड़कियों से फोन पर उल्टी सीधी बातें करते थे, जिसका जब उन्होंने विरोध किया तो दिसंबर 2024 में पति ने उन्हें घर से निकाल दिया। तब से गरिमा अपने मायके में रहे रही हैं। अमित ने अपने एक्स पर लिखा, मुझे मीडिया द्वारा प्रसारित की जा रही खबर देखकर काफी निराशा हो रही हैं। मैंने हमेशा से मीडिया का सम्मान किया है, लेकिन भले ही खबर सच हो, लेकिन जो तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया हैं, वह मेरी हैं- जो पूरी तरह से गलत है। मेरी इमेज का यूज करना बिना मुझसे संबंधित कहानियों के लिए ये गलत है और इसे तुरंत बंद कीजिए। वरना मुझे कानूनी कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। बता दें कि क्रिकेटर अमित मिश्रा का नाम एक जैसा होने के चलते कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में लेग स्पिनर अमित मिश्रा की तस्वीर लगा दी गई, जबकि खबर यूपी के लिए रणजी ट्रॉफी खेल चुके कानपुर के अमित मिश्रा से जुड़ी थी। इस मामले पर अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने सफाई दी और उन मीडिया रिपोर्ट्स को वॉर्निंग दी हैं कि वह गलत तस्वीर न लगाएं।

सीनियर एशियाई कुश्ती में मनीषा का रहा दबदबा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

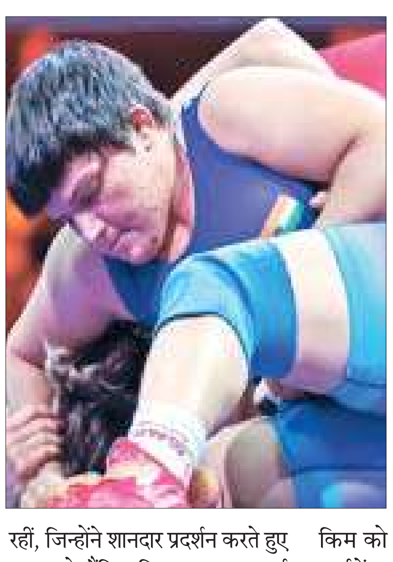

अम्मान (जॉर्डन)। भारतीय महिला पहलवानों ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा, क्योंकि मनीषा ने देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता, जबकि अंतिम पंघाल ने शुक्रवार को यहां 2025 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा में वापसी करते हुए कांस्य पदक जीता। जॉर्डन की राजधानी में आयोजित इस प्रतियोगिता का तीसरा दिन भारतीय कुश्ती के लिए ऐतिहासिक दिन साबित हुआ, क्योंकि भारतीय महिला कुश्ती टीम ने एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता, जिससे भारत के कुल पदकों की संख्या 1 स्वर्ण, 1 रजत और 5 कांस्य हो गई। दिन का मुख्य आकर्षण मनीषा (62 किग्रा) रहीं, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को चैंपियनशिप का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। उन्होंने कुछ सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों को हराकर फाइनल तक अपना दबदबा बनाया। कजाकिस्तान की टाइनिस डुबेक (विश्व रैंकिंग 9) को 11-0 से हराने के बाद, विश्व रैंकिंग में नंबर 10 भारतीय ने कोरिया की हनबिट ली को हराया, इसके बाद 2023 एशियाई चैंपियन कलमीरा बिलिमबेकोवा को 5-1 से हराया। एक करीबी मुकाबले में, मनीषा ने डीपीआर कोरिया की ओक जे किम को 8-7 से हराकर भारत को टूर्नामेंट का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। इस बीच, 2024 पेरिस ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी कर रही अंतिम पंघाल (53 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीन की जिन झांग (2024 विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता) पर 10-6 से जीत के साथ जोरदार शुरुआत की।

हालांकि, उन्हें सेमीफाइनल में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, जहां वह जापान की मो कियूका (विश्व चैंपियन) से 10-0 से हार गईं। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बयान में कहा, कल से शुरू होने वाली फ्रीस्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता के साथ, भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को भारतीय दल से अधिक पदक और मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद है।

नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता में खेलने भारत आएंगे कई अंतरराष्ट्रीय सितारे

नयी दिल्ली, एजेंसी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने यह खुलासा किया है कि कई अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक खिलाड़ी ष्नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। यह प्रतियोगिता 24 मई को बेंगलुरु में होगी।यह प्रतियोगिता एनसी क्लासिक के नाम से जानी जाएगी और इसे वर्ल्ड एथलेटिक्स की ए श्रेणी में रखा गया है। इसका मतलब है कि इसमें अच्छा प्रदर्शन करने पर खिलाड़ियों को ऊंचे स्तर के रैंकिंग अंक मिलेंगे, जैसे कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड प्रतियोगिता में मिलते हैं। नीरज चोपड़ा के नाम से आयोजित इस प्रतियोगिता में दुनिया भर के एलीट महिला और पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी पहली बार भारत में हिस्सा लेंगे। जेएसडब्ल्यू द्वारा आयोजित एक वर्चुअल प्रेस मीट में नीरज ने बताया कि ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और दो बार के विश्व चौंपियन) और केन्या के जूलियस येगो (रियो ओलंपिक के रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व चौंपियन) भारत आ रहे हैं। नीरज ने आईएएनएस के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, एंडरसन पीटर्स (ग्रेनेडा), जूलियस येगो (केन्या), कर्टिस थॉम्पसन (अमेरिका), थॉमस रोलर जैसे कई खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। कुछ नाम अभी बताए हैं, बाकी बाद में बताएंगे। भारत के खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे, मैंने रोहित यादव से बात की है। यह प्रतियोगिता विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप (13 से 21 सितंबर, टोक्यो) के लिए क्वालीफाई करने का एक महत्वपूर्ण मौका भी होगी।

हालांकि नीरज खुद पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं। नीरज ने बताया, हम कम से कम 4-5 भारतीय खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश कर रहे हैं। यह एक गोल्ड-लेवल प्रतियोगिता है, जिसमें अच्छा प्रदर्शन करने से उन्हें वर्ल्ड चौंपियनशिप में क्वालीफाई करने के लिए रैंकिंग अंक मिलेंगे। जब पाकिस्तान के ओलंपिक चौंपियन अरशद नदीम के आने के बारे में पूछा गया तो नीरज ने बताया, हमने अरशद नदीम को भी आमंत्रण भेजा है, लेकिन अभी तक उनकी ओर से कोई पुष्टि नहीं मिली है। पहले यह प्रतियोगिता हरियाणा के पंचकूला में ताऊ देवी लाल स्टेडियम में होने वाली थी, लेकिन अब इसे बेंगलुरु के श्री कांतिरावा स्टेडियम में किया जाएगा। नीरज ने कहा, हरियाणा के स्टेडियम में रोशनी की सुविधा प्रसारण के लिए पर्याप्त नहीं थी। वहां की लाइटिंग 600 लक्स थी, जबकि हमें उससे ज्यादा की जरूरत थी और समय कम था।

भारत में सीमेंट की मांग में 7.5 प्रतिशत की हो सकती है बढ़ोतरी!

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में सीमेंट सेक्टर की वृद्धि दर 6.5 से 7.5 प्रतिशत के बीच रह सकती है। इसकी वजह इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े मंत्रालयों का बजटीय आवंटन बढ़ाना और सामान्य से अधिक मानसून की संभावना का होना है, जिससे ग्रामीण हाउसिंग मांग को बढ़ावा मिल सकता है। यह जानकारी क्रिसिल की ओर से मंगलवार को जारी की गई रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 2025 में सीमेंट की मांग में वृद्धि 4.5-5.5 प्रतिशत के मध्यम स्तर पर रही। इसकी वजह आम चुनावों के कारण वित्त वर्ष की सुस्त शुरुआत और सामान्य से अधिक मानसून होना था, जिसका असर कंस्ट्रक्शन गतिविधियों पर देखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक, पहली छमाही में राज्य सरकार के कमजोर खर्च के कारण भी प्रोजेक्ट पूरे होने की गति धीमी हो गई और धीमे रियल एस्टेट मार्केट ने अर्बन हाउसिंग को प्रभावित किया।

रिपोर्ट में बताया गया, घरेलू सीमेंट की मांग में 29 से 31 प्रतिशत का योगदान देने वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर की चालू वित्त वर्ष में भी मांग को बढ़ाने में अहम भूमिका होने की उम्मीद है। इन्फ्रास्ट्रक्चर में सड़कों का सबसे बड़ा योगदान रहा है, उसके बाद रेलवे, सिंचाई और शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर का स्थान है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि रूरल हाउसिंग की सीमेंट की खपत में प्रमुख भूमिका बनी रहेगी, जिसकी अनुमानित हिस्सेदारी 32-34 प्रतिशत होगी, क्योंकि अच्छे मानसून से कृषि आय में वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे घरों की मांग बढ़ेगी।

इसके अतिरिक्त, ग्रामीण क्षेत्र के लिए चलाई जा रही पीएमजीएसवाई और मनरेगा जैसी केंद्र सरकार की कई योजनाएं भी उच्च बजटीय आवंटन के कारण उपभोग को बढ़ावा देंगी। अर्बन हाउसिंग सेगमेंट, जिसे वित्त वर्ष 2025 में रियल एस्टेट की सुस्ती के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ा था, चालू वित्त वर्ष में फिर से गति पकड़ने की उम्मीद है, जिसका कारण कम आधार, ब्याज दरों में कटौती और प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत एग्जीक्यूशन में सुधार होना है। केंद्रीय बजट 2025-26 में इस योजना के लिए आवंटन में 45 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। घरेलू सीमेंट मांग में 13-15 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाला इंडस्ट्रियल और कमर्शियल सेगमेंट इस वित्त वर्ष में स्थिर वृद्धि दिखा सकता है। इसकी वजह कमर्शियल रियल एस्टेट और वेयरहाउसिंग की मांग बढ़ना है। क्रिसिल इंटेलिजेंस के निदेशक सेहुल भट्ट ने कहा, सीमेंट की मांग में 63-65 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाले शीर्ष 12 राज्य ने अपने बजट में इन्फ्रास्ट्रक्चर पर आवंटन में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। इसके अलावा, सरकार की ओर से ऊर्जा, खनिज और सीमेंट उद्योगों के लिए विशेष रेल गलियारे स्थापित करने पर फोकस किया जा रहा है, साथ ही पर्यटन को बढ़ावा देने से मांग में वृद्धि होने की उम्मीद है। बता दें कि बीते फरवरी माह में सीमेंट की मांग में कमी आयी थी लेकिन अप्रैल के बाद से सीमेंट की मांग में तेजी देखने को मिल रही है। भारतीय सीमेंट की खपत 2024 में सालाना आधार पर 6.2 प्रतिशत बढ़कर 444.2 मिलियन टन हो गई, जो 2023 में 418.1 मिलियन टन थी। कोविड-19 महामारी के दौरान 2020 में दर्ज की गई दोहरे अंकों की गिरावट के बाद से यह विस्तार की सबसे धीमी दर है। महामारी के बाद रिकवरी में सरकारी पूंजीगत व्यय एक प्रमुख चालक था। इसी तरह, सीमेंट उत्पादन वृद्धि ने दशक की शुरुआत के बाद से विस्तार की अपनी सबसे कम दर दर्ज की। 2024 में उत्पादन में सालाना आधार पर 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 2023 में 481.0 मीट्रिक टन से बढ़कर 440.5 मीट्रिक टन हो गई। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में सीमेंट उत्पादन में सालाना आधार पर 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मजबूत आर्थिक विकास, मध्यम आय वाले देश में चल रहे बदलाव और कामकाजी आयु वर्ग की बढ़ती आबादी के बीच सीमेंट की मांग में एक बार फिर तेजी आने के लिए बुनियादी बातें मजबूत हैं। इसके अलावा, हाल ही में घोषित आयकर कटौती और मजबूत पूंजीगत व्यय योजनाओं से घर निर्माण और बुनियादी ढांचे के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

मांग को पूरा करने के लिए सीमेंट उत्पादन को तेजी से बढ़ाना होगा। सीमेंट निर्माता संघ (सीएमए) भारत में स्थापित सीमेंट क्षमता के छह प्रतिशत से अधिक की सीएजीआर वृद्धि दर का लक्ष्य बना रहा है। क्षमता उपयोग दर 70 प्रतिशत की ओर बढ़ रही है, इसलिए उत्पादकों के लिए क्षमता विस्तार एक महत्वपूर्ण विचार होगा। बदले में, विलय और अधिग्रहण गतिविधि प्रचलित रहेगी।

एलबीएस कॉलेज में वार्षिक खेल प्रतियोगिता 27 खेल स्पर्धाओं में छात्रों ने दिखाया दम

गोण्डा, एजेंसी। नगर के लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता के दूसरे दिन दौड़, खो-खो, क्रिकेट बॉल थ्रो, शॉटपुट और जेवलिन थ्रो सहित कुल 27 खेल स्पर्धाएं आयोजित की गई। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डीएम ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को निखारने में अभिभावकों और शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि इस स्कूल की छात्राएं मुख्यमंत्री और राज्यपाल के समक्ष भी निडर होकर अपनी बात रखती हैं। हाल ही में राज्यपाल के दौरे के दौरान छात्राओं ने अपने वक्तृत्व से सभी को प्रभावित किया था। महाविद्यालय में स्नातक और परास्नातक स्तर तक की शिक्षा दी जाती है। यहां खेलकूद के लिए पर्याप्त संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध हैं एक ऐसा कॉलेज है जहां अनुशासन के साथ खेल भी सिखाया जाता है। यहां के कई ऐसे बच्चे हैं जो आज देश की सेवा कर रहे हैं प्रशासनिक सेवाओं में अपना योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य आर के पांडेय, प्रोफेसर जितेंद्र सिंह के साथ प्रियंका चतुर्वेदी,रोहित यादव, कुलदीप, नीलम,अदिति सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

तापसी पन्नू कैसे बनीं फिल्म 'गांधारी' का हिस्सा

तापसी पन्नू ने अपने अब तक के करियर में कई महिला प्रधान फिल्में की हैं। वह थप्पड़ जैसी महिला प्रधान फिल्म का हिस्सा रहीं, इस फिल्म में गंभीरता से महिला मुद्दों को उठाया गया था। जल्द ही वह फिल्म 'गांधारी' में भी एक चुनौतीपूर्ण किरदार करने वाली हैं। इस फिल्म और किरदार के लिए तापसी का चयन कैसे हुआ? इस बारे में प्रोड्यूसर, राइटर कनिका ढिल्लों ने हाल ही में विस्तार से बताया। हालिया बातचीत में कनिक ढिल्लों कहती हैं, 'फिल्म गांधारी एक बदले की कहानी है, साथ ही इसमें एक मां और बच्चे की प्यार भरे रिश्ते की कहानी भी शामिल है। एक मां अपने बच्चे को बचाने के लिए किस हद तक जा सकती है, यही फिल्म हमारी फिल्म की स्टोरी लाइन है।' कनिका आगे बताती हैं, 'तापसी काफी समय से एक एक्शन जॉनर की फिल्म करना चाहती थीं। ऐसे में वह हमारी फिल्म की कहानी के साथ फिट बैठ रही थीं। सबकुछ जैसे सही समय पर हो गया।

तापसी को भी फिल्म 'गांधारी' की कहानी, इसकी भावनाएं पसंद आई।' हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग भी पूरी है, इससे जुड़ी कुछ तस्वीरें तापसी पन्नू ने भी अपने इंस्टाग्राम पर साझा की थीं। तापसी इस फिल्म का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं। फिल्म 'गांधारी' को कनिका कथा पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। इसके निर्देशक देवाशीष मखीजा हैं। फिल्म इस साल ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। तापसी इसमें एक अंधी महिला के किरदार में नजर आएंगी। वहीं दूसरी ओर फिल्म इंडस्ट्री के ऐसे निर्देशक हैं जो एक्शन, ड्रामा फिल्मों से इतर सामाजिक मुद्दों को दिखाती फिल्मों का निर्माण करते हैं। उनकी फिल्में भले ही बॉक्स ऑफिस पर खास कमाई न करती हो मगर उन मूवीज की कहानियां दर्शकों के दिलों में अपनी छाप जरूर छोड़ती हैं। कुछ समय पहले अनुभव सिन्हा ने आईसी 814 : द कंधार हाईजैक का डायरेक्शन किया था जो असल घटनाओं पर आधारित थी। अब फैंस के लिए खुशखबरी सामने आ रही है। अनुभव सिन्हा एक बार फिर से तापसी पन्नू के साथ नई फिल्म के लिए हाथ मिला रहे हैं। इस फिल्म से सिन्हा दर्शकों को और नई कहानी लेकर आने वाले हैं। फिल्म उन्ही की एक मूवी की सीक्वल होगी। अगर आप सोच रहे हैं कि हम थप्पड़ की बात कर रहे हैं तो नहीं। हम बात कर रहें हैं मुल्क की जिसे आईएमडीबी से 7.2 की रेटिंग मिली है। मिड डे कि एक रिपोर्ट के मुताबिक निर्देशक गौरव सोलंकी के साथ मिलकर मुल्क 2 पर काम करने वाले है

जिन्होंने आर्टिकल 15 फिल्म की कहानी लिखी थी। फरवरी में, तापसी पन्नू ने अपनी फिल्म थप्पड़ (2020) के पांच साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए निर्देशक के साथ दोबारा काम करने पर हिंट दिया था।

सूत्र के अनुसार, अनुभव ने तापसी के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। मुल्क की तरह, फिल्म एक सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषय की खोज करती है। 2018 में आई इस फिल्म में एक मुस्लिम परिवार द्वारा सामना की गई कट्टरता की जांच की गई थी। हालांकि फिल्म का रिलीज डेट या बाकी कलाकारों को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। तापसी पन्नू शानदारी एक्टिंग के अलावा नेक काम के लिए भी काफी पसंद की जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने भीषण गर्मी से जूझ रहे वंचित परिवारों को राहत देने के मकसद से हेमकुंट फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया है। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाने पर फाउंडेशन ने जरूरतमंद समुदायों को पंखे और वाटर कूलर बांटे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री आखिरी बार 'हसीन दिलरुबा' के दूसरे पार्ट फिर आई हसीन दिलरुबा' में नजर आई थीं। वहीं दूसरी ओर मुंबई में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया है। इस बीच गर्मी से निपटने के लिए अभिनेत्री तापसी पन्नू ने झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों को पंखे और वाटर कूलर वितरित किए। इस नेक काम के लिए तापसी ने हेमकुंट फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया है। नेक काम कर खुश हुई अभिनेत्री ने बताया, हम अक्सर पंखे या कूलर जैसी बुनियादी सुविधाओं को हल्के में लेते हैं, लेकिन बहुत से लोगों के लिए, खासकर इस असहनीय गर्मी में हल्की हवा भी एक आशीर्वाद की तरह होती है। इस पहल से मैं प्रभावित हूं और इसका हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं। यह सिर्फ देने के बारे में नहीं है। यह लोगों के साथ खड़े होने, उनके दर्द को समझने और उन्हें कम करने के लिए जो कुछ भी हम कर सकते हैं, करने के बारे में है।

हेमकुंट फाउंडेशन के निदेशक हरतीरथ सिंह ने कहा, जब तापमान 40 डिग्री को पार कर जाता है, तो झुग्गी-झोपड़ियों में रहना लगभग मुश्किल हो जाता है। ये संकरे हैं, जहां बमुश्किल कोई वेंटिलेशन होता है। लोग बिना पंखे या कूलर के पूरा दिन मुश्किलों में गुजारने को मजबूर होते हैं और लोगों के इसी दर्द को हमने समझा और मदद करने का ख्याल हमारे मन में आया। उन्होंने आगे बताया कि यह संदेश देने के लिए है कि वे अकेले नहीं हैं। यह छोटे-छोटे तरीकों से मानवता के लिए आगे आने और लोगों के दर्द को समझने से संबंधित है। वर्कफ्रंट की बात करें तो तापसी पन्नू की अपकमिंग

तापसी को भी फिल्म 'गांधारी' की कहानी, इसकी भावनाएं पसंद आई।' हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग भी पूरी है, इससे जुड़ी कुछ तस्वीरें तापसी पन्नू ने भी अपने इंस्टाग्राम पर साझा की थीं। तापसी इस फिल्म का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं। फिल्म 'गांधारी' को कनिका कथा पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। इसके निर्देशक देवाशीष मखीजा हैं।

फिल्म गांधारी की शूटिंग पूरी हो चुकी है। हाल ही में इश्वाक सिंह, लेखिका कनिका ढिल्लों और निर्देशक देवाशीष मखीजा की तस्वीरों को पोस्ट करते हुए अभिनेत्री ने बताया था कि इस फिल्म के लिए उन्होंने खूब मेहनत की। कनिका ढिल्लों के साथ तापसी पन्नू कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। गांधारी दोनों की साथ में छठी फिल्म है। दोनों साथ में मनमर्जियां, हसीन दिलरुबा और फिर आई हसीन दिलरुबा जैसी फिल्मों में नजर आई हैं। वहीं एबीपी नेटवर्क के 'आइडियाज ऑफ इंडिया 2025' के दौरान 37 वर्षीय अभिनेत्री ने फिल्म उद्योग की कठोर वास्तविकताओं पर अपने विचार साझा किए।

पन्नू ने कहा, आदर्शवादी बात यह है कि कड़ी मेहनत से आप वह सब कुछ हासिल कर लेंगे, लेकिन यहां (फिल्म उद्योग में) ऐसा नहीं है। ऐसा नहीं है कि फिल्म उद्योग में हर चीज निष्पक्ष है। अगर आप उम्मीद करते हैं कि सब कुछ उचित और निष्पक्ष होगा तो ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा, यह अनुचित होगा। आपको बहुत सी बातें सुनने को मिलेंगी, इसलिए अपने अहंकार को किनारे रखें, अन्यथा आप निराश होंगे, साथ ही बुरी बातें सुनने के अभ्यस्त हो जाइए। यह बॉलीवुड के बारे में नहीं है। मैं उद्योग (फिल्म) का शिकार नहीं हूं। उन्होंने आकांक्षा रखने वाले प्रतिभाशाली लोगों को सलाह दी कि यदि उनके प्रयास सफल नहीं होते हैं तो उनके पास वैकल्पिक योजना होनी चाहिए। पन्नू ने कहा, मेरे पास विकल्प 'बी' था। मैंने इंजीनियरिंग की थी, नौकरी की थी और मैं वह कर सकती थी। मैं एमबीए करना चाहती थी, इसलिए मैंने सभी विकल्प तैयार रखे थे। अभिनेत्री ने अपनी शादीशुदा जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की। 2023 में अपने लंबे समय के साथी बैडमिंटन स्टार मैथियास बो के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली पन्नू ने कहा कि उन्हें अपनी शादी के बारे में 'प्रेस विज्ञप्ति' जारी करने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। उन्होंने कहा, मैं उनसे बैडमिंटन कोर्ट पर मिली थी, मैं दर्शकों में थी और वह खेल रहे थे, और यह एक घरेलू लीग थी जहां मेरी उनसे मुलाकात हुई। मैंने जिस व्यक्ति से शादी की है उसे मैं दस साल से जानती थी और अब मैं उसे 11 साल से जानती हूं। पन्नू ने कहा कि बो द्वारा उन्हें प्रेम प्रस्ताव देने के नौ साल बाद उन्होंने उनसे शादी कर ली। उन्होंने कहा, ''मैंने कई शादियां देखी हैं जो टूट गई या कामयाब नहीं हुई और मैं डर गई थी। हम ऐसे पेशे में हैं जहां बहुत सारे उतार, चढ़ाव हैं और मैं अपनी निजी जिंदगी में उतार, चढ़ाव नहीं चाहती थी। इसलिए कई बार जांच-परख के बाद मैंने शादी कर ली।

:: नेशनल डेस्क

रेड 2 के लिए खलनायक रितेश देशमुख थे पहली पसंद, निर्देशक ने बताया कारण

अजय देवगन की आगामी फिल्म रेड 2 काफी चर्चाओं में है। फिल्म के ट्रेलर ने फैंस के उत्साह को काफी बढ़ा दिया है। इसमें तमन्ना भाटिया और वाणी कपूर लीड रोल में हैं और रितेश देशमुख विलेन के किरदार में नजर आने वाले हैं। मूवी का निर्देशन राज कुमार गुप्ता कर रहे हैं। निर्देशक राज कुमार गुप्ता ने फिल्म के कलाकारों के बारे में खुलकर बात की और सभी की जमकर तारीफकी। साथ ही बताया कि उन्होंने रितेश को खलनायक के किरदार के लिए क्यों चुना। रेड 2 के लिए रितेश देशमुख को कास्ट करने के बारे में निर्देशक ने कहा, मुझे हमेशा से रितेश का काम पसंद आया है। हम सभी जानते हैं कि कॉमिक रोल हो या खलनायक की भूमिका, वह सभी किरदार शानदार तरीके से निभाते हैं। वह असल में बेहतरीन कलाकार हैं। पिछले साल मैंने उनके साथ एक सीरीज में काम किया था, जिसमें उन्होंने अहम किरदार निभाया था। तब मैंने तय कर लिया था कि मैं आगे एक बार जरूर उनके साथ काम करूंगा। उन्होंने बताया, रेड 2 की स्क्रिप्ट तैयार होने के बाद मैं उनसे मिला और उन्हें स्क्रिप्ट सुनाई। उन्हें यह काफी पसंद आई, उन्हें खलनायक का किरदार काफी अच्छा लगा और इस तरह वह फिल्म में शामिल हुए। मुझे बहुत खुशी है कि वह फिल्म का हिस्सा हैं।उल्लेखनीय है कि फिल्म रेड साल 2018 में रिलीज हुई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही। फिल्म को मिली शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए इसके सीक्वल पर काम शुरू किया गया। सीक्वल में अजय देवगन अमय पटनायक का किरदार निभाते नजर आएंगे। वहीं, रितेश देशमुख राजनेता की भूमिका में हैं। रेड-2 भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित है। फिल्म गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत की गई है। यह 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। **:: एजेंसी**

ब्राह्मण समाज पर की टिप्पणी को लेकर नरम पड़े अनुराग कश्यप के तेवर, मांगी माफी

ब्राह्मण समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप लगातार मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उन्हें यूजर्स की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा और कई समाजिक संगठनों, हस्तियों ने भी उनके खिलाफनाराजगी जाहिर की। चौतरफा आलोचना झेल रहे अनुराग के अब तेवर फीके पड़ गए हैं और उन्होंने अपनी गलती मानते हुए माफी मांग ली है। अनुराग कश्यप ने सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, श्मैं गुस्से में किसी को एक जवाब देने में अपनी मर्यादा भूल गया और पूरे ब्राह्मण समाज को बुरा बोल डाला। वो समाज जिसके तमाम लोग मेरी जिंदगी में रहे हैं, आज भी हैं और बहुत कॉन्ट्रीब्यूट करते हैं। आज वो सब मुझसे आहत हैं। बहुत सारे बुद्धिजीवी, जिनकी मैं इज्जत करता हूं, मेरे उस गुस्से में मेरे बोलने के तरीके से आहत हैं। मैंने खुद ही ऐसी बात करके अपनी ही बात को मुद्दे से भटका दिया। आगे अनुराग ने लिखा, मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं। इस समाज से जिनको मैं ये नहीं कहना चाह रहा था, लेकिव आवेश में किसी की घटिया टिप्पणी का जवाब देते हुए लिख दिया। मैं माफी मांगता हूं। अपने उन तमाम सहयोगी दोस्तों से, अपने परिवार से और उस समाज से, अपने परिवार से और अपने बोलने के तरीके लिए अभद्र भाषा के लिए। अब आगे से ऐसा न हो, मैं उस पर काम करूंगा। अपने गुस्से पर काम करूंगा और मुद्दे की बात अगर करनी हो तो सही शब्दों का इस्तेमाल करूंगा। आशा है आप मुझे माफकर देंगे। दरअसल, फुले फिल्म पर रिलीज में देरी और ब्ठथ्ब् के बदलावों से परेशान होकर अनुराग ने केंद्र सरकार, ब्राह्मण समुदाय और सेंसर बोर्ड ऑफफिल्म सर्टिफिकेशन पर कई सवाल उठाए थे। इसके बाद कश्यप को ब्राह्मण समुदाय ने जमकर ट्रोल किया था।अनुराग पर निशाना साधते हुए एक यूजर ने लिखा था- ब्राह्मण तुम्हारे बाप हैं, जितना तुम्हारी उनसे सुलगती, उतना तुम्हारी सुलगाएंगे। इसका जवाब देते हुए फिल्ममेकर ने लिखा था-ब्राह्मण पे मैं मूतूंगा, कोई प्रॉब्लम? ऐसी टिप्पणी के बाद अनुराग और भी विवादों में आ गए। **:: एजेंसी**

प्रसिद्ध टीवी एक्टर ललित मनचंदा ने की आत्महत्या

टीवी इंडस्ट्री में एक दुखद खबर सामने आई है। मशहूर टीवी एक्टर ललित मनचंदा ने अपने जीवन का अंत कर लिया है। उनकी मौत की खबर से उनके परिवार और फैंस दोनों को बहुत बड़ा झटका लगा है। चलिए जानते हैं पूरी खबर आसान भाषा में। मशहूर टीवी एक्टर ललित मनचंदा ने आत्महत्या कर ली है। उनकी लाश पंखे से लटकी हुई मिली है, जिससे परिवार को बहुत बड़ा सदमा लगा है। यह खबर सुनकर सभी हैरान रह गए हैं कि आखिर उन्होंने ऐसा क्यों किया? कहानी कुछ इस तरह है कि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ललित मनचंदा अपने परिवार के साथ मुंबई से मेरठ गए थे। पिछले 6 महीने से वह अपने भाई के साथ मेरठ में रह रहे थे। उनके बेटे और बेटी भी उनके साथ थे। **:: एजेंसी**

भूलकर भी दूध के साथ न खाएं ये चीजें, नहीं तो हो सकती हैं गम्भीर बीमारी

दूध हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, फाइबर, आयरन जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

दूध पीने से शरीर को ऊर्जा भी मिलती है और यह विकास में सहायक होता है। लेकिन आयुर्वेद के अनुसार, कुछ चीजें हैं जिन्हें दूध के साथ नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इनका सेवन करने से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

मछली : दूध और मछली का एक साथ सेवन करना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। दूध और मछली दोनों में प्रोटीन की अधिक मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती है। इस संयोजन से शरीर में पाचन क्रिया असंतुलित हो सकती है, जिससे पेट दर्द, उल्टी, और अन्य पाचन संबंधित समस्याएं जैसे गैस, अपच और पेट में भारीपन हो सकता है। इसके अलावा, इन दोनों के मिलाने से शरीर में विषाक्त तत्व उत्पन्न हो सकते हैं, जो स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

खट्टे फल : नींबू, संतरा, मौसंबी जैसे खट्टे फल और दूध का सेवन एक साथ नहीं करना चाहिए। खट्टे फल में एसिड की अधिकता होती है, जो दूध के साथ मिलकर द्रव का

खट्टापन बढ़ा सकती है और पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकती है। इससे पेट में जलन, एसिडिटी, और अपच की समस्या हो सकती है। विशेष रूप से यदि आप खट्टे फल खाते हैं और फिर तुरंत दूध पीते हैं, तो यह दूध के प्रोटीन के साथ रिएक्ट कर सकता है, जिससे पाचन तंत्र में असंतुलन हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप पेट में गैस, जलन और ताजगी की कमी महसूस हो सकती है।

नमक वाली चीजें : दूध के साथ नमक वाली चीजें जैसे चिप्स, नमकीन, या खारे पकवान खाना भी हानिकारक हो सकता है। नमक और दूध का मिश्रण शरीर में सोडियम और लैक्टोज के बीच असंतुलन उत्पन्न कर सकता है। यह रक्तचाप को बढ़ा सकता है और दिल की बीमारियों के खतरे को बढ़ा सकता है। साथ ही, शरीर में पानी का असंतुलन हो सकता है, जिससे त्वचा की समस्याएं, जैसे सूजन और खुजली, और बालों का झड़ना भी हो सकता है। इसके अलावा, यह पाचन तंत्र की समस्याओं को भी जन्म दे सकता है, जैसे गैस, एसिडिटी और पेट में भारीपन।

शहद : आयुर्वेद के अनुसार, दूध और शहद का एक साथ सेवन शरीर में गर्मी बढ़ा सकता है। यह संयोजन पाचन तंत्र पर असर डाल सकता है और त्वचा पर मुंहासे, रैशेज और जलन जैसी समस्याओं को बढ़ा सकता है। शहद में प्राकृतिक शर्करा और दूध के प्रोटीन का मिलन शरीर में विषाक्त पदार्थों का निर्माण कर सकता है, जिससे शरीर की आंतरिक उर्जा असंतुलित हो सकती है। इसके अलावा, यह गैस्ट्रिक समस्याओं को भी उत्पन्न कर सकता है, जैसे कि अपच, पेट में भारीपन और ताजगी की कमी।

आलू : दूध के साथ आलू का सेवन भी नुकसानकारी हो सकता है। आलू में स्टार्च की अधिकता होती है, जो दूध के प्रोटीन के साथ रिएक्ट करके शरीर में गैस और पेट की समस्याएं उत्पन्न कर सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

सऊदी अरब का

सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद की दूसरी नेताओं की बैठक की सह-अध्यक्षता करनी थी।

तुम्हें नहीं मारूंगा

नहीं मारूंगा। जाओ, मोदी को ये बता देना। हमले के बाद स्थानीय लोग हमारी मदद के लिए आए। 3 स्थानीय लोगों ने जान बचाई। सऊदी अरब के दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवादी हमले की निंदा की है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर

हार्दिक सहानुभूति और समर्थन के शब्द, साथ ही सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामनाएं दें।

राहुल के बयान

चलेगा कि रात 2 बजे तक वोटर्स की लाइन लगनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस पर चुनाव आयोग ने कहा महाराष्ट्र चुनाव में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान केंद्र पर पहुंचे 6 करोड़ 40 लाख 87 हजार 588 वोटरों ने वोट किया। हर घंटे करीब 58 लाख वोट डाले गए। इनके हिसाब से हर दो घंटे में करीब 116 लाख मतदाताओं ने वोट किया होगा। इस लिहाज से दो घंटे में 65 लाख वोट पड़ना औसत से बहुत कम है। राहुल ने आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र में जितने बालिग (18 साल से ज्यादा, वोट डालने के योग्य) हैं, उससे ज्यादा वोट पड़े हैं। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कानून के अनुसार वोटर लिस्ट चुनाव से ठीक पहले या साल में एक बार संशोधित होती है। वोटर लिस्ट की फाइनल कॉपी कांग्रेस समेत सभी पार्टियों को दी जाती है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पहले भी महाराष्ट्र चुनाव में फर्जी तरीके से वोटर्स जोड़े जाने का आरोप लगाया था। इस साल फरवरी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में गड़बड़ी हुई। वोटर लिस्ट में नए मतदाता जोड़े गए, ताकि भाजपा की जीत हो सके। राहुल ने इलेक्शन कमीशन से वोटर्स का डेटा मांगा था।

एक राष्ट्र, एक

के दिनों में आतंकवादी हमलों में वृद्धि हुई है, ठाकुर ने कहा कि भाजपा की नीति - आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की - है। यह पूछे जाने पर कि क्या कुछ भाजपा के नेता वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर उच्चतम न्यायालय पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''हम किसी पर कोई दबाव नहीं डाल रहे हैं। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष (जे पी नड्डा) ने यह स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस और विपक्षी दलों ने अनुच्छेद 370 और 35ए, तीन तलाक, राम मंदिर और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) जैसे मुद्दों पर लोगों में भय पैदा किया और उन्हें गुमराह किया। जब ये मामले उच्चतम न्यायालय में गए तो सरकार का रुख सही साबित हुआ।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए ठाकुर ने कहा कि वह भारत में चुनाव हारते हैं और फिर विदेशों में देश के खिलाफ एजेंडा चलाते हैं। भाजपा सांसद ने कहा, ''उन्हें (राहुल को) अंकल सैम, अपने गुरु सैम पित्रोदा से स्पष्टीकरण मांगना चाहिए। पित्रोदा ने कहा था कि संविधान तैयार करने में बाबासाहेब आंबेडकर का कोई योगदान नहीं है, लेकिन राहुल गांधी भारत में आंबेडकर की तस्वीर लेकर घूमते हैं। ठाकुर ने कहा, ''तो, उनका क्या रुख है? पित्रोदा ने कहा कि धन का बंटवारा होना चाहिए... इस पर राहुल गांधी का क्या रुख है? पित्रोदा ने भारत के खिलाफएक बार नहीं, बल्कि कई बार बयान दिए हैं। लेकिन वह राहुल गांधी के गुरु हैं, जिनसे वह प्रेरणा लेते हैं।

माध्यमिक शिक्षा पाठ्यक्रम

विकास की दिशा में संकल्पित हस्तक्षेप है। आज जब जलवायु परिवर्तन आंकड़ों से आगे बढ़कर हमारे जीवन को प्रत्यक्ष प्रभावित कर रहा है, तब सरोजनीनगर एक 'स्थानीय समाधान के वैश्विक उदाहरण' के रूप में उभर रहा है। डॉ. राजेश्वर सिंह की सोच में तथ्य, तात्कालिकता और भावनात्मक जुड़ाव का दुर्लभ संतुलन है।

बोलेरो पलटी, पांच

डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजन को 2-2 लाख जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

आतंकी हमले में

से मिलने अस्पातल गये। जानकारी आ रही है कि कल सुबह पहलगाम जाने का कार्यक्रम है। पहलगाम में पर्यटक पुलिस कर्मी के रूप में काम करने वाले एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि मैंने तीन घायल लोगों को रेस्क्यू किया और अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को रेस्क्यू कर लिया। पहले ऐसी घटना यहां कभी नहीं हुई। जहां हमला हुआ, वहां पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। आतंकियों ने इसी का फायदा उठाया। वे सैन्य वर्दी में आए और पर्यटकों से परिचय-पत्र मांगना शुरू कर दिया। इसके बाद जो भी पर्यटक हिंदू थे, उन्हें आतंकियों ने गोलियां मारनी शुरू कर दीं। हमले की सूचना मिलने और मौके पर पहुंचने में सुरक्षा बलों को 30 मिनट का समय लगा। आतंकी इस दौरान पहाड़ियों की तरफ भाग गए। उनके मारे जाने या पकड़े जाने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर लिखा कि पहलगाम (जम्मू और कश्मीर) में आतंकवादी हमले की खबर से बहुत दुख हुआ। निर्दोष नागरिकों पर यह नृशंस हमला कायरतापूर्ण और अत्यधिक निंदनीय कृत्य है। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले पर पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि मेरा गृह मंत्री से यही आग्रह है कि एक इंक्वायरी बैठे और इसकी जांच हो कि इस घटना के पीछे कौन लोग हैं। उनका क्या मकसद था? हमारी सुरक्षा एजेंसियों को भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हम छह साल से बोलते आ रहे हैं कि कश्मीर में हालात सामान्य नहीं हैं। अफसोस की बात है कि दिल्ली में बैठे लोगों को अभी भी समझ नहीं आ रहा है यहां जमीनी हकीकत क्या है। यह सिर्फ इन पर्यटकों पर हमला नहीं है ये जम्मू-कश्मीर के हर नागरिक पर हमला है, ये कश्मीरियत पर हमला है।

आतंक के खिलाफ पूरा देश एकजुट : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए लिखा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में पर्यटकों के मारे जाने और कई लोगों के घायल होने की खबर बेहद निंदनीय और दिल दहलाने वाली है। मैं शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की आशा करता हूं। आतंक के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। सरकार जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य होने के खोखले दावों के बजाय अब जवाबदेही लेते हुए ठोस कदम उठाए ताकि आगे ऐसी बर्बर घटनाएं न होने पाएं और निर्दोष भारतीय यूं अपनी जान न गंवाएं।

आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा, मैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा।

पाकिस्तान को कड़ा जवाब देने का समय आ गया है : नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता अर्जुन सिंह राजू ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले पर कहा, इस हमले की जितनी भी कड़ी निंदा की जाए कम है। मुझे लगता है कि पाकिस्तान को कड़ा जवाब देने का समय आ गया है। उन्होंने पर्यटन पर हमला किया है जिस पर हमारी पूरी अर्थव्यवस्था निर्भर करती है। मैं प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री से अनुरोध करता हूं कि वे स्थिति को नियंत्रण में लाएं और पाकिस्तान को उसकी ही भाषा में कड़ा जवाब दें। हमें दुश्मन के इलाके में घुसकर उन्हें मारना होगा। हमें इसका जवाब देना होगा। पहलगाम आतंकी हमले पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक सुनील शर्मा ने कहा, ÷पिछले एक साल से पाकिस्तान भारत में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में एक महिला कह रही है कि आतंकियों ने सबसे पहले उन लोगों के नाम पूछे जिन पर उन्होंने हमला किया। इस तरह उन्होंने एक समुदाय के लोगों को निशाना बनाया। हमें अपनी एजेंसियों पर पूरा भरोसा है कि आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पहलगाम आतंकी हमले पर कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं इस तरह की घटनाओं की कड़ी निंदा करती हूं, मुझे लगता है कि सरकार को बहुत कठोरतम कार्रवाई करनी चाहिए। बहुत दुख की बात है और यह बहुत गलत है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपने आवास से पहलगाम के लिए रवाना हुए। आज पहलगाम के बैसरन में आतंकियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की। कई पर्यटकों के मारे जाने की आशंका है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आतंकी वारदात पर गुस्सा जताते हुए अपने पोस्ट में लिखा- मैं अविश्वसनीय रूप से स्तब्ध हूं। हमारे आगंतुकों पर यह हमला एक घृणित कार्य है। इस हमले के अपराधी जानवर, अमानवीय और घृणा के पात्र हैं। निंदा के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है। मैंने अपनी सहयोगी और स्वास्थ्य मंत्री सकीना इट्टू से बात की है और वह घायलों के लिए व्यवस्थाओं की देखरेख करने के लिए अस्पताल चली गई हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि यह हमला हाल के वर्षों में नागरिकों पर किए गए किसी भी हमले से कहीं बड़ा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अपने पोस्ट में लिखा, मैं पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूँ। मैं लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि इस घृणित हमले के पीछे जो लोग हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। डीजीपी और सुरक्षा अधिकारियों से बात की है। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीमें इलाके में पहुंच गई हैं और तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य अधिकारियों को पहलगाम में भर्ती लोगों को तुरंत चिकित्सा सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया है। एक घायल पर्यटक को जीएमसी अनंतनाग ले जाया गया है। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

कर्मचारी नेता ने महापौर का हाल जाना

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ द्वारा शहर की प्रथम महिला महापौर के पैर में चोट के कारण अस्वस्थ होने पर नगर निगम के तमाम कर्मचारी अधिकारी एवं शहर की जनता अपनी शुभकामनाएं एवं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रही है। आज उत्तर प्रदेश नगर निगम कर्मचारी अध्यक्ष राजेश सिंह अपने संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यों के साथ महापौर को जल्द स्वस्थ होने की शुभकामनाएं एवं ईश्वर से प्रार्थना की गई।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

ट्रैवल मार्ट के जरिए विदेशी धरती पर दिखेगी पर्यटन की खास झलक

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- दुबई, थाईलैंड, फ्रांस, जापान, सिंगापुर, ब्रिटेन सहित अन्य देशों में दिखेगी यूपी टूरिज्म की धमक : जयवीर सिंह

लखनऊ। पर्यटन विभाग विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से दुनियाभर में मार्ट एक्सपो के माध्यम से राज्य पर्यटन का प्रचार करेगा। पर्यटन विभाग विशेष पंडाल बनाकर प्रमुख पर्यटन सर्किट, स्थलों, हस्तशिल्प आदि को प्रदर्शित करेगा।

पर्यटन विभाग के इस कदम का उद्देश्य राज्य में इनबाउंड टूरिज्म को बढ़ावा देना और विदेशी पर्यटकों को उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक व धार्मिक विरासत से रूबरू कराना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि उप्र. पर्यटन विभाग के इस पहल की शुरुआत दुबई में अरेबियन ट्रैवल मार्केट एटीएम से होने जा रहा है, जो 28 अप्रैल से एक मई तक होना है। विभाग ने थाईलैंड, फ्रांस, जापान, सिंगापुर, ब्रिटेन, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और रूस में आयोजित होने वाले ट्रैवल मार्ट एक्सपो के लिए संभावित तिथियों की घोषणा भी की है। उन्होंने बताया कि विभाग का प्रयास है कि अंतरराष्ट्रीय मार्ट के माध्यम से उत्तर प्रदेश की विविध पर्यटन संभावनाओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया जाय। विभाग विदेशी टूर ऑपरेटरों, ट्रैवल एजेंट्स और निवेशकों को आमंत्रित करेगा, ताकि वे राज्य में पर्यटन से जुड़ी संभावनाओं को समझ सकें और निवेश के नए रास्ते खुल सकें। हमारा प्रयास प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों जैसे- अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, वृंदावन, लखनऊ व विंध्याचल के उन गंतव्यों को विशेष रूप से प्रदर्शित करना है, जो विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद रहें हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रैवल मार्ट विदेशी धरती पर उत्तर प्रदेश की कारीगरी, हस्तशिल्प, खानपान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने का एक मंच प्रदान करता है। हाल के वर्षों में विभिन्न देशों में आयोजित एक्सपो में प्रदेश के पवेलियन पर भारी भीड़ देखने को मिली। आगंतुक, थीम आधारित भव्य पंडालों में राज्य के विविध पर्यटन स्थलों से रूबरू होते हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'यह पहल उत्तर प्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर मजबूत स्थान दिलाने की दिशा में एक अहम कदम है। इससे न केवल विदेशी पर्यटकों की संख्या में और वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यह प्रयास राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगा और पर्यटन उद्योग को एक नई दिशा देगा।

अमेठी, बाराबंकी, महोबा व फर्रूखाबाद के लिए पर्यटन विकास की 13 परियोजनाएं स्वीकृत : पर्यटन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत अमेठी, महोबा, बाराबंकी तथा फर्रूखाबाद जनपदों के लिए पर्यटन विकास की 13 परियोजनायें स्वीकृत की है। इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य जनपदों के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों एवं धार्मिक महत्व के स्थानों पर पर्यटकों श्रद्धालुओं को आकर्षित करना है।

पर्यटन विभाग पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं मुहिया कराने पर विशेष जोर दे रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने देते हुए बताया कि अमेठी की 05 परियोजनाओं के लिए लगभग 1400.5 लाख रूपये स्वीकृति प्रदान की गयी है। यह परियोजनायें शैलेन्द्र प्रताप सिंह सदस्य गोविंद नरायण शुक्ल, पर्यटन कार्यालय जुबिन ईरानी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री तथा मयंकेश्वर सिंह के प्रस्ताव पर स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से मुसाफिरखाना के दादरा में हिंगलाल भावानी मंदिर का पर्यटन विकास, ब्लॉक अमेठी में पौराणिक मुकुटनाथ मंदिर का पर्यटन विकास। मलिक मोहम्मद जायसी के स्मारक का निर्माण संत कबीर के बैठका का सौदरीकरण तथा दुर्लभदास विकास खण्ड तिलोई स्थित का पर्यटन विकास कार्य कराया जायेगा। महोबा में बृजभूषण राजपूत के प्रस्ताव पर शिवांगी माता मन्दिर घुटवई का पर्यटन विकास, पर्यटन निदेशालय के प्रस्ताव पर महोबा के सांस्कृतिक परिदृश्य का विकास तथा जिलाधिकारी महोबा के प्रस्ताव पर तहसील कुलपहाड़ माधवगंज काशीपुर में स्थित हनुमानजी पूँछा वाले हनुमान मंदिर का सौन्दर्यीकरण कार्य करायाजायेगा। तीन परियोजनाओं के लिए 2678.06 लाख रूपये स्वीकृत किये गये है। बाराबंकी की तीन परियोजनाओं के लिए 5045.08 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। यह परियोजनायें सतीश चंद्र शर्मा राज्य मंत्री के प्रस्ताव पर बाराबंकी के विकास खण्ड बनीकोडर में श्री लालेश्वर शिव मंदिर में गोमती तट पर सीढ़ी का निर्माण, विश्रामस्थल तथा पेयजल की व्यवस्था के लिए प्रस्ताव किया गया है। मुख्यमंत्री ने बजट भाषण में लोधेश्वर महादेव मंदिर के समेकित पर्यटन विकास एवं पर्यटक सुविधाओं के सृजन की घोषणा की थी। दिनेश रावत विधायक के प्रस्ताव पर विकास खण्ड हैदरगढ़ में अवसानेश्वर घाट स्थित मंदिरों के पर्यटन विकास का प्रस्ताव किया गया था फर्रूखाबाद की 02 परियोजनाओं के लिए 1001.19 लाख रूपये की धनरशि स्वीकृत की गयी है। इनमें नागेन्द्र सिंह राठोर विधायक के प्रस्ताव पर भोजपुर के मोहम्मदाबाद में हवाई पट्टी के सामने हनुमान मंदिर स्थल का पर्यटन विकास तथा पर्यटन कार्यालय फर्रूखाबाद के प्रस्ताव पर प्रसिद्ध बौद्ध स्थल संकिसा स्थित मठों में पर्यटक सुविधाओं का सृजन एवं पर्यटन विकास का कार्य कराया जायेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव' का निमंत्रण

लखनऊ, (चर्चित राजनीति) संवाददाता। सनातन संस्था के संस्थापक सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. जयंत बालाजी आठवले की 83वीं जयंती तथा संस्था का रजत जयंती वर्ष, इस निमित्त गोवा में 17 से 19 मई 2025 के कालावधि में भव्य 'सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव का निमंत्रण आज 'गोरक्षपीठ पीठाधीश्वर' तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज को प्रदान किया गया। इस अवसर पर 'सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव' स्वागत समिति के सदस्य सद्गुरु (डॉ.) चारुदत्त पिंगळे, जौनपुर के मड़ियाहूं विधानसभा क्षेत्र के विधायक रविंद्रकुमार पटेल और विश्वनाथ कुलकर्णी ने लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। इस दौरान सनातन संस्था के 25 वर्षों के कार्य का परिचय मुख्यमंत्री जी को दिया गया। कार्य की जानकारी प्राप्त कर मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, सनातन संस्था का कार्य अच्छा है, इसके लिए आप सभी का अभिनंदन! वर्तमान में हिंदुओं के बीच फूट डालने के प्रयास बढ रहे हैं। इसलिए अधिकाधिक हिंदुओं को संगठित करना अति आवश्यक है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हिंदू समाज को एकत्रित कीजिए। इस प्रकार उन्होंने संस्था को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर 'सनातन संस्था' द्वारा निर्मित श्रीराम की सात्त्विक चित्र-प्रतिमा तथा 'हिंदू जनजागृति समिति' द्वारा प्रकाशित हिंदी पुस्तकें 'हिंदू राष्ट्र आवश्यक क्यों?', 'हिंदू राष्ट्र स्थापना की दिशा', 'हिंदू राष्ट्र आक्षेप एवं खंडन', और 'हलाल जिहाद' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट स्वरूप प्रदान की गई।

भाजपा बाबा साहेब की नीतियों और विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है : बृजेश पाठक

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। भाजपा लखनऊ महानगर द्वारा सहकारिता भवन में आयोजित अंबेडकर सभा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, पूर्व सांसद जुगल किशोर, लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, राम चंद्र प्रधान उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जन जन की पार्टी हैं पार्टी में सबका सम्मान है। परिवारवाद से हटकर अंतिम पायदान पर बैठा व्यक्ति भी उच्च पद पर आसीन हो सकता हैं। भारतीय जनता पार्टी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की नीतियों और विचार को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। हर गरीब को ,घर, शौचायल , पीने का पानी और इलाज मिले यह बाबा साहब की सोच थी जिसको भारतीय जनता पार्टी धरातल पर उतारने का काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने हर साहब भीमराव अंबेडकर जी की सोच को सरकार करके सच्ची श्रद्धांजलि दी है। महिला आरक्षण बिल पास कर महिलाओं को मान, सम्मान स्वाभिमान देने का काम भी भारतीय जनता पार्टी ने दिया। पूर्व सांसद जुगल किशोर ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती आज पूरा देश मना रहा है। विश्व के पूरे 180 देश में जयंती मनाई गई ऐसा व्यक्ति कोई नहीं है जिसके पूरे 180 देश में जयंती मनाई गई है।

बाबा साहब भीमराव ने हमेशा देश के लिए समर्पित रहकर कार्य किया। उनका मानना था कि देश का संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो उसे मानने वाले उसे और अच्छा बनाते हैं । कांग्रेस ने मूल संविधान के साथ हमेशा बदलाव किया। उनकी मृत्यु के बाद चार गज जमीन कांग्रेस के लोगों ने दिल्ली में नहीं दी उनको हवाई जहाज से मुंबई भेज दिया उसका की खर्च उनके परिवार को भेज दिया गया। बाबा साहब के स्मृति में पंच तीर्थ प्रेरक स्थलों का विकास कर निमार्ण बीजेपी सरकार द्वारा किया। लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती के अवसर पर पार्टी द्वारा निर्देशित कार्यक्रम बड़ी उत्साह के साथ मनाया जा रहा हैं डबल इंजन की सरकार ने अनेक योजनाओं का लाभ देकर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी को सच्ची श्रद्धांजलि देने का काम कर किया जा रहा हैं। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व विधान परिषद सदस्य अरविंद्र त्रिपाठी गुडु, रजनीश गुप्ता, रमेश तूफानी,भाजपा वरिष्ठ नेता मान सिंह , महामंत्री राम अवतार कनौजिया, महानगर उपाध्यक्ष धनश्याम दास अग्रवाल, टिंकू सोनकर, सौरभ वाल्मिकी, विपिन सोनकर, विजय भुर्जी, चेतन विष्ट, विनायक पाण्डेय, पंकज सक्सेना, सतीश मिश्रा, अनुराग साहू सहित बड़ी संख्या में अनुसूचित समाज के लोग उपस्थित रहें।

क्षमता विकास कार्यशाला के दूसरे दिन डीडीयू-जीकेवाई के जिला कार्यक्रम प्रबंधकों को प्रशिक्षित किया गया

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने अधिकारियों को क्षमता वृद्धि, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, उत्पादन-उन्मुख लक्ष्यों पर काम करने और स्व-प्रेरणा से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा राजधानी लखनऊ के होटल सेंट्रम में आयोजित क्षमता विकास कार्यशाला के दूसरे दिन, मंगलवार को, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डी.डी.यू.-जी.के.वाई) के अंतर्गत नियुक्त जिला कार्यक्रम प्रबंधकों का प्रशिक्षण एवं क्षमता वर्धन किया गया।

प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग डॉ. हरिओम ने कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके कार्य के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि सभी अधिकारी इस मंच का उपयोग करते हुए अपनी क्षमताओं में वृद्धि करें तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हुए प्रदेश के युवाओं को दक्ष बनाकर राज्य के विकास में योगदान दें। उन्होंने कहा कि अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने हेतु उत्पादन-उन्मुख लक्ष्य (परिणाम आधारित कार्य प्रणाली) के साथ कार्य करना अनिवार्य है। उन्होंने स्व-प्रेरणा (सेल्फ मोटिवेशन) के साथ कार्य करने और कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह ने गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए सभी प्रतिभागियों से सत्र में सक्रिय सहभागिता करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से उपस्थित अधिकारी अपनी समस्याओं के समाधान के साथ-साथ योजना की प्रक्रियाओं को और अधिक स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे। राज्य कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा डीडीयू-जीकेवाई के दिशा-निर्देशों पर आधारित विस्तृत प्रस्तुति दी गई। साथ ही योजना के अंतर्गत युवाओं की पहचान एवं प्रेरण (मोबिलाइज़ेशन) विषय पर भी जानकारी दी गई। इसमें बताया गया कि युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, रोज़गार एवं स्वरोज़गार के अवसरों हेतु कैसे संगठित किया जाए तथा योजना से लाभान्वित करने हेतु तैयार किया जाए। केन्द्रीय तकनीकी सहायता एजेंसी की प्रतिनिधि द्वारा डीडीयू-जीकेवाई के आगामी संस्करण, डीडीयू-जीकेवाई 2.0 की प्रमुख विशेषताओं एवं कार्यान्वयन रणनीति पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। तृतीय दिन (23 अप्रैल) को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की योजनाओं की रूपरेखा, शॉर्ट टर्म स्किलिंग में एनसीवीटी की भूमिका, पोर्टल प्रबंधन, प्रशिक्षण, निरीक्षण एवं मूल्यांकन पर सत्र आयोजित होंगे। इसके बाद इंडस्ट्री प्रैक्टिसेस सत्र में टाटा टेक्नोलॉजीज़ और डसॉल्ट सिस्टम्स जैसी अग्रणी कंपनियों के विशेषज्ञ प्रशिक्षणार्थियों को उद्योग जगत की वर्तमान आवश्यकताओं और सहयोग के अवसरों से अवगत कराएँगे। दिन के अंत में फीडबैक सत्र और समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

कार्यशाला में प्रदेश के विभिन्न जनपदों के जिला समन्वयक, मंडलीय संयुक्त निदेशक और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

6 गांवों में 200 हेक्टेयर पराली और 15 बीघा गेहूं की फसल स्वाहा

लखनऊ, चसं। बंथरा इलाके में मंगलवार को खेत की पराली में लगी आग ने बड़ी तबाही मचाई। आग ने 6 गांवों के खेतों को अपनी चपेट में ले लिया। गेहूं की फसल और पराली जलकर राख हो गई। सादुल्ला नगर और ऐन गांव के बीच नहर के पास दोपहर 11 बजे पराली में संदिग्ध हालात में आग लगी। शुरुआत में सरोजनी नगर से पहुंची दो दमकल गाड़ियां आग पर काबू नहीं पा सकीं। तेज हवा के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। इसके बाद आलमबाग, हजरतगंज, बीकेटी और पीजीआई से भी दमकल गाड़ियां बुलानी पड़ीं।आग सादुल्ला नगर से ऐन, चक, अमावा, नारायणपुर, सहिजनपुर और रामदासपुर गांवों तक फैल गई। करीब 3 किलोमीटर के दायरे में फैली आग से 200 हेक्टेयर पराली जल गई।चक गांव के कई किसानों की फसलें जल गई। इनमें सुमित्रा पाल, रामकुमार, सुरेश कुमार, चंद्रशेखर, महादेव, संकठी, सुरेश रावत, संतोष, गुड्डू, अजय और अयोध्या शामिल हैं।

देश-विदेश डायरी

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले-भारत में मेरी पत्नी मुझसे बड़ी सेलिब्रिटी

जयपुर, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत दौरे पर हैं। मंगलवार को जयपुर में एक बिजनेस समिट को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में मेरी पत्नी मुझसे बड़ी सेलिब्रिटी है। मैं कई देशों में गया हूं, पहली बार भारत आया हूं। अन्य देशों में नीरसता लगती है, लेकिन भारत में जीवंतता महसूस होती है। वेंस ने कहा कि मोदी एक टफनेगोशिएटर हैं और भारत की इंडस्ट्री के लिए लड़ते हैं। यह मैंने कई बार देखा है।इससे पहले वेंस ने मंगलवार सुबह पत्नी उषा, बेटों विवेक, इवान और बेटी मीराबेल के साथ जयपुर का आमेर किला देखा। वे बेटी को गोद में लेकर घूमते हुए दिखे। वे जयपुर शहर से करीब 10 किमी दूर अरावली की पहाड़ियों पर स्थित आमेर किले में जीप से पहुंचे। आमेर फोर्ट के जलेब चौक पर दो हाथियों(चंदा और पुष्पा) ने मेहमानों का स्वागत किया। लोक कलाकारों ने भी कच्छी घोड़ी, घूमर और कालबेलिया डांस कर उनका वेलकम किया। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने वेंस के परिवार से मुलाकात की।वेंस सेंड स्टोन, संगमरमर और पीले पत्थर से बने आमेर फोर्ट पर करीब डेढ़ घंटे रुके। उन्होंने फोर्ट में दीवान-ए-आम, गणेश पोल और मान सिंह महल देखा। इसके साथ ही वेंस के परिवार ने आमेर महल में स्थित विश्व प्रसिद्ध शीशमहल भी देखा। यह शीशमहल कीमती पत्थर और विदेशी कांच से बना है, सैकड़ों साल पहले इसके लिए बेल्जियम से कांच आयात किए गए थे। वेंस ने बेटी को गोद में लेकर फोर्ट को चारों तरफसे दिखाया। पूरा किला देखने के बाद सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे वेंस सपरिवार आमेर फोर्ट से जयपुर के रामबाग पैलेस पहुंचे।वेंस चार दिन के भारत दौरे पर हैं। सोमवार को वे दिल्ली पहुंचे थे। वे सुबह अक्षरधाम मंदिर गए, शाम को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके बाद वे कल रात ही जयपुर पहुंच गए। वेंस जयपुर के रामबाग पैलेस में रुके हैं। मंगलवार सुबह करीब 7.30 बजे वे अपने सुइट से बाहर निकले। गार्डन में नंगे पैर वॉक की। इसके बाद परिवार के साथ ब्रेकफास्ट किया।

ट्रंप से 'दो-दो हाथ' की तैयारी में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी अब अमेरिकी सरकार पर ही कर दिया केस

बोस्टन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से सत्ता संभाली है, वो लगातार एक्शन मोड में हैं। ट्रंप ने कई अहम फैसलों के साथ सरकार के वित्तीय बोझ को कम करने का काम किया है। अब इसी तरह ट्रंप सरकार ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की अरबों डॉलर की फंडिंग रोक दी है। अमेरिकी सरकार के इस फैसले का हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने कड़ा विरोध जताया है और उसके खिलाफ कोर्ट में मुकदमा कर दिया है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने ट्रंप के इस फैसले को असंवैधानिक और अवैध करार देने की मांग करते हुए बोस्टन संघीय न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। विश्वविद्यालय ने अनुदान में 2.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की संघीय मदद रोकने को उसकी सवतंत्रता पर चोट बताई है। हार्वर्ड ने सोमवार को घोषणा की कि उसने अनुदान में 2.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की फंडिंग को रोकने के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, क्योंकि संस्थान ने कहा था कि वह परिसर में सक्रियता को सीमित करने की ट्रंप प्रशासन की मांगों को नहीं मानेगा। दरअसल, 11 अप्रैल को ट्रंप सरकार ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को एक पत्र लिखकर विश्वविद्यालय में व्यापक सरकारी और नेतृत्व सुधारों और इसकी प्रवेश नीतियों में बदलाव की बात कही थी। सरकार ने विश्वविद्यालय से परिसर में विविधता लाने के लिए ऑडिट करने और कुछ छात्र क्लबों को मान्यता देना बंद करने की भी मांग की। इसके जवाब में हार्वर्ड के अध्यक्ष एलन गार्बर ने कहा कि विश्वविद्यालय मांगों के आगे नहीं झुकेगा। कुछ घंटों बाद, ट्रंप सरकार ने हार्वर्ड को दिए जाने वाली संघीय निधि में अरबों डॉलर की रोक लगा दी। इससे पहले ट्रंप प्रशासन के एक अधिकारी ने हार्वर्ड से संपर्क किया और बताया कि यहूदी विरोध पर व्हाइट हाउस के टास्क फोर्स से मिलने वाला पत्र नहीं भेजा जाना चाहिए था। दो अन्य अधिकारियों ने बताया कि यह अनधिकृत था। तीन अन्य लोगों ने बताया कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय को यह पत्र स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के कार्यकारी महाधिवक्ता सीन केवेनी ने भेजा था। वे यहूदी विरोधी कार्य बल के सदस्य भी हैं। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रशासन पत्र पर कायम है। उन्होंने बातचीत न करने पर हार्वर्ड को दोषी ठहराया। व्हाइट हाउस की वरिष्ठ नीति रणनीतिकार मे मेलमैन ने कहा, हार्वर्ड के वकीलों ने गलत व्यवहार किया। उन्होंने फोन नहीं उठाया और यहूदी विरोधी टास्क फोर्स के सदस्यों से बात नहीं की। अब हार्वर्ड खुद को पीड़ित दिखाने का अभियान चला रहा है।

गन्ना मंत्री की अध्यक्षता में स्थाई समिति की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय

लखनऊ, चसं। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी की अध्यक्षता में आज विधान भवन स्थित उनके कार्यालय कक्ष में चीनी उद्योग की स्थाई समिति की बैठक हुई। बैठक में विचार-विमर्श किया गया और किसान हित में महत्पूर्ण निर्णय लिये गये।गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री जी ने निर्देशित किया कि सहकारी गन्ना समितियों में कीटनाशक दवाओं और यूरिया के छिड़काव के लिए किसानों के प्रयोग हेतु एक-एक ड्रोन उपलब्ध कराया जाये। चीनी मिलों को निर्देशित किया जाय कि वे बीमारी और शादी की स्थिति में किसानों को तत्काल गन्ना मूल्य का भुगतान सुनिश्चि करें। स्थाई समिति के सभी सदस्यों को स्ट्रीट लाइट एवं हैण्डपम्प चीनी मिलों से दिलाने के लिए उद्योग बंधु तथा नकली कीटनाशकों के प्रयोग पर रोकथाम के लिए कृषि विभाग को पत्र लिखा जाए। समितियों में सही कीटनाशक की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाय।

बृजेश पाठक ने अनुसूचित प्रबुद्ध वर्गों के घर जाकर भाजपा सरकार की उपलब्धियां के पत्रक बांटे

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। कैंट विधानसभा में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के साथ लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने अनुसूचित प्रबुद्ध वर्गों के घर जाकर भाजपा सरकार की उपलब्धियां के पत्रक बांटे और भाजपा की डबल इंजन सरकार की उपयोगिता को बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बाबा साहब की सोच के अनुरूप किए गए कार्यों की व्यक्तिगत रूप से जानकारी देने के लिए लालकुआं के अनुसूची वर्ग के प्रबुद्धजन में अधिवक्ता गोविन्द कन्नौजिया, अंकित सोनकर, सेवानिवृत्त राज कुमार फिर छोटी लाल कुर्ती सदर पुलिस सेवानिवृत्त विनोद कुमार, लकड़ी मोहाल में सेवानिवृत्त शिक्षक किशन लाल के घर जाकर डबल इंजन की सरकार की योजनाओं को लागू करने का पत्रक वितरित किए।

वहीं पान दरीबा में किसान मोर्चा के अध्यक्ष प्रमोद सिंह के पिता का स्वर्गवास होने पर घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त किया।

कार्यक्रम में महानगर उपाध्यक्ष घनश्याम दास अग्रवाल, विजय भुर्जी, विनायक पाण्डेय, मण्डल अध्यक्ष मानस बाहरी, विनोद सिंह, पार्षद अमित चौधरी, संजय दयाल, अनुराग साहू उपस्थित रहें।